



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27] नई दिल्ली, शनिवार, जूलाई 7, 1973/आषाढ़ 16, 1895  
No 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 7, 1973/ASADHA 16, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administration of Union Territories)

उप-राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, 5 जून, 1973

VICE-PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 5th June, 1973

का. आ. 1831.—भारत के उप-राष्ट्रपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के कुलाधिपति की हौसियत से पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री क. आर. चौधरी, भूतपूर्व प्रिंसिपल, गवर्न-मेन्ट कॉलेज, रोहताक का साधारण पार्षद के पद से त्याग-पत्र स्वीकार करते हैं।

अग्रिम, पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (1) (जे) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कुलाधिपति, श्री एच. आर. सोढ़ी, भू. पू. जज, पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट, सेक्टर-4, चण्डीगढ़, को श्री क. आर. चौधरी के स्थान पर साधारण पार्षद मनोनीत करते हैं।

[नं. वी. पी. एस./पी. यू./73]

वि. फडके, सचिव

S.O. 1831.—The Vice-President of India, in his capacity as the Chancellor of Punjab University, Chandigarh, has in exercise of his powers under Sub-Section (1) of Section 17, of the Punjab University Act has accepted the resignation of Shri K. R. Chaudhry, lately Principal, Govt. College, Rohtak from Ordinary Fellowship of the Punjab University, Chandigarh.

Further, in exercise of his powers under Sub-Section (1)(j) of Section 13 of the Punjab University Act, the Chancellor is pleased to nominate Shri H. R. Sodhi, Retired Judge, Punjab and Harayana High Court, Sector 4, Chandigarh as Ordinary Fellow vice Shri K. R. Chaudhry.

[No. V.P.S./P.U./73]

V. PHADKE, Secy.

## भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 25 मई, 1973

क्र. आ. 1832.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 80-पटियाला निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सोहनलाल सुपूज श्री साँदराम, लाहोरी गेट, गांधी नगर, पटियाला (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सोहन लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. पंजाब-वि. स./80/72(12)]

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

## ORDER

New Delhi, the 25th May, 1973

S.O. 1832.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sohanlal S/o Shri Sauda Ram, Lahori Gate, Gandhi Nagar, Patiala (Punjab), a contesting candidate for the general election held in March, 1972, to the Punjab Legislative Assembly from 80-Patiala constituency, has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sohan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/80/72(12)]

## आदेश

क्र. आ. 1833.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए तमिल नाडु विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 169-थिरुवैयालु निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कवुनराज, पुंगानूर ग्राम, कांगायाम पट्टी पोस्ट (इटथानापुरम, रेलवे स्टेशन) तंजावूर तालुक (तमिलनाडु), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा किये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री कवुनराज को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. त. ना.-वि. स./169/71(57)]

S.O. 1833.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kavunraj, Punganur village, Kangayampatti Post, (Iyyanapuram Railway Station), Thanjavur Taluk (Tamil Nadu) a contesting candidate for election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in March, 1971 from 169-Thiruvaiyaru constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kavunraj to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/169/71 (57)]

## आदेश

नई दिल्ली, 26 मई, 1973

क्र. आ. 1834.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए निर्वाचन के लिए 38-तिरुचन्दुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ए. पोनमयाह, बी. ए. कैरकाय, सोहिन्न पोस्ट, कन्याकुमारी जिला, तमिलनाडु, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा किये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री ए. पोनमयाह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. त. ना.-सो. स./38/71(58)]

## ORDER

New Delhi, the 26th May, 1973

S.O. 1834.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri A. Ponniah, B.A. Kerkad, Suchindran Post, Kanyakumari District Tamil Nadu, a contesting candidate for election to the House of the People from 38-Tiruchendur constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri A. Ponniah to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-HI/38/71 (58)]

नई दिल्ली, 6 जून, 1973

क्र. आ. 1835.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 को हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 147-अरावकूरिची निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस. कन्डासामी गाउन्डर, मूलापट्टी, पो. वेल्लमपून्डी (वाया) अरावकूरिची, थोरापुरम, तालुक, जिला तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सङ्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना किये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्राप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एस. कन्डासामी गाउन्डर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. त. ना. वि. स./147/71(62)]

वी. नागसुब्रमण्यन, सचिव

New Delhi, the 6th June, 1973

S.O. 1835.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Kandasamy Gounder, Moolapatti, Velampooni Post (via) Aravakurichi, Dharapuram Taluk, Tiruchirapalli District, Tamil Nadu, a contesting candidate for election to the Tamil Nadu Legislative Assembly from 147-Aravakurichi constituency, held in March, 1971, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Kandasamy Gounder to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/147/71 (62)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 जून, 1973

क्र. आ. 1836.—एक अधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 28 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मॅसर्स दि इन्डियन टैक एण्ड नैल कम्पनी लिमिटेड के अधिस्त अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 235/70, दिनांक 24-10-70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं. 22/4/71-एम. 2]

इन्द्र लाल नागपाल, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 7th June, 1973

S.O. 1836.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopoly and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of registration of THE INDIAN TACK & NAIL COMPANY LIMITED under the said Act (Certificate of registration No. 235/70 dated 24-10-1970)

[No. 22/4/71-M (II)]

I. L. NAGPAL, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1973

(आय-कर)

क्र. आ. 1837.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री कलाहस्तीसवारा स्वामी ध्व-स्थानम्, श्रीकलाहस्ती (आं. प्र.) को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए ऐतिहासिक, पुरातत्वीय महत्त्व का और आंध्र प्रदेश राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक-पूजा के स्थान के रूप में घोषित करती है।

[सं. 338—फा. सं. 176/5/73-आई. टी. (ए. आई.)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

New Delhi, the 30th April, 1973

INCOME-TAX

S.O. 1837.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Sri Kalahasteeswara Swami Devasthanam, Sri Kalahasti (A.P.), to be of historic, archaeological importance and to be a place of public worship of renown throughout the State of Andhra Pradesh for the purposes of the said section.

[No. 338—F. No. 176/5/73-IT (AI)]

नई दिल्ली, 4 मई, 1973

क्र. आ. 1838.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) (ख) की शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, कोणियायमण मंदिर, कोयम्बटूर को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए ऐतिहासिक महत्व का और तमिलनाडु राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक-पूजा के स्थान के रूप में घोषित करती है।

[सं. 344—फा. सं. 176/38/73-आई. टी. (ए. आई.)]

New Delhi, the 4th May, 1973

S.O. 1838.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Koniya-man Temple, Coimbatore, to be of historic importance and to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu for the purposes of the said section.

[No. 344—F. No. 176/38/73-IT (AI)]

नई दिल्ली, 18 मई, 1973

क्र. आ. 1839.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार श्री वेदान्त देसीकर देवस्थानम को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए सम्पूर्ण तमिल नाडु राज्य में ऐतिहासिक महत्व का और लोक पूजा का विख्यात स्थान अधिसूचित करती है।

[सं. 352—फा. सं. 176/44/73-आई. टी. (ए. आई.)]

वी. बी. श्रीनिवासन, अवर सचिव

New Delhi, the 18th May, 1973

S.O. 1839.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Shri Vedantha Desikar Deyasthanam, Madras, to be of historic importance and to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu for the purposes of the said section.

[No. 352—F. No. 176/44/73-IT (AI)]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मई, 1973

क्र. आ. 1840.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार सर्व श्री एस. पी. मेहता, जी पी. चापड़ा, के. आर. गुगलानी को, जो केंद्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं. 272 (फा. सं. 404/43/71-आई. टी. सी. सी.) तारीख 14 सितम्बर, 1971 के अधीन की गई सर्व श्री पी. आर. गुप्ता और जी. एल. गारू की नियुक्तियां तथा अधिसूचना सं. 22 (फा. सं. 404/25/71-आई. टी. सी. सी.) तारीख 8 फरवरी, 1971 के अधीन की गई श्री के. एल. चापड़ा की नियुक्ति 1 जून, 1873 से रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना 1 जून, 1973 से प्रवृत्त होगी।

[सं. 362—फा. सं. 404/1/73-आई. टी. सी. सी.]

एम. एन. नम्बियार, अवर सचिव

New Delhi the 31st May, 1973

S.O. 1840.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri S. P. Mehta, G. P. Chopra, K. R. Guglani who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointment of S/Shri P. R. Gupta and G. L. Garoo made under Notification No. 272 (F. No. 404/43/71-ITCC) dated 14th September, 1971 and Shri K. L. Chopra under Notification No. 22 (F. No. 404/25/71-ITCC) dated 8th February, 1971 are cancelled with effect from 1st June, 1973.

3. This Notification shall come into force with effect from 1st June, 1973.

[No. 362—F. No. 404/1/73-ITCC]

M. N. NAMBIAR, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 21 जून, 1973

क्र. आ. 1841.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15वां) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुपालन में, केंद्रीय सरकार, एतद्वारा भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के अध्यक्ष श्री सी. डी. खन्ना को 18 मई, 1973 के अपराह्न से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए भारतीय औद्योगिक वित्त निगम का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 2(13) आई. एफ. 1/73]

एम. के. केंकटाचलम, संयुक्त सचिव

(Department of Banking)

New Delhi, the 21st June, 1973

S.O. 1841.—In pursuance of clause (a) of Sub-Section (i) of Section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri C. D. Khanna, Chairman, Industrial Finance Corporation of India, as the Chairman of the Industrial Finance Corporation of India for a further period of one year with effect from the afternoon of the 18th May, 1973.

[No. F. 2(13) IF. 1/73.]

M. K. VENKATACHALAM, Jt. Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(भारतीय पुर्त प्रकाश निधि के कोषपाल का कार्यालय)

नई दिल्ली, 15 जून, 1973

का० भा० 1842.—भारतीय पूर्ण प्रश्न निधि के कोषपाल या उसके अभिकर्ताओं के द्वारा पूर्ण प्रश्न निधि अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के अधीन 31 मार्च, 1973 को धारित पूर्ण प्रश्न निधि (केन्द्रीय) से सम्बन्धित सम्पत्तियों और प्रतिभृतियों की सूची तथा 1972-73 के लेखों का सारांश सामान्य जानकारी के लिए नीचे प्रकाशित किया जा रहा है :

भाग 1—प्रतिभूतियों से भिन्न सम्पत्तियों की सूचि

| क्रम संख्या  | निधान आदेश का न्यौरा संख्या  | विनांक                      | अक्षय निधि का नाम  | सम्पत्ति के प्रशासक                                    | धारित सम्पत्ति   |                   | टिप्पणी                 |
|--|--|-----------------------------|--|--|--|-------------------|-------------------------|
| 1  | 2  | 3                           | 4  | 5  | विवरण  | मूल्य             | वार्षिक आय यदि मालूम हो |
| 1  | 2  | 3                           | 4  | 5  | 6  | 7                 | 8                       |
| 9  | भारत :   |                             |  |  |  |                   |                         |
| 1.   | स्वास्थ्य मंत्रालय अधिसूचना संख्या एफ० 4-3(2)/53-एम०-1, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4-2/61 एम० II (एम० ई० द्वारा यथा संशोधित) : | 12-6-1953<br><br>27-11-1963 | महिलाओं तथा बच्चों के लेडी हाडिंग अस्पताल दिल्ली की निधि : | लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज और अस्पताल का प्रशासनिक बोर्ड | लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज और अस्पताल दिल्ली की भूमि और इमारत सभी। फिक्स्चर फर्नीचर और उपकरणों आदि सहित। लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज और अस्पताल दिल्ली का क्षेत्रफल 49.82 एकड़ है। स्थान :—पंचकुड़ियां रोड : हृदयवन्दी इस प्रकार है :— उत्तर.—पंचकुड़ियां राड। दक्षिण : लेडी हाडिंग रोड पूर्व : कनाट सर्कस पश्चिम : बेयर्ड रोड। सर्वेक्षण संख्या :— सी० ई० 2370 | 63,50,537.00 रुपए | मालूम नहीं              |
| <p>भू० वि० का० संख्या ७4 शर्तें—यह जमीन भूमि तथा विकास अधिकारी, दिल्ली द्वारा संस्था को एक रूपमा प्रति वर्ष के नाम-मात्र किराण पर पट्टे पर दी गई है। मस्जिद, चबूतरे आदि को मिलाकर इस पर कुल 71 इमारतें हैं : भूमि तथा विकास अधिकारी, दिल्ली ने इन इमारतों का मूल्य लगभग 63,50,537 रु० आंका है।</p> |  |                             |  |  |  |                   |                         |

| 1  | 2              | 3   | 4  | 5  | 6                                     | 7          | 8    | 9    |
|--|----------------|---|--|--|---------------------------------------|------------|------|------|
| 2. स्वास्थ्य मंत्रालय<br>अधिसूचना संख्या एफ<br>14-26-61—<br>इस्टिड्यूट | 31-8-1962      | पास्चर इस्टिड्यूट<br>आफ इंडिया  | पास्चर इस्टिड्यूट<br>आफ इंडिया के<br><br>सच के सदस्य                         | (1) एंटीरेबीज रिसर्च<br>सेंटर<br>कसौली की इमारत<br>(2) लेडी सिल्वि-<br>थगो सेनिटोरियम<br>कसौली की इमारत<br>(3) गैल्टन लॉज<br>कसौली।  | मालूम नहीं                            | मालूम नहीं |      |      |
| 3 रक्षा मंत्रालय<br>अधिसूचना संख्या एम०<br>भार० ओ० 250                 | 19 जुलाई, 1960 | कमोला तथा,<br>उदयपुरी स्थित<br>कुमाऊं रेजीमेंटल<br>फार्म की फार्म<br>निधि | निधि का प्रशासन<br>बोर्ड   | कमोला तहसील काला-<br>दुगी, जिला नैनीताल<br>1. औषधालय (30<br>फीट 24 फीट)<br>2 थिमैया साज (30<br>फीट 24 फीट)<br>3. अतिथि गृह न० 1<br>(30 फीट 35<br>फीट)<br>4. अतिथि गृह न०<br>2 (28 फीट 26<br>फीट)   | 4,000 तदेव<br>4,000<br>5,000<br>3,500 |            |      |      |
| महाराष्ट्र<br>1. जी० आई० एच०<br>डी० शिक्षा, संख्या<br>433              | 27 मई, 1909    | भारतीय विज्ञान<br>संस्थान   | बम्बई का कलेक्टर<br>श्री नारायण<br>वत्सालेय सिरूर<br>और श्री नवल<br>एच० टाटा | “विकटोरिया बिल्डिंग”—<br>पूर्ण स्वामित्व—<br>(फी-होल्ड) की वह<br>सारी भूमि जो फोर्ट<br>मे पारसी बाजार<br>स्ट्रीट के पूर्व में<br>एलिफन्टिन सर्किल पर<br>या उसके बराबर में<br>स्थित है। इसमें वाटिका<br>गृह वास गृह और<br>इमारतें शामिल हैं जिसे<br>“विकटोरिया बिल्डिंग”<br>कहा जाता है। इसका<br>क्षेत्रफल 482-3/4<br>वर्ग गज है।         | मालूम नहीं                            | तदेव       |      |      |
| 2 और 3   | तदेव           | तदेव  | तदेव   | “एल्वियन प्लेस और<br>अलेग्जेडरा टेरेस—<br>भूमि का वह सारा<br>भाग जो पगेल रोड<br>के पूर्व में भायखला<br>में स्थित है। इसमें<br>वाटिका गृह, वास गृह<br>और इमारतें अट्टा में<br>वन नौकर-चाकरों के<br>मकान और अस्तबल<br>शामिल हैं, जिन्हें<br>एल्वियन प्लेस और<br>अलेग्जेडरा टेरेस कहा<br>जाता है, इसका क्षेत्र-<br>फल 11,104 वर्ग गज<br>है। | तदेव                                  | तदेव       | तदेव | तदेव |

| 1            | 2                              | 3           | 4                                | 5  | 6   | 7            | 8           | 9 |
|--------------|--------------------------------|-------------|----------------------------------|--|---|--------------|-------------|---|
| तथा 3-क तदेव | जी० आई० एच० डी० शिक्षा रु० 433 | 27 मई, 1909 | भारतीय विज्ञान संघ का कल-संस्थान | बंबई का कल-क्टर श्री मारा-यण दत्तात्रेय मिस्र और श्री नवल एच० टाटा | भायखला के निकट पारेल रोड जिमे भब डा० भम्बरेकर रोड के नाम से पुकारा जाता है के पूर्वी ओर 11,104 वर्ग गज भूमि पर होटल हैरिटेज नामक एक नई इमारत का निर्माण।  | 19,00,000.00 | 1,89,120.00 |   |
| 4 और 5       | तदेव                           | तदेव        | तदेव                             |  | 'रे हाउस और सेंडहस्ट हाउस, बम्बई द्वीप में, अपोलो रिकलेमेशन पर स्थित भूमि का पट्टे पर मिला हुआ वह टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 2004-8/9 वर्ग गज है और जिस पर "रे हाउस" और "सेडहस्ट हाउस" नामक दो इमारतें बनी हुई हैं।   | मालूम नहीं   | मालूम नहीं  |   |
| 6 और 7       | तदेव                           | तदेव        | तदेव                             |  | "रूजवैल्ट या एजरा हाउस—पट्टे पर मिसी भूमि का वह सारा टुकड़ा जो अपोलो रिकलेमेशन पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 533.3/9 वर्ग गज है और जिस पर "रूजवैल्ट हाउस या एजरा हाउस नामक इमारतें बनी हुई हैं। इसके प्रतिरिक्त लगभग 573 3/5 वर्ग गज का पट्टे पर ली गई भूमि का वह टुकड़ा भी जो बम्बई द्वीप में अपोलो रिकलेमेशन पर स्थित है। | तदेव         | तदेव        |   |
| 8 और 9       | तदेव                           | तदेव        | तदेव                             |  | "सारजेंट हाउस और जेकिन्स हाउस—बम्बई द्वीप में अपोलो रिकलेमेशन पर स्थित 3487-2/9 वर्ग गज का भूमि का वह टुकड़ा पर सारजेंट हाउस और जेकिन्स हाउस नामक इमारतें स्थित हैं।  | तदेव         | तदेव        |   |
| 10. तदेव     | तदेव                           | तदेव        | तदेव                             |  | "न्यू ग्रामजी विलिगे-गस जिसे भब स्टेशन टरेसिस स्लोटर रोड"   | तदेव         | तदेव        |   |

| 1  | 2                                | 3           | 4                      | 5   | 6  | 7    | 8    | 9   |
|----|----------------------------------|-------------|------------------------|---|--|------|------|---|
|    |                                  |             |                        |   | कहा जाता है फोरस टन्योर की लगभग 2,290 वर्ग गज की भूमि, जिस का कई वाटिका गृह, ग्राम गृह या रिहायशी भवन बने हुए हैं, जिन्हें न्यू शामजी, ब्रिडजम्स कहा जाता था परन्तु वर्तमान नाम स्टेशन टेरस है तथा यह बम्बई में स्लीटर रोड के दक्षिण में स्थित है।   |      |      |   |
| 11 | जी० आई०एच० डी० शिक्षा संख्या 433 | 27 मई, 1909 | भारतीय विज्ञान संस्थान | बंबई कलक्टर श्री मारा-यण वल्लभेय सिरूर और श्री नवल एच० टाटा | “केन्डी हाउस” पट्टे पर मिली हुई भूमि का वह टुकड़ा जो बम्बई द्वीप में अपोलो रिकले-मेशन पर स्थित है, जिस का क्षेत्रफल लग-भग 529-6/9 वर्ग गज है और जिसे “केन्डी हाउस” कहा जाता है।  | तदेव | तदेव |   |
| 12 | और 13 तदेव                       | तदेव        | तदेव                   | तदेव  | “एस्विन प्लेस और प्रलार्जेन्डा टेरस” के निकट भूमि का वह टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 8,570 वर्ग गज है और जो बम्बई के कलक्टर द्वारा बम्बई शहर में परेल रोड पर भायखला में स्थित भूमि खंड के साथ पंजीकृत है, इसमें वाटिका गृहवास गृह और रिहायशी भवन शामिल हैं। इसे “एस्विन प्लेस और प्रलार्जेन्डा टेरस” के निकट की भूमि कहा जाता है। | तदेव | तदेव | बम्बई शहर के लिए भूमि अधि-ग्रहण अधिकारी ने 107-8/9 वर्ग गज भूमि को अधिगृहीत कर लिया है।                                   |
| 14 | तदेव                             | तदेव        | तदेव                   | तदेव  | “परेल टैंक रोड पर स्थिति भूमि” (1) लगभग 67,057 वर्ग गज भूमि का वह टुकड़ा जिसमें से 7021 वर्ग गज सरकारी टोका भूमि और 2189 वर्ग गज सरकारी भूमि जिसका   | तदेव | तदेव | 74,686 वर्ग भूमि में गज से 15,575.80 वर्ग गज भूमि टाटा हाईड्रो-इलेक्ट्रिक पावर एंड मशीनरी कम्पनी लि० के लिए प्रेषण साहनें |



| 1 | 2 | 3 | 4 | 5   | 6 | 7 | 8  |
|---|---|---|---|---|---|---|--|
|   |   |   |   | हाल ही में निर्धारण किया गया है, शामिल है और शेष इनाम भूमि है जो परेल में परेल गार्डनमेंट टैंक को जाने वाली सार्वजनिक सड़क पर स्थिति है जिसे परेल टैंक रोड स्थित भूमि (वागे श्री हिल) कहा जाता है । |   |   | बिछाने और अन्य निर्माण कार्य करने के लिए भूमि अभिग्रहण अधिनियम के अंतर्गत सरकार द्वारा अभिगृहीत कर ली गई तथा 37471.52 वर्ग गज भूमि बाढ़ में 1922 में भूमि अभिग्रहण अधिकाारी द्वारा अभिगृहीत कर ली गई ।   |
|   |   |   |   | (2) परेल स्थित, इनाम भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 6005 वर्ग गज है ।  |   |   |  |
|   |   |   |   | (3) गार्डनमेंट टोका भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 1058 वर्गगज है और जो बम्बई नगर में परेल पर गोलाकी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है ।  |   |   |  |
|   |   |   |   | (4) सरकारी टोका भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 568 वर्ग गज है और जो बम्बई नगर में परेल पर गोलाकी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है ।  |   |   | परल टैंक रोड पर स्थित भूमि का एक भाग सी० ए० स० संख्या 1/202 पार्ट जिसका क्षेत्रफल 2043.88 वर्ग गज है और सी० ए० स० संख्या 203 पार्ट जिसका क्षेत्रफल 623.33 वर्गगज है, बम्बई नगर निगम ने, भूमि अभिग्रहण अधिनियम (1894 का पहला) की धारा 12 (2) के अधीन एक जलाशय के निर्माण के लिए अभिगृहीत कर लिया था । |

| 1   | 2                                  | 3              | 4  | 5   | 6   | 7            | 8              |
|-----|------------------------------------|----------------|--|---|---|--------------|----------------|
| 15. | जी०आई०एच०<br>डी० शिक्षा सं०<br>433 | 27 मई 1909     | भारतीय विज्ञान<br>संस्थान                      | बम्बई का कलक्टर<br>श्री सारायण<br>वत्तालग मिस्टर<br>और श्री नवन<br>एच० टाटा | बम्बई नगर और<br>रजिस्ट्रेशन उपजिले<br>म कोलाबा रोड के<br>पश्चिम में स्थित भूमि<br>का वह सारा टुकड़ा<br>जिसका क्षेत्रफल लग-<br>भग 2020 वर्गगज<br>है और जिसकी हवेली<br>इस प्रकार है:—<br>उत्तर में आ उत्तर-<br>की ओर : सर करीम-<br>भाई इबाहिम खारो-<br>नेल्ली न्याम के न्यामियो<br>की संपत्ति, दक्षिण में<br>या दक्षिण की ओर :<br>दुलिस चौकी की मड़क,<br>पूर्व में या पूर्व की ओर :<br>कोलाबा रोड, पश्चिम<br>में या पश्चिम की ओर :<br>बोडहाउस रोड । यह<br>भूमि बम्बई के कलक्टर<br>की किताबों में रेट<br>रोल संख्या 8509<br>पर दर्ज है और इसकी<br>कोलाबा प्रभाग की<br>बन्वोबस्त सर्वेक्षण<br>संख्या 48 है ।<br>इसमें उस भूमि पर बनी<br>इमारतें और अन्य बांजे<br>शामिल हैं । इनका<br>निर्धारण बम्बई नगर<br>पालिका द्वारा सवाई<br>संख्या 213 और 214<br>और अधिन : कोलाबा<br>रोड और बोडहाउस<br>रोड की गली संख्या<br>158 और 125 तथा<br>लोअर कोलाबा रोड की<br>गली संख्या 154 के<br>अंतर्गत किया गया है । | 18,44,108 28 | 199,675.08 रु० |
| 16. | जी०आर०ई०<br>डी० संख्या 452         | 7 मार्च 1906   | सर जमशेदजी<br>जेजीभाई पारसी<br>हितकारी संस्थान | मन्त्रि, सर जम-<br>शेद, जी जेजी भाई<br>पारसी हितकारी<br>संस्थान बम्बई,      | बम्बई में हार्नबी रोड,<br>फोर्ट पर स्थित 1688<br>वर्गगज भूमि का टुकड़ा<br>और उस पर बने<br>हुए रिहायशी मकान<br>और इमारतें ।  | मालूम नहीं   | मालूम नहीं     |
| 17. | जी०आर०ई०<br>डी० संख्या 1778        | 10 जुलाई, 1912 | तदेव   | तदेव !  | गोलागली, फोर्ट बम्बई<br>में स्थित पूर्ण स्वामित्व<br>वाली भूमि का सारा<br>टुकड़ा और उस पर   | तदेव         | तदेव           |

|   |   |   |   |   |  |   |   |   |
|---|---|---|---|---|--|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6  | 7 | 8 | 9 |
|   |   |   |   |   | बने हुए बाटिका गृह<br>यामगृह और अस्तबल,<br>जिसका क्षेत्रफल लग-<br>भग 173 और 62<br>वर्ग गज है । |   |   |   |

मद्रास

|  |  |   |  |                        |  |
|--|--|---|--|------------------------|--|
| 1. मद्रास राज्य<br>अप्रदेश सं० 389-<br>शिक्षा, भारत सरकार<br>रक्षा मंत्रालय की<br>अधिसूचना संख्या<br>778—क, भारत<br>सरकार, रक्षा मंत्रा-<br>लय की अधिसूचना<br>संख्या एक 19/84/52<br>जी०आई० और<br>शिक्षा और वैज्ञानिक<br>अनुसंधान मंत्रालय<br>की अधिसूचना संख्या<br>एक० 19-39/54<br>एच०—शिक्षा 19-<br>32/57-17-डी०<br>5 और एक० 19-10/<br>57 डी० 5—द्वारा<br>यथा संशोधित | 25 जून, 1904<br>सारेस मेमोरियल<br>स्कूल (लबडेल)<br>निधि<br>14 मई, 1919<br>14 अगस्त, 1952,<br>15/17 फरवरी,<br>1956, 23<br>अगस्त, 1957<br>28 नवम्बर,<br>1957 | (क) भारत सर-<br>कार के तीन प्रति-<br>निधि जिनमें से<br>एक शिक्षा और<br>अनुसंधान मंत्रालय<br>से होगा जो इस<br>निधि का अध्यक्ष<br>होगा, एक वित्त<br>मंत्रालय से होगा<br>जो स्कूल का<br>कोषाध्यक्ष होगा<br>और एक सवस्य<br>रक्षा मंत्रालय<br>से होगा ।<br>(ख) चार अन्य<br>सदस्य भारत<br>सरकार द्वारा नाम-<br>जद किए जायेंगे । | (क) मद्रास में स्थित<br>भूमि जिसकी सर्वेक्षण<br>संख्या 232 है और जिसका<br>क्षेत्रफल 15 कानी,<br>18 आउड और 1678<br>वर्गफुट है और उस पर<br>बनी हमारात जिसका<br>नाम मद्रास सैनिक<br>बालिका अनाथालय<br>(मद्रास मिलिट्रीफीमेल<br>आरफन अनाथलय) है<br>(ख) नीलगिरि जिले<br>में केटी और ऊटाक-<br>मंड में स्थित भूमि खंड<br>जिनकी सर्वेक्षण संख्याएं<br>और क्षेत्रफल इस<br>प्रकार हैं :— | 1,26,475.99 तरेब<br>र० | इस संरति पर<br>असैनिक अना-<br>थालय का कब्जा<br>है। यह कब्जा इस<br>शर्त पर दिया गया<br>था कि वहां पर<br>अनाथालय की<br>सड़कियों के अलावा<br>मद्रास असैनिक<br>बालिका अना-<br>थालय में पहले<br>भर्ती की<br>गयी 30 अन्य<br>बालिकाओं को<br>धरण पोषण<br>और शिक्षा की<br>व्यवस्था की<br>जायेगी |
|--|--|---|--|------------------------|--|

| ग्राम : | सर्वे सं० | क्षेत्रफल<br>ए०सी० |
|---------|-----------|--------------------|
| केटी    | 1158      | 12.57              |
|         | 1224-4    | 49.26              |
|         | 1354-2    | 606.55             |
|         | 1355-5    | 25.34              |
|         | 1355-5    | 4.20               |
|         | 1356-2    | 0.71               |
|         | 1356-4    | 1.09               |
|         | 1225      | 0.67               |
| ऊटाकमंड | 5020      | 1.66-4/8           |
|         | 5018      | 0.03-5/8           |
| केटी    | 1159-1    | 0.14               |
|         | 1161-1बी  | 1.65               |
| ऊटाकमंड | 4956      | 6.3-4/8            |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

## उत्तर प्रदेश

1. उत्तर प्रदेश सरकार क्रमशः 2 गिरौडी कायस्थ प्रबंध समिति, (क) जिला मिरजापुर शिक्षा विभाग, अधि- अप्रैल 1918 पाठशाला अधिनियम जिसके अन्तर्गत उद्देश के मुहस्तावेजों के अन्तर्गत संख्या 602/- और 1918 निर्माण निरजापुर अधिनियम मिरजापुर में स्थित तीन मकानों के कलक्टर होंगे जिनकी हदबंदी इस प्रकार की होगी :-

मुंशी बिन्देश्वरी (1) दक्षिण-पश्चिम 600.00 रु० मासूम नहीं  
प्रसाद वकील की जाल का मकान उत्तर :  
संपत्ति के निष्ठा- मुसम्मन गुला का मकान ;  
वक सदस्य होंगे। पश्चिम : गढ़नमेंट रोड ;  
पूर्व श्री सुमेर सुनार का मकान :

(2) दक्षिण : मुंशी  
बिन्देश्वरी प्रसाद 600.00 रु० तदेव  
वकील का मकान ;  
उत्तर : मस्जिद,  
पश्चिम : श्री  
रामेश्वर तेली का  
मकान  
पूर्व : सड़क

(3) दक्षिण : श्री  
बुद्ध का मकान,  
उत्तर : मुंशी बिन्देश्वरी  
प्रसाद वकील का 600.00 रु० मासूम नहीं  
मकान ।  
पश्चिम : मुसम्मन  
उमराव का मकान  
पूर्व : सड़क

(ख) मिरजापुर जिले  
की सुनार तहसील के  
मोजा गिरौडी में 600 00 रु० तदेव  
स्थित बाग ।

(ग) मिरजापुर जिला  
की सुनार तहसील के 50 00 रु० तदेव  
मोजा गिरौडी में, उप-  
युक्त (ख) में बताये गये  
भाग में स्थित पाठशाला

## पंजाब

चूंकि केन्द्रीय पूर्व अधिनियम से सम्बद्ध संपत्तियों का भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारा अभी नहीं हुआ है, इसलिए इन संपत्तियों की सूची अभी तैयार नहीं की गई है ।

भाग 2--प्रतिभूतियों की सूची और लेखा सारांश

| सामग्री पूर्ण धन्य सख्या           | निधि का नाम                               | वे व्यक्ति जिनकी और से प्रतिभूतियाँ का व्योग धारित है | प्रतिभूतियों का व्योग | प्रतिभूतियों की कुल रकम | नकद                           |     |           |
|------------------------------------|---|---|-----------------------|-------------------------|-------------------------------|-----|-----------|
| (1)                                | (2)                                       | (3)   | (4)                   | (5)                     | वसूल किया गया व्याज या लाभांश |     |           |
|                                    |   |   |                       | रु०                     | रु०                           | रु० |           |
| <b>भारत</b>                        |   |   |                       |                         |                               |     |           |
| 1. वाणिज्यिक नाविक सुख-सुविधा निधि | वाणिज्यिक नाविक सुख-सुविधा निधि समिति     | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946                           | 1,49,100.00           |                         |                               |     |           |
|                                    |   | 1 1/2 प्रतिशत ऋण 1986                                 | 4,50,000.00           |                         |                               |     |           |
|                                    |   | राजकोष बचत जमापत्र                                    | 25,300.00             |                         |                               |     |           |
|                                    |   | तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० से मियादी जमा        | 2,63,200.00           |                         | 8,87,600.00                   |     | 44,817.02 |
| 2. खण्डपारा राज्य न्याय निधि       | खण्डपारा राज्य न्याय निधि का न्यायी बोर्ड | तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड में मियादी जमा   | 30,600.00             |                         | 30,600.00                     |     | 1,721.25  |
| 3. मणसूत्र सेना हितकारी निधि       | समस्त सेना हितकारी निधि की सामा य समिति   | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946                           | 8,00,400.00           |                         | 8,00,400.00                   |     | 24,012.00 |

| प्राप्तियाँ          |                            | नकद व्यय                              |                                       | नकद शेष           | टिप्पणी  |
|----------------------|----------------------------|---------------------------------------|---------------------------------------|-------------------|--|
| अन्य नकद प्राप्तियाँ | नकद प्राप्तियाँ की कुल रकम | अदायगियाँ                             |                                       |                   |  |
| (7)                  | (8)                        | (9)                                   | (10)                                  | (11)              |  |
| रु०                  | रु०                        | रु०                                   | रु०                                   |                   |  |
| 1                    | 44,817.02                  | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गई फीस  | 44,368.84<br>448.18<br>44,817.02      | ---               |  |
| 2 (क)                | 30,600.00                  | 32,321.25                             | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गयी फीस | 1,704.04<br>17.21 | ---  |
|                      |                            | (क) अन्य अदायगियाँ                    | 30,600.00<br>32,321.25                |                   | (क) यह राशि 4 प्रतिशत व्याज वाले ऋण 1972 की परिशोधन प्राप्तिथो की द्योतक है जो तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड से मियादी जमा के रूप पुनर्निर्देशित की जा चुकी है। |
|                      | 24,012.00                  | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गयी फीस | 23,771.88<br>240.12<br>24,012.00      | ---               | (ख) इस राशि में से 55 रुपये की राशी अन्य शेष की द्योतक है और शेष 11,000 रुपये 12 वर्षीय डाकघर राष्ट्रीय बचत पत्रा की परिशोधन प्राप्तिथो के सम्बन्ध में है।             |

| (1)   | (2)   | (3)   | (4) | (5)   | (6)                    |
|---|---|---|-----|---|------------------------|
|   |   |   |     | ₹०  | ₹०                     |
| 4 महिलाओं तथा बच्चा लेडी हाइंग मेडिकल के लिए लेडी हाइंग कॉलेज और अस्पताल अस्पताल (दिल्ली) की का प्रशासित बाई निधि |   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण 1916 4½ प्रतिशत 1986 1½ प्रतिशत 1977 राजकोष बचत रक्षा जमा पत्र राष्ट्रीय/आयोजना/रक्षा बचत पत्र 4½ प्रतिशत 1973 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (निर्गम II) 6 प्रतिशत — पश्चिम नयाल राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1982 |     | 8 05,800 00 7,300 00 25,300 00 94,500 00 15,10,900.00 88,100.00 41,000.00 22,000.00 | 26,24,000 00 40 332 74 |
| 5 सेना अधिकारी हितकारी निधि   | सेना अधिकारी हितकारी निधि की सामान्य सर्मति | 3 प्रतिशत रूपान्तरण 1946  |     | 53,300 00   | 53,300 00 1,599 00     |
| 6 सेट इन्सटन्स (इंडिया) फण्ड  | सेट इन्सटन्स (इंडिया) फंड का न्यासी बाई     | 3 प्रतिशत रूपान्तरण 1946 4½ प्रतिशत 1989 राजकोष बचत जमा पत्र  |     | 92,900 00 15,000 00 60,000 00   | 1,67,900.00 6,199 50   |

| (7)             | (8)       | (9)   | (10)                                 | (11)   |
|-----------------|-----------|---|--------------------------------------|--|
|                 |           |   | ₹०                                   | ₹०   |
| 4 (ख) 11,055 00 | 51,387 74 | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस (ग) अन्य अवयवगिया | 39,929 11 403 33 11,000 00 51,332 74 | 55 00 (ग) यह राशि 12 वर्षीय डाकघर राष्ट्रीय बचत पत्रों की परिशोधन प्राप्ति को धीरे धीरे जो 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्रों (दूसरा निर्गम) से पुनर्निवेशित की जा चुकी है। |
| 5. —            | 1,599.00  | दिया गया ब्याज सरकार का दी गई फीस                   | 1,583 00 16 00 1,599.00              | —  |
| 6.              | 6,199 50  | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस                   | 6,137 50 62 00 6,199 50              | —  |

| (1)  | (2)  | (1)                              | (4)                           | (5)         | (6)         |
|--|--|----------------------------------|-------------------------------|-------------|-------------|
|  |  |                                  | ₹०                            | ₹०          | ₹०          |
| 7. वायुसेना अधिकारी<br>अणुदायी शिक्षा निधि | वायु सेना अधिकारी अणु- तमिलनाडु<br>दायी शिक्षा निधि की निवेश निगम नि० के<br>सामान्य समिति पास मीमादी जमा | श्रीयोगिक                        | 50,000 00                     |             |             |
|  |  |                                  | राष्ट्रीय रक्षा पत्र          | 55,000 00   |             |
|  |  |                                  | रक्षा जमा पत्र                | 1,00,000 00 |             |
|  |  |                                  | 4 <sup>औ</sup> प्रतिशत मद्रास |             |             |
|  |  |                                  | अणु 1976                      | 40,100.00   | 2,45,100 00 |
|  |  |                                  |                               |             | 9,779 74    |
| 8. धामस रीड बेल<br>स्मारक निधि             | अध्यक्ष, वन अनुसंधान<br>संस्थान और कान्हेज, अणु, 1946  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण              | 3,100.00                      | 3,100.00    | 93.00       |
|  | वेहरादून   |                                  |                               |             |             |
| 9. केन्द्रीय युद्धोपरान्त पुनर्वास<br>निधि | केन्द्रीय युद्धोपरान्त पुनर्वास<br>निधि की प्रबन्ध समिति   | 4 प्रतिशत अणु 1979               | 1,80,000 00                   | 1,80,000,00 | 23,450.00   |
| 10. भारतीय पाश्चर संस्थान                  | भारतीय पाश्चर संस्थान की<br>संस्था के प्रशासक  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण अणु,<br>1946 | 66,900.00                     |             |             |
|  |  | 4 प्रतिशत अणु 1980               | 1,10,900.00                   |             |             |
|  |  | राष्ट्रीय आयोजना बचत पत्र        | 15,000.00                     | 1,92,800 00 | 6,443 00    |

| (7)             | (8)       | (9)  | (10)  | (11)  |
|-----------------|-----------|--|---|---|
| ₹०              | ₹०        | ₹०   |   |   |
| 7               | 9,779.74  | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस                     | 9,681.94<br>97.80<br>9,779 74                 |   |
| 8               | 93.00     | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस                     | 92 06<br>0.94<br>93.00                        |   |
| 9 (अ) 25,000 00 | 18,150.00 | दिया गया ब्याज<br>(घ) अन्य भुगतान<br>सरकार को दी गयी फीस | 23,215.50<br>25,000 00<br>234 50<br>48,450 00 | (घ) यह राशि 12 वर्षीय राष्ट्रीय<br>आयोजनागत बचत पत्रों की परिणोध्यत<br>प्राप्तियों का स्रोतक है, जो निधि<br>प्राधिकारियों को वापस की जा चुकी<br>है। |
| 10.             | 6,443 00  | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस                     | 6,378 56<br>64 14<br>6,443 00                 |   |

| (1)   | (2)   | (3)  | (4)  | (5)          | 6  |              |
|---|---|--|--|--------------|--|--------------|
|   |   |  |  | ₹०           | ₹०   | ₹०           |
| 11 राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण निधि                             | राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण निधि की सामान्य समिति | 5½ प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1977          | तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास मीयादी जमा | 29,08,700.00 |  |              |
|   |   | 5½ प्रतिशत बम्बई नगर-पालिका ऋण पत्र 1977           |  | 23,00,000.00 |  |              |
|   |   | 5½ प्रतिशत बम्बई नगर-पालिका ऋण पत्र 1978           |  | 82,75,000.00 |  |              |
|   |   | 5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश राज्य विकास ऋण 1977         |  | 25,68,500.00 | 1,80,29,800.00   | 10,21,613.98 |
|   |   |  |  | 19,77,600.00 |  |              |
| 12. पुस्तकालय विज्ञान के लिए शारदा रंगनाथन पूर्त अक्षय निधि | निधि की प्रबन्ध समिति                         | तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास मीयादी जमा |  | 3,50,000.00  | 3,50,000.00  | 21,875.00    |
| (7)   | (8)   | (9)  | (10)   | (11)         |  |              |
| ₹०  | ₹०  | ₹०   | ₹०   |              |  |              |
| 11. (क) 29,50,024.80  | 39,71,638.78                                  | दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस                  | 10,11,397.83                                       | —            | (क) इस राशि में से 24.80 रुपये की राशि (29,50,000 रुपये में से) 29,49,975.20 रुपये की लागत पर 5½ प्रतिशत व्याज वाले महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1977 के ऋणपत्र खरीदने के बावजूद शेष राशि की छोटक है और शेष 29,50,000 रुपये 4½ प्रतिशत व्याज वाले राष्ट्रीय रक्षा बाण्ड 1972 की परिशोधन प्राप्तिवों के छोटक है। |              |
|   |   | (ख) अन्य भुगतान                                    | 10,216.15  |              | (ख) यह राशि निम्नलिखित की छोटक है :—   |              |
|   |   |  | (क) 29,50,024.80                                   |              | (i) 5½ प्रतिशत व्याज वाले महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1977 के ऋण पत्रों को खरीदने के पश्चात् शेष शेष 24.80 रुपये की राशि जो निधि प्राधिकारियों को वापस की जा चुकी है।  |              |
|   |   |  | 39,71,638.78                                       |              | (ii) 4½ प्रतिशत व्याज वाले राष्ट्रीय बाण्ड 1972 की परिशोधन प्राप्तिवों के सम्बन्ध में 29,50,000 रुपये जो उपर्युक्त निवेश के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रेषित किये जा चुके हैं।   |              |
| 12. —   | 21,875.00                                     | दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस                  | 21,656.24  | —            |  |              |
|   |   |  | 218.76   |              |  |              |
|   |   |  | 21,875.00  |              |  |              |



| (1)                        | (2)                       | (3)                         | (4)           | (5)          | (6)       |
|----------------------------|---------------------------|-----------------------------|---------------|--------------|-----------|
|                            |                           |                             |               | रुपये        | रुपये     |
| 13. वेहराडून स्थित वयस्क   | अधीक्षक, वयस्क            | अन्ध                        | रक्षा जमापत्र | 10,350.00    | 54,350.00 |
| अन्ध प्रशिक्षण केन्द्र की  | प्रशिक्षण केन्द्र, वेहरा- | 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र |               |              | 2,867.62  |
| मुलजाई धीरमजी कांगा        | डून                       | तीसरा निर्गम                | 39,600.00     |              |           |
| प्रशिक्षणार्थी कल्याण निधि |                           | 6 प्रतिशत पश्चिम बंगाल      |               |              |           |
|                            |                           | राज्य बिजली बोर्ड बांड      |               |              |           |
|                            |                           | 1982                        | 4,400.00      |              |           |
| 14. झंझा दिवस निधि         | झंझा दिवस निधि की प्रबंध  | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण      |               |              |           |
|                            | समिति                     | 1946                        | 4,20,000.00   |              |           |
|                            |                           | 4½ प्रतिशत मध्य प्रदेश      |               |              |           |
|                            |                           | राज्य विकास ऋण 1974         | 1,34,000.00   |              |           |
|                            |                           | 4½ प्रतिशत आन्ध्र प्रदेश    |               |              |           |
|                            |                           | राज्य विकास ऋण 1974         | 1,65,000.00   |              |           |
|                            |                           | 4½ प्रतिशत बिहार राज्य      |               |              |           |
|                            |                           | विकास ऋण 1974               | 1,58,000.00   |              |           |
|                            |                           | 4½ प्रतिशत उत्तर प्रदेश     |               |              |           |
|                            |                           | राज्य विकास ऋण              |               |              |           |
|                            |                           | 1974                        | 50,000.00     |              |           |
|                            |                           | 4½ प्रतिशत मद्रास ऋण        |               |              |           |
|                            |                           | 1974                        | 1,08,000.00   |              |           |
|                            |                           | 4½ प्रतिशत महाराष्ट्र       |               |              |           |
|                            |                           | राज्य विकास ऋण              |               |              |           |
|                            |                           | 1974                        | 1,07,000.00   |              |           |
|                            |                           |                             |               | 11,42,000.00 | 47,746.25 |

| (7)                 | (8)         | (9)                | (10)        | (11)                             |
|---------------------|-------------|--------------------|-------------|----------------------------------|
| रु०                 | रु०         | रु०                |             |                                  |
| 13. (छ) 11.00       | 2,878.62    | दिया गया ब्याज     | 2,577.58    | 11.00 (छ) यह भयशेष की श्रोतक है  |
|                     |             | सरकार को दी गई फीस | 26.04       |                                  |
|                     |             |                    | 2,603.62    |                                  |
| 14. (ज) 1,25,000.00 | 1,72,746.25 | दिया गया ब्याज     | 47,268.77   | —                                |
|                     |             | सरकार को दी गई फीस | 477.48      |                                  |
|                     |             | (ज) अन्य ऋणतान     | 1,25,000.00 |                                  |
|                     |             |                    | 1,72,746.25 | (ज) यह राशि 4½ प्रतिशत ब्याज     |
|                     |             |                    |             | वाले मद्रास ऋण 1972 की परि-      |
|                     |             |                    |             | शोधन प्राप्तियां की श्रोतक है जो |
|                     |             |                    |             | निधि प्राधिकारियों को वापस की    |
|                     |             |                    |             | जा चुकी है।                      |

| (1)   | (2)                                    | (3)   | (4)          | (5)          | (6)   |
|---|--|---|--------------|--------------|---|
| महाराष्ट्र  |  |   | ₹०           | ₹०           | ₹०  |
| 1. भारतीय विज्ञान संस्थान (बंगलौर की सम्पत्तियाँ) | भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर की परिषद | 7 वार्षिक राष्ट्रीय बचत पत्र (तीसरा निर्गम) | 2,200.00     | 2,200.00     | 10,515.25   |
| 2. भारतीय विज्ञान संस्थान (बम्बई की सम्पत्तियाँ)  | भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर की परिषद | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946                 | 10,22,800.00 | 12,20,900.00 | (क) 49,440.50   |
|   |  | 5½ प्रतिशत ऋण 2,000                         | 1,40,300.00  |              |   |
|   |  | 5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1982               | 57,800.00    |              |   |
| (7)   | (8)                                    | (9)   | (10)         | (11)         |   |
| ₹०  | ₹०                                     | ₹०  |              |              |   |
| 1. (क) 79,404.64                                  | 89,919.89                              | बिया गया ब्याज                              | 10,378.69    | 154.45       | (ठ) निधि की प्रतिभूतियों पर देय सकल ब्याज की रकम 13,656.25 रुपये है जिसमें से 75,000 रुपये के मूल्य के 5½ प्रतिशत ब्याज वाले औद्योगिक वित्त निगम बाण्ड 1980 पर भ्राय कर और अधिभार के रूप में 3,141 रुपये की रकम काट ली गई है। रकम की वापसी के बावले के संबंध में कार्रवाई की जा रही है। |
|   |  | (ड) सरकार को दी गई फीस                      | 154.45       |              |   |
|   |  | अन्य भुगतान                                 | 79,386.75    |              |   |
|   |  |   | 89,919.89    |              |   |
|   |  |   |              |              | (ड) यह राशि (i) 75,744.64 रुपये की कुल लागत पर 75,000 रुपये के मूल्य के 5½ प्रतिशत ब्याज वाले औद्योगिक वित्त निगम बाण्ड 1980 की बिन्ही से हुई प्राप्ति और (ii) शायकर और अधिभार की वापसी की 3,660 रुपये की रकम की धोतक है।   |
|   |  |   |              |              | (ड) बेची गयी उपर्युक्त प्रतिभूतियों से प्राप्त 1,788.89 के सकल ब्याज की रकम में से वसूल की गयी 17.89 रुपये की रकम इसमें शामिल है।   |
| 2. (क) 7,103.02                                   | 56,543.52                              | बिया गया ब्याज                              | 48,946.09    | 27.02        | (क) इस राशि में 10-10-1971 को समाप्त होने वाली दो छमाहियों के लिये 1,40,300 रुपये के मूल्य के 5½ प्रतिशत ब्याज वाले ऋण 2000 की बकाया ब्याज की रकम शामिल है।   |
|   |  | सरकार को दी गई फीस                          | 494.41       |              |   |
|   |  | अन्य भुगतान                                 | 7,076.00     |              |   |
|   |  |   | 56,516.50    |              |   |
|   |  |   |              |              | (त) यह राशि अन्य शेष के 27.02 रुपये की तथा 7,076 रुपये की कर की वापस की गयी रकम की धोतक है।   |

| 1)   | (2)   | (3)                         | (4)       | (5)           | (6)      |
|--|---|-----------------------------|-----------|---------------|----------|
|  |   |                             | ₹०        | ₹०            | ₹०       |
| 3. कराची के फ़ैरीजी कोबासजी की छात्र-वृत्ति निधि | कप्तान-अधीक्षक प्रशिक्षण पोत, "राजेन्द्र" आफ न्यू फ़ेरी बर्फ, बम्बई-9   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 | 60,000.00 | 60,000.00 (द) | 1,386.00 |
| 4. चैटफील्ड स्मारक पुरस्कार निधि                 | 1. प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, पूना<br>2. प्रिंसिपल, पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, धारवाड़<br>3. प्रिंसिपल, पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, ग्रहमदाबाद | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 | 200.00    | 200.00        | 6.00     |
| 5. गणेश बलवन्त लिये छात्रवृत्ति निधि             | शिक्षा निवेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 | 56,000.00 | 56,000.00     | 1,680.00 |

| (7)           | (8)      | (9)   | (10)                        | (11)   |
|---------------|----------|---|-----------------------------|--|
| ₹०            | ₹०       |   | ₹०                          |  |
| 3. (घ) 396.00 | 1,782.00 | दिया गया ब्याज<br>अन्य भुगतान<br>सरकार को दी गई फीस | 1,368.00<br>396.00<br>18.00 | (द) 1,800 रुपये के कुल ब्याज की रकम में से आय-कर और अधिभार की 414 रुपये की रकम काट ली गयी है जिसके संबंध में वापस किया जायगा और जिसे वापस किया जायगा।                          |
|               |          |   | 1,782.00                    | (ध) यह राशि आय-कर और अधिभार की वापसी की शोतक है।   |
|               |          | सरकार को दी गई फीस (झ)                              | 0.03                        | 22.25  |
| 4. (न) 19.78  | 25.78    | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गयी फीस               | 1.73<br>0.02                | (झ) पूना<br>(ञ) धारवाड़<br>(ट) ग्रहमदाबाद<br>(ठ) चूंकि पूना स्थित संस्थान को पहली अप्रैल, 1964 से बन्द कर दिया गया है इसलिए ब्याज रखा गया है।<br>(न) यह रकम अधिशेष की शोतक है। |
|               |          |   | (ञ) 1.75                    |  |
|               |          | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गयी फीस               | 1.73<br>0.02                |  |
|               |          |   | (ट) 1.75                    |  |
|               |          | जोड़  | 3.53                        |  |
|               | 1,680.00 | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गयी फीस               | 1,663.20<br>16.80           |  |
|               |          |   | 1,680.00                    |  |

| (1) | (2)   | (3)   | (4)  | (5)                     | (6)                  |
|-----|---|---|--|-------------------------|----------------------|
|     |   |   | ₹०   | ₹०                      | ₹०                   |
| 6.  | सर विलियम मूर स्मारक निधि   | निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महाराष्ट्र राज्य, बम्बई  | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946                                  | 1,100.00                | 1,100.00 33.00       |
| 7.  | बम्बई प्रेजिडेंसी में मुसलमानों में शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए काजी शाहबुद्दीन अक्षय निधि | शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना   | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946<br>5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1981 | 1,45,300.00<br>5,100.00 | 1,50,400.00 4,652.24 |
| 8.  | अंग्रेजी में एस० एस० सी० परीक्षा संबंधी पुरस्कार निधि   | शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना   | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946<br>4 प्रतिशत ब०पो०द० ऋण          | 400.00<br>3,000.00      | 3,400.00 132.00      |
| 9.  | कृषि और शिक्षा संबंधी सर सेसून डेविड न्यास निधि   | कृषि और सहकारिता विभाग, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई के सचिव के मार्फत निधि का न्यासी बोर्ड                  | 5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1983                                | 7,51,100.00             | 7,51,100.00 21,594   |
| 10. | बम्बई राज्य परीक्षा और अनुरक्षण संस्था निधि   | अध्यक्ष बम्बई राज्य परीक्षा और अनुरक्षण संस्था बी०आई०टी० ब्लाक संख्या 33, किंग्स सफिल मांडुगा, बम्बई-19 | 5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1978<br>3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946 | 14,000.00<br>7,000.00   | 21,000.00 980.00     |

| (7) | (8)      | (9)                               | (10)                | (11) |
|-----|----------|-----------------------------------|---------------------|------|
|     | ₹०       |                                   | ₹०                  |      |
| 6.  | 33.00    | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस | 32.66<br>0.34       |      |
|     |          |                                   | 33.00               |      |
| 7.  | 4,652.24 | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस | 4,605.70<br>46.54   |      |
|     |          |                                   | 4,652.24            |      |
| 8.  | 132.00   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस | 130.68<br>1.32      |      |
|     |          |                                   | 132.00              |      |
| 9.  | 21,594   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस | 21,378.18<br>215.94 |      |
|     |          |                                   | 21,594.12           |      |
| 10. | 980.00   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस | 970.20<br>9.80      |      |
|     |          |                                   | 980.00              |      |

| 1   | 2   | 3  | 4   | 5                       | 6           | 7         |
|-----|---|--|---|-------------------------|-------------|-----------|
|     |   |  |   | ₹०                      | ₹०          | ₹०        |
| 11. | भारतीय इम्पीरियल सह-<br>यता (छात्रवृत्ति) निधि  | शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र<br>राज्य, पूना | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण<br>1946                                      | 25,200.00               | 25,200.00   | 756.00    |
| 12. | सावित्री बाई कृष्णाराव<br>उपलप छात्रवृत्ति      | तदेव                                     | तदेव  | 12,800.00               | 12,800.00   | 384.00    |
| 13. | बम्बई प्रदेश प्रदर्शन कृषि<br>निधि              | कृषि निदेशक, महाराष्ट्र<br>राज्य, पूना   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण<br>1946<br>53½ प्रतिशत महाराष्ट्र<br>ऋण 1979 | 4,16,000.00<br>2,000.00 | 4,18,000.00 | 12,595.00 |
| 14. | डा० रामचन्द्र शिवाजी<br>पोरेवी छात्रवृत्ति निधि | शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र<br>राज्य, पूना | 3 प्रतिशत रूपान्तरण<br>ऋण 1946                                      | 11,100.00               | 11,100.00   | 333.00    |

| 7   | 8  | 9         | 10                                   | 11                               |
|-----|----|-----------|--------------------------------------|----------------------------------|
| 11. | .. | 756.00    | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 748.44<br>7.56<br>756.00         |
| 12. | .. | 384.00    | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 380.16<br>3.84<br>384.00         |
| 13. | .. | 12,59,500 | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 12,469.04<br>125.96<br>12,595.00 |
| 14. | .. | 333.00    | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 329.66<br>3.34<br>333.00         |

| 1   | 2  | 3   | 4   | 5                                | 6            | 7         |
|-----|--|---|---|----------------------------------|--------------|-----------|
|     |  |   |   | ₹०                               | ₹०           | ₹०        |
| 15. | सर कुसरो वाडिया न्यास निधि                               | के शासी निकाय के अध्यक्ष द्वारा सचिव, कृषि और सहकारिता विभाग महाराष्ट्र सरकार बम्बई | 4½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1976   | 12,81,300.00                     | 12,81,300.00 | 60,861.74 |
| 16. | युद्धोपरान्त सैन्य पुनर्निर्माण निधि (राजस्थान श्रृंखला) | निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र राज्य एस०एस० तथा ए० बोर्ड, पूना-1                      | 5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1982<br>3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946<br>4½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1947 | 6,400.00<br>1,200.00<br>3,500.00 | 11,110.00    | 561.50    |
| 17  | भारतीय वाणिज्य नाविकों के लिये युद्ध स्मारक निधि 1947    | इण्डियन सेलर्स होम सोसाइटी की प्रबन्ध समिति, मस्जिद बन्दर साइडिंग रोड, बम्बई-9      | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946   | 21,32,900.00                     | 21,32,900.00 | 63,987.00 |

| 8              | 9         | 10  | 11  | 12   |
|----------------|-----------|---|---|--|
| ₹०             | ₹०        | ₹०  | ₹०  |  |
| 15. (ब) 311.08 | 61,172.82 | दिया गया ब्याज<br>अन्य भुगतान<br>सरकार को दी गई फीस     | 60,253.12<br>214.00<br>608.62<br><u>61,075.74</u> | 97.08 (म) और (य) : यह राशि अग्र शेष की घोटक है। 1971-72 में 3,500 रुपये के मूल्य के 4 1/2 प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र ऋण 1974 की प्रतिभूतियों पर 26 अगस्त 1972 की छमाही का ब्याज देते समय मार्च 1971 में सरकार को दी गई 0.03 पैसे की प्रतिशत फीस की राशि काट ली गई है। चूंकि सम्बन्धित प्रविष्टि बही खाते में गलत स्थान पर कर दी गई थी, इसलिये पिछले वर्ष के खाते में इति शेष की रकम 0.03 पैसे कम दिखाई गई थी। सही खाते 134.71 रुपये हैं और यही रकम प्रशासक को वापस कर दी गई है। |
| 16. (म) 134.71 | 696.21    | दिया गया ब्याज<br>(य) सरकार को दी गई फीस<br>अन्य भुगतान | 66.88<br>5.82<br>134.71<br><u>696.21</u>          | .. (ब) यह राशि अग्र शेष के 97.08 रुपये और भाग कर की वापसी के रुपये की रकम की घोटक है।  |
| 17. . .        | 63,987.00 | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस                    | 63,347.12<br><u>639.88</u><br><u>63,987.00</u>    |  |

| 1  | 2   | 3  | 4                          | 5           | 6              |
|--|---|--|----------------------------|-------------|----------------|
|  |   |  | रु०                        | रु०         | रु०            |
| 18. होमी भट्टा विजय धन्यवाद निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र निधि (राजस्थान ग्रंथ) | राज्य एम० एस० तथा ए० बोर्ड पूना-1.  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946<br>4 1/4 प्रतिशत ऋण 1973<br>4 1/4 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1974 | 800.00<br>100.00<br>400.00 | 1,300.00    | 46.24          |
| 19. एल० बी० मंडके पुरस्कार निधि  | शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र पूना  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946  | 1,600.00                   | 1,600.00    | 48.00          |
| 20. कुमारी मणिकबाई तदेव शिल्प पुरस्कार निधि                                    | शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना   | 3 प्रतिशत ऋण 1896-97   | 1,000.00                   | 1,000.00    | 30.00          |
| 21. मराठा युद्ध स्मारक निधि  | मराठा युद्ध स्मारक निधि के प्रबन्धन सचिव मराठा लाईट इन्फेंट्री रेजिमेंटल सेंटर, बेलगांव | 5 1/2 प्रतिशत ऋण 2000<br>3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946                                     | 9,100.00<br>5,45,300.00    | 5,54,400.00 | (कष) 17,187.00 |

| 7        | 8     | 9         | 10                                 | 11  |
|----------|-------|-----------|------------------------------------|---|
|          | रु०   | रु०       | रु०                                |   |
| 18. (कष) | 96.60 | 142.84    | 45.78<br>142.84<br>96.60<br>142.84 | यह राशि ग्रन्थ शेष की धोतक हैं जो प्रशासक को वापस कर दिये गये हैं।  |
| 19.      | ..    | 48.00     | 47.52<br>0.48<br>48.00             | ..  |
| 20.      | ..    | 30.00     | 29.70<br>0.30<br>30.00             | ..  |
| 21 (कष)  | 35.91 | 17,222.91 | 17,013.39<br>173.61<br>17,187.00   | 35.91 (कष) यह राशि ग्रन्थ शेष की धोतक हैं। निधि की प्रतिभूतियों पर वेय कुल ब्याज की रकम 17.360 रुपये हैं, जिसमें से 9,100 रुपये मूल के 5 1/2 प्रतिशत ब्याज वाले ऋण, 2000 की प्रतिभूतियों पर 10 अप्रैल, 1972 को समाप्त होने वाली तीन छमाहियों के ब्याज से से प्राय कर तथा अधिभार के 173.00 रुपये की रकम काट ली गई है। रकम की वापसी के दावे के सम्बन्ध में कार्यवाई की जा रही है। |

| 1   | 2   | 3   | 4                                | 5         | 6         | 7      |
|-----|---|---|----------------------------------|-----------|-----------|--------|
|     |   |   |                                  | ₹०        | ₹०        | ₹०     |
| 22. | सर एम० बी० जोशी न्यास प्रिंसिपल, कृषि कालेज पूना निधि | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946   |                                  | 12,800.00 | 13,300.00 | 384.00 |
|     |   | 5 3/4 प्रतिशत ऋण 2000   |                                  | 500.00    |           |        |
| 23  | कुमारी क्लार्क स्मारक उप-चय निधि                      | भारत की नारियों को स्त्री रोग चिकित्सा सहायता तथा शिक्षा प्रदान करने वाली राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा के अध्यक्ष, द्वारा श्री आर० एन० भावलनगरी एस० बी० बिल्लीमौरिया एंड कम्पनी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 113, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-1 | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946      | 11,000.00 | 11,000.00 | 330.00 |
| 24, | बरजोरजी मानेकजी सुतारिया पुरस्कार निधि                | शिक्षा निवेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946      | 2,000.00  | 2,000.00  | 60.00  |
| 25  | कैम्पबेल स्मारक निधि                                  | एशियाटिक सोसाइटी की बम्बई शाखा की प्रबन्ध समिति, टाउन हाल, बम्बई-1  | 5 3/4 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1984 | 4,900.00  | 4,900.00  | 213.00 |

| 8                 | 9        | 10  | 11   | 12  |
|-------------------|----------|---|--|---|
| ₹०                | ₹०       |   | ₹०   |   |
| 22. (कच) 500.00   | 884.00   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस अन्य भुगतान | 380.16<br>3.84<br>500.00<br><hr/> 884.00     | .. (कच) यह राशि अब शेव की द्योतक है जो 5 3/4 प्रतिशत ब्याज वाले ऋण 2000 में पुनः निवेश कर दी गई है।   |
| 23. ..            | 330.00   | दिया गया ब्याज सरकारी को दी गई फीस            | 326.70<br>3.30<br><hr/> 330.00               | ..  |
| 24. ..            | 60.00    | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस             | 59.40<br>0.60<br><hr/> 60.00                 |   |
| 25. (कच) 4,900.00 | 5,113.00 | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस अन्य भुगतान | 210.55<br>2.45<br>4,900.00<br><hr/> 5,113.00 | निधि की प्रतिभूतियों पर देय कुल ब्याज की रकम 245.00 रुपये है जिसमें से 32.00 रुपये की रकम आयकर तथा अधिभार के रूप में काट ली गई है। रकम की वापसी के दावे के सम्बन्ध में कार्रवाई की जा रही है।<br><br>(कच) यह राशि 4 1/4 प्रतिशत वाले महाराष्ट्र ऋण, 1972 की परिशोधन प्राप्तियों की द्योतक है जो 5 3/4 प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र ऋण 1984 में पुनः निवेशित कर दी गई है। |



| 1                      | 2                    | 3                           | 4                  | 5            | 6                 | 7           |
|------------------------|----------------------|-----------------------------|--------------------|--------------|-------------------|-------------|
|                        |                      |                             |                    | रुपये        |                   | रुपये       |
| 26. सर जमशेदजी जेजीभाई | सविध, सर जे० जे० पी० | स्टेट बैंक के शेयर          |                    | 1,300.00     |                   |             |
| पारसी हितकारी संस्था   | बी० संस्था 209 डा०   | 3 प्रतिशत ऋण 1896-97        |                    | 6,900.00     |                   |             |
|                        | दादा भाई नौरोजी रोड, | 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण      |                    | 12,99,500.00 |                   |             |
|                        | फोर्ट, बम्बई-1       | 1946                        |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 4 प्रतिशत ऋण 1981           |                    | 500.00       |                   |             |
|                        |                      | 4-3/4 प्रतिशत ऋण 1989       |                    | 500.00       |                   |             |
|                        |                      | 4-1/2 प्रतिशत महाराष्ट्र    |                    | 3,000.00     |                   |             |
|                        |                      | ऋण 1974                     |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 4-3/4 प्रतिशत मद्रास ऋण     |                    | 7,000.00     |                   |             |
|                        |                      | 1976                        |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 4 प्रतिशत बम्बई नगर         |                    | 3,500.00     |                   |             |
|                        |                      | पालिका के ऋण पत्र           |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 5-3/4 प्रतिशत ऋण 2001       |                    | 8,80,800.00  |                   |             |
|                        |                      | 4-3/4 प्रतिशत महाराष्ट्र    |                    | 2,000.00     |                   |             |
|                        |                      | ऋण 1976                     |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 4 प्रतिशत बम्बई पत्तन न्यास |                    | 25,000.00    |                   |             |
|                        |                      | के ऋण पत्र                  |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 5-2 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण   |                    | 4,400.00     |                   |             |
|                        |                      | 1978                        |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 5-1/2 प्रतिशत महाराष्ट्र    |                    | 500.00       |                   |             |
|                        |                      | ऋण 1977                     |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 5-3/4 प्रतिशत मद्रास ऋण     |                    | 2,500.00     |                   |             |
|                        |                      | 1979                        |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 5-3/4 प्रतिशत मद्रास ऋण     |                    | 2,500.00     |                   |             |
|                        |                      | 1980                        |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 5-3/4 प्रतिशत महाराष्ट्र    |                    | 11,400.00    |                   |             |
|                        |                      | ऋण 1982                     |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 5-3/4 प्रतिशत महाराष्ट्र    |                    | 8,900.00     |                   |             |
|                        |                      | ऋण 1981                     |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 6 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य  |                    | 3,36,200.00  | 26,16,900.00 (कठ) | 1,16,244.42 |
|                        |                      | विजली बोर्ड 1981            |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 6 प्रतिशत बम्बई नगर         |                    | 20,500.00    |                   |             |
|                        |                      | पालिका के ऋण पत्र,          |                    |              |                   |             |
|                        |                      | 1982                        |                    |              |                   |             |
| 8                      | 9                    | 10                          | 11                 | 12           |                   |             |
| रु०                    | रु०                  |                             | रु०                |              |                   |             |
| 26. (कज)               | 33,503.68            | 1,49,748.10                 | दिया गया ब्याज     | 1,14,952.47  | 10,680.95         |             |
|                        |                      |                             | (कज) अन्य भुगतान   | 22,952.73    |                   |             |
|                        |                      |                             | सरकार को दी गई फीस | 1,161.95     |                   |             |
|                        |                      |                             |                    |              |                   |             |
|                        |                      |                             |                    | 1,39,067.15  |                   |             |

(कठ) (1) इस राशि में निम्नलिखित शामिल हैं:—

- (I) 12-3-1972 को समाप्त हुये छमाही के लिये 39,000 रुपये के 6 प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र राज्य विजली बोर्ड बाण्ड, 1981 पर प्रतिबंध ब्याज के 1,170.00 रुपये जो अप्रैल 1972 में प्राप्त किये गये थे।
- (II) 1-7-1972 से 27-8-1972 तक की टूटी हुई अवधि के लिये 1,000.00 रुपये के मूल्य के 4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र, 1971-72 की अवधि के ब्याज के 632.00 रुपये जो 27-8-1972 को वापस कर दिये गये थे।
- (III) भारतीय स्टेट बैंक के (13) शेयरों की अन्तिम लाभांश की रकम की 130.00 रुपये की राशि जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर प्राप्त की गई थी और जो अप्रैल 1973 में भरा कर दी जायगी।

(2) 14-1-1973 को समाप्त होने वाली बी छमाहियों के 6 प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड, 1981 के सकल ब्याज के 204.00 रुपये में से प्राय-कर तथा अधिकार के 47.00 रुपये काट लिये गये थे। रकम की वापसी का दावा किया जायगा तथा यह वापस कर दी जायगी।

(कज) यह राशि निम्नलिखित की शीतक है :—

|  | रुपये           |
|--|-----------------|
| (i) 27 अगस्त, 1972 को चुकाये गये 1,000 रुपये के मूल्य के 14 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र, 1912-72 की परिशोधन प्राप्तियां | 1,000.00        |
| (ii) 4 सितम्बर, 1972 को चुकाये 19,500.00 रुपये के मूल्य के 4 1/2 प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र ऋण 1972 की परिशोधन प्राप्तियां          | 19,500.00       |
| (iii) निवेश के प्रयोजन से निधि प्राधिकारी को अक्टूबर 1973 में दिये गये   | 315.00          |
| (iv) निवेश के प्रयोजन से निधि प्राधिकारी को नवम्बर 1972 में दिये गये   | 50.00           |
| (v) कर की वापसी अदायगी   | 2,050.00        |
| (vi) पहली फरवरी 1973 को चुकाये गये 4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई पत्तन न्याम ऋण की परिशोधन प्राप्तियां                                    | 10,500.00       |
| ग्रहण शेष  | 88.68           |
|  | <hr/> 33,503.68 |

(कख) यह राशि निम्नलिखित की शीतक है :

|  | रुपये           |
|--|-----------------|
| (i) प्रशामक की वापस कर दी गयी निवेश न की गई शेष रकम जो   | 88.68           |
| (ii) कर की वापसी अदायगी  | 2,050.00        |
| (iii) 4-9-1972 को चुकाये गये 19,500.00 रुपये के मूल्य के 4 1/2 प्रतिशत ब्याज वाले महाराष्ट्र ऋण 1972 की परिशोधन प्राप्तियों की रकम से खरीदे गये 19,500.00 रुपये के मूल्य के 6 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र 1983 की लागत 315.00 रुपये की रकम निधि प्राधिकारियों को वापस कर दी गयी है और इस प्रकार 13.21 रुपये की अनिविष्ट रकम शेष रह गयी है | 19,801.79       |
| (iv) 27 अगस्त 1972 को चुकाये गये 1000.00 रुपये के मूल्य के 4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई नगरपालिका ऋण पत्रों की परिशोधन प्राप्तियों की रकम से खरीदे गये 1,000.00 रुपये के मूल्य के 6 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र 1983 की लागत 50 रुपये की रकम निधि प्राधिकारियों को वापस कर दी गयी है और इस प्रकार 37.74 रुपये की अनिविष्ट रकम शेष रह गयी है | 1,012.26        |
|  | <hr/> 22,952.73 |

(कक) इस रकम में ये शामिल हैं—

|  |                 |
|--|-----------------|
| (i) पहली फरवरी, 1973 को चुकाये गये 4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई पत्तन न्याम ऋण पत्रों की वापसी अदायगी की प्राप्तियां जो उपयुक्त प्राधिकारी से आवश्यक आदेशों के न मिलने के कारण 31 मार्च, 1973 तक निवेश नहीं की जा सकीं | 10,500.00       |
| (ii) अनिविष्ट शेष—जैसा कि उपर्युक्त मंत्र (कख) (iii) में बताया गया है  | 13.21           |
| (iii) अनिविष्ट शेष—जैसा कि उपर्युक्त मंत्र (कख) (iv) में बताया गया है  | 37.74           |
| (iv) भारतीय स्टेट बैंक के (13) शेयरों का अन्तिम लाभांश जो 31 मार्च, 1973 से पहले वितरित नहीं किया जा सका   | 130.00          |
|  | <hr/> 10,680.95 |

| 1                            | 2                              | 3                        | 4              | 5           | 6        |
|------------------------------|--------------------------------|--------------------------|----------------|-------------|----------|
| 27 भारत की नारियों की स्त्री | राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा | 3 प्रतिशत रुपयान्तरण ऋण  | 2,18,100.00    |             |          |
| 1 रोग चिकित्सा और सहा-       | के कोषाध्यक्ष, द्वारा          | 1946                     |                |             |          |
| यता और शिक्षा प्रदान करने    | श्री आर० एन० भावनगरी           | 5-3/4 प्रतिशत महाराष्ट्र | 30,000.00      | 2,48,100.00 | 8,268.00 |
| की राष्ट्रीय संस्था की बम्बई | एस० बी० विल्सोमोरिया           | ऋण 1981                  |                |             |          |
| शाखा                         | एड कंपनी 113, महात्मा          |                          |                |             |          |
|                              | गांधी रोड, बम्बई-1             |                          |                |             |          |
| 7                            | 8                              | 9                        | 10             | 11          |          |
| रु०                          | रु०                            |                          | रु०            |             |          |
| 27.                          | 8,268.00                       | दिया गया ब्याज           | 8,185.30       |             |          |
|                              |                                | सरकार को दी गई फीस       | 82.70          |             |          |
|                              |                                |                          | <hr/> 8,268.00 |             |          |

| (1)  | (2)   | (3)   | (4)   | (5)          | (6)       |
|--|---|---|---|--------------|-----------|
|  |   |   | ₹०  | ₹०           | ₹०        |
| 28 हस्तमजी जमशेदजी जेजी भाई गुजराती विद्यालय, निधि | सचिव, सर जे० जे० पारसी हितकारी संस्था 209, डा० खादा भाई नौरोजी रोड, फोर्ट बम्बई   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946   | 72,000.00   | 72,000.00    | 2,1600.00 |
| <b>मन्नास</b>                                      |   |   |   |              |           |
| सारेन्म स्मारक (क) विद्यालय (लवडेल) निधि           | भारत सरकार के तीन प्रति-निधि, जिनमे से एक शिक्षा तथा वैज्ञानिक अनुसन्धान मंत्रालय से होगा, जो अध्यक्ष होगा, एक सदस्य वित्त मंत्रालय से होगा जो विद्यालय का कोषाध्यक्ष होगा और एक सदस्य रक्षा मंत्रालय से होगा : | 4½ प्रतिशत ऋण 1986<br>3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946<br>5½ प्रतिशत ऋण 1990<br>त० श्री० निगम लि० के पास मियादी जमा मियादी जमा | 16,400 00<br>7,90,900.00<br>16,600.00<br>4,17,600.00<br>1,00,000.00 | 13,40,900.00 | 55,232.00 |
|  | (ख) चार अन्य सदस्य जिनको भारत सरकार नामजब करेगी   |   |   |              |           |
| 2. विकटोरिया जयन्ती छाल- धृति प्रक्षय निधि, मंगलौर | एक समिति जिसके सदस्य हैं :<br>1. दक्षिण कनारा के जिला न्यायाधीश (अध्यक्ष)<br>2. दक्षिण कनारा के जिला बोर्ड के अध्यक्ष<br>3. मंगलौर नगर परिषद् के सभापति<br>4. दक्षिण कनारा के जिला शिक्षा अधिकारी               | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946   | 35,400.00   | 35,400.00    | 1,062.00  |

| (7)             | (8)         | (9)                                  | (10)                                   | (11)  |
|-----------------|-------------|--------------------------------------|--|---|
| ₹०              | ₹०          | ₹०                                   | ₹०                                     |   |
| 28.             | 2,160.00    | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 2,138 40<br>21.60<br><hr/> 2,160.00    | ..  |
| 1. (कज) 58,665  | 1,13,897.89 | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 54,079.69<br>552.31<br><hr/> 55,232.00 | (कज) यह रकम 57,393.89 रुपये के अग्र शेष की तथा प्राय कर की वापस की गयी 1,272 रुपये की रकम की बातक है। |
| 2 (कट) 2,249.58 | 3,311.58    | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 1,450.00<br>14.50<br><hr/> 1,464.50    | (कट) यह राशि अग्र शेष की बातक है।   |

| (1)   | (2)                                    | (3)                                | (4)          | (5)          | (6)       |
|---|--|------------------------------------|--------------|--------------|-----------|
|   |  |                                    | ₹०           | ₹०           | ₹०        |
| 3. जोनागडला रीया जेटी कॉलेज शिक्षा के निदेशक, कॉलेज छात्रवृत्ति निधि, मद्रास    | 4½ प्रतिशत मद्रास ऋण 1974 . . .        | 3,000.00                           |              |              |           |
|   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 . . .     | 32,400.00                          |              |              |           |
|   | 5½ प्रतिशत मद्रास ऋण 1980 . . .        | 200.00                             | 35,600.00    | 1,116.50     |           |
| 4. फ्रिग स्मारक अक्षय निधि, विद्यालयी शिक्षा निर्देशक, मद्रास और कलक्टर, मद्रास | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 . . .      | 11,500.00                          | 12,600.00    | 394.24       |           |
|   | 5½ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1981 . . .     | 1,100.00                           |              |              |           |
| 5. जे० एम० बोर्न स्मारक अक्षय निधि, मद्रास                                      | दक्षिण रेलवे के मुख्य अभियन्ता, मद्रास | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 . . . | 300.00       |              |           |
|   | 5½ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1982 . . .     | 1,200.00                           |              |              |           |
|   | 5½ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1983 . . .     | 100.00                             | 1,600.00     | 67.74        |           |
| <b>पश्चिम बंगाल</b>   |  |                                    |              |              |           |
| 1. भारतीय प्रकल्प सहायता प्रबन्धक बोर्ड, नई दिल्ली                              | म्यास                                  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 . . . | 32,78,400.00 | 32,78,400.00 | 98.352.00 |
| 2. यहूदी पुर्त अक्षय निधि   | मूसा बोर्ड, कलकत्ता                    | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 . . . | 38,000.00    |              |           |
|   | 5½ प्रतिशत पश्चिम बंगाल ऋण 1983 . . .  | 59,700.00                          | 97,700.00    | 2,456.87     |           |

| (7)              | (8)      | (9) | (10)        | (11)  |
|------------------|----------|-----|-------------|---|
| ₹०               | ₹०       | ₹०  | ₹०          |   |
| 3. (कठ) 6,256.12 | 7,372.62 | ..  | .. 7,372.62 | (कठ) यह रकम अथ शेष के 6,255.12 रुपये की तथा आयकर की वापसी के एक रुपये की छोटक है। |
| 4. (कड) 1,979.74 | 2,373.98 | ..  | .. 2,373.98 | (कड) यह राशि अथ शेष की छोटक है।   |
| 5. (फ) 692.26    | 760.00   | ..  | .. 760.00   | (फ) यह रकम अथ शेष की छोटक है।   |

**पश्चिम बंगाल**

|                  |           |                          |           |  |
|------------------|-----------|--------------------------|-----------|--|
| 1. . .           | 98,352.00 | दिया गया ब्याज . . .     | 97,368.48 |  |
|                  |           | सरकार को दी गई फीस . . . | 983.52    |  |
|                  |           |                          | 98,352.00 |  |
| 2. (ठ) 60,800.00 | 63,256.87 | दिया गया ब्याज . . .     | 2,432.30  | (ठ) यह राशि 60,800.00 रुपये के मूल्य के 3 प्रतिशत ब्याज वाले ऋण 1970-75 की परिशोधन प्राप्ति की छोटक है।  |
|                  |           | सरकार को दी गई फीस . . . | 24.57     | 27.70  |
|                  |           | (ण) अन्य भुगतान . . .    | 60,772.30 | (ण) यह राशि 59,700.00 रुपये के मूल्य के 5½ प्रतिशत ब्याज वाले पश्चिम बंगाल ऋण 1983 की लागत की छोटक है। इस प्रकार 27.70 रुपये का प्रतिनिष्ठ पूंजी शेष रह गया। |
|                  |           |                          | 63,229.17 |  |

| (1)   | (2)  | (3)  | (4)                        | (5)          | (6)       |
|---|--|--|----------------------------|--------------|-----------|
|   |  |  | ₹०                         | ₹०           | ₹०        |
| 3. वाणिज्यिक बेड़े के अधि-<br>कारियों और नाविकों की<br>विक्रिया सहायता निधि | सिविल सर्जन और महा-<br>सचिव, अस्पताल न्याय<br>निधि समिति, जटगांव   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण,<br>1946 . . . . .  | 10,000.00                  | 10,000.00    | ..        |
| <b>मध्य प्रदेश</b>  |  |  |                            |              |           |
| 1. मन्नाथ मुल्ला जहा बेगम<br>शिक्षा अक्षय निधि,<br>भोपाल                    | गवर्नर बोर्ड जिसमें निम्न-<br>लिखित सदस्य हैं—<br>(1) महामान्य सिफन्दर<br>सोलम इफितखार-उल-<br>मुल्क नवाब मुहम्मद<br>हमीदुल्ला खां;<br>(2) श्री महावीर प्रसाद<br>वर्मा, भूतपूर्व न्यायधीश,<br>उच्च न्यायालय, भोपाल;<br>(3) श्री मुहम्मद अहमद<br>अमारी भूतपूर्व न्याया-<br>धीश, उच्च न्यायालय,<br>भोपाल;<br>(4) कर्नल यनीमलमुल्क<br>नवाबजादा रशीदुज्जफर<br>खां बहादुर; और<br>(5) मुतमिदुल इशा अली<br>कादिर श्री सैयद माशूक<br>अली, महामान्य नवाब<br>भोपाल के सफेखगस<br>विभाग के सचिव | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण,<br>1946 . . . . .<br>5 <sup>3</sup> / <sub>4</sub> प्रतिशत मध्य प्रदेश<br>ऋण, 1982 . . . . . | 9,24,400.00<br>4,24,500.00 | 13,48,900.00 | 58,287.61 |

| (7)             | (8)       | (9)                                      | (10)                             | (11)  |
|-----------------|-----------|--|----------------------------------|---|
| ₹०              | ₹०        |  | ₹०                               | ₹०  |
| 3. (म) 1,389.25 | 1,389.25  | .  | ..                               | 1,389.25 (म) यह रकम अथ शेष की ओतक है ।  |
| 1. (कड) 89 18   | 58,376.79 | दिया गया ब्याज .<br>सरकार को दी गई फीस . | 57,614 17<br>643 44<br>58,287.61 | 89.18 (कड) यह राशि अथ शेष की ओतक है । ब्याज की रकम में आयकर तथा अधिभार आदि के कुल 5,996 00 रुपये की राशि शामिल नहीं है जो स्रोत पर ही काट ली गई थी और जिसके लिए प्रशासक से सीधे वापसी अदायगी लेने के लिये आवश्यक कटीती प्रमाणपत्र भेज दिया गया है । |

| (1)   | (2)  | (3)  | (4)  | (5)   | (6) |
|---|--|--|------|---|-----|
|   |  |  | ₹०   | ₹०  | ₹०  |
| 2 सी० पी० श्री बरार सचिव, शासी निकाय, किंग 3 प्रतिशत ऋण 1896-97 19,000 00   | किंग एडवर्ड स्मारक एडवर्ड स्मारक समिति 5-3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण 1983 1,85,900 00 | नागपुर   |      |   |     |
|   |  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 2,42,800.00 14,700 00 14,303 34 |      |   |     |
| 3 सी० पी० कृषि और उद्योग सुधार निधि और उद्योग नागपुर 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 1,24,000 00 1,24,000 00 1,860 00  | सचिव शासी निकाय, कृषि और उद्योग नागपुर   |  |      |   |     |
| 4 एन्सन गार्डिनर स्मारक छात्रवृत्ति निधि नागपुर का विशेष 5 3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983 3,800 00  |  | 1 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 400 00 4,200 00 223 92          |      |   |     |
| (7)   | (8)  | (9)  | (10) | (11)  |     |
| ₹०  | ₹०   |  | ₹०   |   |     |
| 2 (क ण) 36 97 11,340 31 दिया गया ब्याज 14,160 02 36 97 (क ण) यह राशि भ्रष्ट शेष की छानक है। आयकर अधिकारी, भोपाल से छूट प्रमाण-पत्र न प्राप्त होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर द्वारा उच्चतम खाते के अन्तर्गत दिखायी गयी निम्नलिखित प्रतिभूतियों पर प्रत्येक के सामने दी गयी तारीख से छमाही ब्याज       |  | सरकार को दी गई फीस 143 32 14,303 34                          |      |   |     |
|   |  |  |      | (1) 3 प्रतिशत ब्याज जून, 72 तथा दिसम्बर, 1996-97 1972 |     |
|   |  |  |      | (2) 3 प्रतिशत ब्याज सितम्बर, 1972                     |     |
|   |  |  |      | वाला रूपान्तरण ऋण, 1946                               |     |
|   |  |  |      | (3) 5-3/4 प्रतिशत फरवरी, 1973                         |     |
|   |  |  |      | ब्याज वाला मध्य प्रदेश ऋण 1983                        |     |
| 3 (क त) 6100 00 7960 00 दिया गया ब्याज 1,841 40 6,100.00 (क त) यह राशि भ्रष्ट शेष की छानक है। आयकर अधिकारी, भोपाल से छूट प्रमाण पत्र न प्राप्त होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उच्चतम खाते के अन्तर्गत दिखाये गये सितम्बर, 1972 तथा मार्च 1973 की छमाहियों का ब्याज।                                   |  | सरकार को दी गई फीस 18 60 1,860.00                            |      |   |     |
|   |  |  |      |   |     |
| 4 (क थ) 13 17 237 09 दिया गया ब्याज 221 68 13 17 (क थ) यह राशि भ्रष्ट शेष की छानक है। आयकर अधिकारी मध्य प्रदेश भोपाल से छूट प्रमाण-पत्र न प्राप्त होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक नागपुर द्वारा उच्चतम खाते के अन्तर्गत दिखायी गयी निम्नलिखित प्रतिभूतियों का प्रत्येक के आगे दी गयी तारीख से छमाही ब्याज --- |  | सरकार को दी गई फीस 2 24 223 92                               |      |   |     |
|   |  |  |      | (1) 3 प्रतिशत ब्याज सितम्बर, 1972                     |     |
|   |  |  |      | वाला रूपान्तरण ऋण, 1946 मार्च, 1973                   |     |
|   |  |  |      | (2) 5 3/4 प्रतिशत ब्याज फरवरी, 1973                   |     |
|   |  |  |      | वाला मध्य प्रदेश ऋण 1983                              |     |

| (1)  | (2)   | (3)                                   | (4)    | (5)    | (6)   |
|--|---|---------------------------------------|--------|--------|-------|
|  |   |                                       | ₹०     | ₹०     | ₹०    |
| 5 सौभाग्यवती कृष्णा बाई यात्रा कृष्णा स्मृति पुरस्कार निधि | नागपुर परिमण्डल के विद्या लया की तिर्योक्षिता, नागपुर | 5 3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश कृष्ण, 1983 | 200 00 | 200 00 | 11 50 |
| 6 राय बहादुर बन्धुजी, जनार्दन चौबाल पुरस्कार निधि          | सचिव, विदर्भ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नागपुर            | 5 3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश कृष्ण, 1983 | 900 00 | 900 00 | 51 98 |
| 7 रामचन्द्र ठाकुर पुरस्कार निधि                            | सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मध्य प्रदेश, भोपाल       | 3 प्रतिशत रूपान्तरण कृष्ण, 1946       | 500 00 | 500 00 | 7 50  |

| (7)            | (8)    | (9)                | (10)   | (11)  |
|----------------|--------|--------------------|--------|---|
| ₹०             | ₹०     | ₹०                 | ₹०     |   |
| 5 (इड) 276.60  | 288 10 |                    | 288 10 | (इड) यह राशि अथ शेष की शेषतः है। उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार उन्नत खाते के अन्तर्गत दिखायी गयी प्रतिभूतियों का फरवरी, 1973 की छमाही का ब्याज।    |
| 6. (इड) 318 78 | 370 36 |                    | 370 36 | (इड) यह राशि अथ तक शेष की शेषतः है। उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार उन्नत खाते के अन्तर्गत दिखाया गया फरवरी, 1973 की छमाही की प्रतिभूतियों का ब्याज। |
| 7              | 7 50   | दिया गया ब्याज     | 7 42   | यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों पर उन्नत के अन्तर्गत दिखायी गयी प्रतिभूतियों पर सितम्बर, 1972 तथा मार्च, 1973 की छमाहियों के ब्याज की है।              |
|                |        | सरकार को बी गई फीस | 0 08   |   |
|                |        |                    | 7 50   |   |

| (1)   | (2)  | (3)  | (4)                   | (5)       | (6)  |
|---|--|--|-----------------------|-----------|--|
|   |  | रु०  | रु०                   | रु०       | रु०  |
| 8. ग्राउनिंग छात्रवृत्ति और ग्राउनिंग शिक्षक छात्रवृत्ति निधि | कलकटर, नागपुर, शिक्षा निदेशक मध्य प्रदेश, भोपाल और विद्यालय निरीक्षक, नागपुर | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946<br>5 3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1979 | 11,600.00<br>2,200.00 | 13,800.00 | 174.00   |
| 9. हार्डिंग पक्क निधि   | शिक्षा निदेशक, मध्य प्रदेश भोपाल   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946                                       | 2,100.00              | 2,100.00  | 31.50  |
| (7)   | (8)  | (9)  | (10)                  | (11)      |  |
| 8. (क द) 2,378.44   | 2,552.44   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस                                  | 172.26<br>1.74        | 78.44     | यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक नागपुर द्वारा उच्चतम खाते के अन्तर्गत दिखाये गये निम्नलिखित प्रतिभूतियों के प्रत्येक के अग्रे दी गयी तारीख से छमाही ब्याज की है।   |
|   |  | (घ) अन्य भुगतान  | 2,300.00              |           | (1) 3 प्रतिशत ब्याज वाला रूपान्तरण ऋण 1946 सितम्बर, 1946   |
|   |  |  | 2,474.00              |           | (2) 5 3/4 प्रतिशत ब्याज वाला मध्य प्रदेश ऋण 1979 मार्च, 1973   |
| 9. ..   | 31.50  | दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस                                  | 31.18<br>0.32         | ..        | (क द) यह राशि निम्नलिखित की घोलक है—   |
|   |  |  | 31.50                 |           | (i) अर्ध शेष के 2,300 रुपये  |
|   |  |  |                       |           | (ii) 2,221.56 रुपये की लागत पर 2,200 रुपये के मूल्य के 53/4 प्रतिशत ब्याज वाले मध्य प्रदेश ऋण 1979 प्रतिभूतियों खरीदने के बाद अभी शेष रकम 78.44 रुपये।   |
|   |  |  |                       |           | (घ) 5-3/4 प्रतिशत ब्याज वाले मध्य प्रदेश ऋण 1979 की प्रतिभूतियां खरीदने के लिये भारतीय रिजर्व बैंक को प्रेषित राशि।  |
|   |  |  |                       |           | यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार उच्चतम खाते के अन्तर्गत दिखाये गये प्रतिभूतियों के सितम्बर, 1972 तथा मार्च, 1973 की छमाहियों के ब्याज की है।  |
|   |  |  |                       |           | यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार उच्चतम खाते के अन्तर्गत दिखायी गयी प्रतिभूतियों के फरवरी, 1973 की छमाही के ब्याज की है।   |
|   |  |  |                       |           | (क घ) यह राशि 95.72 रुपये के मूल्य के 4 प्रतिशत ब्याज वाले मध्य प्रदेश ऋण 1971 की अनिविष्ट परिशोधन प्राप्तियों की तथा अगस्त 1972 तक की अवधि के न दिये गये ब्याज के 11.12 रुपये की घोलक है क्योंकि भारतीय स्टेट बैंक भोपाल द्वारा 50.00 रुपये से कम सरकारी ड्राफ्ट नहीं जारी किये जाते। |



| (1)  | (2)                            | (3)   | (4)                  | (5)       | (6)    |
|--|--------------------------------|---|----------------------|-----------|--------|
|  |                                |   | ₹०                   | ₹०        | ₹०     |
| 10 मेहयू और स्वेम रजत तिला शिक्षा अधिकारी, पदक निधि                      | विनामपुर                       | 51 प्रतिगत मध्य प्रदेश अधि, 1983                              | 500.00               | 500 00    | 11.12  |
| 11 पंडित प्रेषणकर सुधन कार्यकारी यांत्रिकी गंगाधर ठाकुर छात्रवृत्ति निधि | जयपद समा, दमोह                 | 3 प्रतिगत गान्तरण अधि 1916                                    | 7,100 00             | 7,100 00  | 106.50 |
| 12 रेणुशर पडवा हाई स्कूल छात्रवृत्ति निधि                                | मदन शिक्षा अधीक्षक जयपुर       | 3 प्रतिगत रुपान्तरण अधि 1946                                  | 5,000.00             | 5,000 00  | 75.00  |
| 13 नभवीरार्थ छात्रवृत्ति निधि  | जिता शिक्षा अधीक्षक जयपुर      | 3 प्रतिगत रुपान्तरण अधि 1946                                  | 2,600.00             | 2,600.00  | 39.00  |
| 14 दुडवर्न छात्रवृत्ति निधि  | प्रमिल. राजकुमार कालेज. रायपुर | 51 प्रतिगत मध्य प्रदेश अधि 1983, 3 प्रतिगत रुपान्तरण अधि 1946 | 2,400 00<br>8,300.00 | 10,700.00 | 262.14 |

| (7)          | (8)    | (9)                                  | (10)           | (11)   |
|--------------|--------|--------------------------------------|----------------|--------|
| ₹०           | ₹०     |                                      | ₹०             | ₹०     |
| 10 (क) 95.72 | 106.84 | ..                                   | ..             | 106 84 |
| 11 ..        | 106 50 | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 105.43<br>1.07 | ..     |
|              |        |                                      | 106.50         |        |
| 12. ..       | 75.00  | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 74.25<br>0 75  | ..     |
|              |        |                                      | 150.00         |        |
| 13 ,         | 39.00  | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 38.61<br>0.39  |        |
|              |        |                                      | 39.00          |        |
| 14 (क) 44.63 | 306 77 | दिया गया ब्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 259.51<br>2.63 | 44.63  |
|              |        |                                      | 262.14         |        |

यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक नागपुर द्वारा उच्चतम खाते में दिखायी गयी प्रतिभूतियों के सितम्बर, 1972 तथा मार्च, 1973 की छमाहियों के ब्याज की है।

यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार उच्चतम खाते में दिखाई गई प्रतिभूतियों के सितम्बर 1972 तथा मार्च 1973 की छमाहियों के ब्याज की है।

यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर द्वारा उच्चतम खाते में दिखाई गयी प्रतिभूतियों के सितम्बर, 1972, तथा मार्च, 1973 की छमाहियों के ब्याज की है।

(क) यह राशि अर्थ शेष की शीतक है। उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर द्वारा उच्चतम खाते में दिखायी गयी निम्नलिखित प्रतिभूतियों के प्रत्येक के आगे दी गयी तारीख से छमाही ब्याज :

(1) 3 प्रतिगत ब्याज वाला रुपान्तरण अधि 1946 सितम्बर, 1972 मार्च, 1973

(2) 51 प्रतिगत ब्याज वाला मध्य प्रदेश अधि, 1983 फरवरी 1973

| (1)                   | (2)  | (3)                         | (4)       | (5)       | (6)    |
|-----------------------|--|-----------------------------|-----------|-----------|--------|
| 15. मध्य प्रदेश राज्य |  |                             | ₹०        | ₹०        | ₹०     |
| क्षय रोग संस्था निधि  | अवैतनिक सचिव मध्यप्रदेश राज्य क्षयरोग संस्था, नागपुर | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 | 64,100.00 | 64,100.00 | 961.50 |

## बिहार:

|                                   |   |                              |          |          |       |
|-----------------------------------|---|------------------------------|----------|----------|-------|
| 1. बुड हाउस स्मारक निधि           | कलक्टर, भागलपुर   | रक्षा जमा-पत्र               | 1,100.00 | 1,100.00 | 49.50 |
| 2. राजा रघुनंदन त्याम निधि        | प्रसाद अवैतनिक कोषाध्यक्ष, बिहार एस० पी० सी० ए० मदाकल ग्राम, पटना | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 | 1,600.00 | 1,600.00 | 48.00 |
| 3. सर फ़ज़लुद्दीन स्वर्ण पदक निधि | स्मारक, शिक्षा निदेशक, बिहार पटना                                 | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946  | 1,100.00 | 1,100.00 | 33.00 |

## उत्तर प्रदेश

## अलीगढ़

|                              |   |                             |           |           |        |
|------------------------------|---|-----------------------------|-----------|-----------|--------|
| 1. तसद्दुक छात्रवृत्ति न्याम | रसूल अरबी, कोषाध्यक्ष, मुस्लिम विश्व-विद्यालय, अलीगढ़ | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 | 20,200.00 | 20,200.00 | 606.00 |
|------------------------------|---|-----------------------------|-----------|-----------|--------|

| (7) | (8) | (9)    | (10)               | (11)   |
|-----|-----|--------|--------------------|--------|
| 15. | ₹०  | ₹०     | ₹०                 | ₹०     |
|     | ..  | 961.50 | दिया गया ब्याज     | 951.88 |
|     |     |        | सरकार को दी गई फीस | 9.62   |
|     |     |        |                    | 961.50 |

यहाँ राश उपर्युक्त बताये गये कारणों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उन्नत खाते से विधायी गयी प्रतिभूतियों के सितम्बर, 1972 तथा मार्च, 1973 के छमाहियों के ब्याज की है।

## बिहार

|    |    |       |                     |       |    |
|----|----|-------|---------------------|-------|----|
| 1  | .. | 49.50 | दिया गया ब्याज      | 49.00 | .. |
|    |    |       | सरकार को दी गई फीस  | 0.50  |    |
|    |    |       |                     | 49.50 |    |
| 2. | .. | 48.00 | दिया गया ब्याज      | 47.52 | .. |
|    |    |       | सरकार को दी गई फीस  | 0.48  |    |
|    |    |       |                     | 48.00 |    |
| 3  | .. | 33.00 | दिया गया ब्याज      | 32.66 |    |
|    |    |       | सरकार को दी गयी फीस | 0.34  |    |
|    |    |       |                     | 33.00 |    |

## उत्तर प्रदेश

## अलीगढ़

|   |    |        |                    |        |  |
|---|----|--------|--------------------|--------|--|
| 1 | .. | 606.00 | दिया गया ब्याज     | 599.94 |  |
|   |    |        | सरकार को दी गई फीस | 6.06   |  |
|   |    |        |                    | 606.00 |  |

| (1)   | (2)  | (3)                          | (4)         | (5)         | (6)      |
|---|--|------------------------------|-------------|-------------|----------|
|   |  |                              | ₹०          | ₹०          | ₹०       |
| 2 सरलैबर अड्डाद स्नारक न्याय                    | रजिस्ट्रार, मुस्लिम विश्व-विद्यालय, अलीगढ़     | 3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण, 1916 | 1,16,000.00 | 1,16,000.00 | 3,480.00 |
| 3 सर विनियम मैरिम छात्र वृत्ति अक्षय निधि न्याय | कुलपति मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़           | 3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946  | 6,400.00    | 6,400.00    | 192.00   |
| <b>इलाहाबाद</b>                                 |  |                              |             |             |          |
| 4 सेवा छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्याय             | प्राधान्यार्थ, गवर्नमेन्ट इंटर कालेज इलाहाबाद  | 3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946  | 4,100.00    | 4,100.00    | 123.00   |
| 5 पत्रा छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्याय            | शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद          | 3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946  | 5,200.00    | 5,200.00    | 156.00   |
| 6 विश्वरत्नगरम छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्याय     | प्राधान्यार्थ, गवर्नमेन्ट इंटर कालेज, इलाहाबाद | 3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946  | 14,800.00   | 14,800.00   | 444.00   |
| 7 विज्ञानागम छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्याय       | रजिस्ट्रार, इलाहाबाद विश्व-विद्यालय, इलाहाबाद  | 3 प्रतिगत रूपान्तरण 1946     | 26,000.00   | 26,000.00   | 780.00   |

| (7)             | (8)      | (9)                                  | (10)              | (11) |
|-----------------|----------|--------------------------------------|-------------------|------|
| ₹०              | ₹०       | ₹०                                   | ₹०                |      |
| 2. . .          | 3,480.00 | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 3,445.20<br>34.80 |      |
|                 |          |                                      | <u>3,480.00</u>   |      |
| 3. . .          | 192.00   | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 190.08<br>1.92    | ..   |
|                 |          |                                      | <u>192.00</u>     |      |
| <b>इलाहाबाद</b> |          |                                      |                   |      |
| 4. . .          | 123.00   | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 121.76<br>1.24    | ..   |
|                 |          |                                      | <u>123.00</u>     |      |
| 5. 156.00       |          | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 154.44<br>1.56    |      |
|                 |          |                                      | <u>156.00</u>     |      |
| 6. . .          | 444.00   | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 439.56<br>4.44    | ..   |
|                 |          |                                      | <u>444.00</u>     |      |
| 7. . .          | 780.00   | दिया गया व्याज<br>सरकार को दी गई फीस | 772.00<br>7.80    | ..   |
|                 |          |                                      | <u>780.00</u>     |      |

| (1)                               | (2)  | (3)                    | (4)         | (5)         | (6)      |
|-----------------------------------|--|------------------------|-------------|-------------|----------|
|                                   |  |                        | ₹०          | ₹०          | ₹०       |
| 8. वाराणसी                        |  |                        |             |             |          |
| साधोलाल छात्रवृत्ति               | उपकुलपति, वाराणसी                              | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण | 45,000.00   | 45,000.00   | 1,350.00 |
| अक्षय निधि न्यास                  | संस्कृत विश्वविद्यालय,<br>वाराणसी              | 1946                   |             |             |          |
| 9. काटियावाड़ संस्कृत छात्रवृत्ति | तदेव   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण | 9,100.00    | 9,100.00    | 273.00   |
| अक्षय निधि न्यास                  |  | 1946                   |             |             |          |
| 10. रीवा छात्रवृत्ति              | प्रधानाचार्य,                                  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण | 5,800.00    | 5,800.00    | 174.00   |
| अक्षय निधि न्यास                  | राजकीय<br>उच्चतर माध्यमिक<br>विद्यालय, वाराणसी | 1946                   |             |             |          |
| 11. नागरी प्रचारिणी सभा           | सचिव, नागरी प्रचारिणी                          | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण | 1,63,100.00 | 1,63,100.00 | 4,893.00 |
| अक्षय निधि न्यास                  | सभा, वाराणसी                                   | 1946                   |             |             |          |
| 12. महाराज कुमार सुधाणु           | कुलपति, बनारस हिन्दू                           | 3 प्रतिशत रूपान्तरण    |             |             |          |
| शेखर निद्र देव,                   | विश्वविद्यालय, वाराणसी                         | ऋण 1946                | 1,500.00    | 1,500.00    | 45.00    |
| सोनपुर सम्पाद के                  |  |                        |             |             |          |
| प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी            |  |                        |             |             |          |
| उड़ीसा पदक अक्षय                  |  |                        |             |             |          |
| निधि न्यास                        |  |                        |             |             |          |

| (7)    | (8)      | (9)                | (10)     | (11) |
|--------|----------|--------------------|----------|------|
| ₹०     | ₹०       |                    | ₹०       | ₹०   |
| 8. ..  | 1,350.00 | दिया गया ब्याज     | 1,336.50 | ..   |
|        |          | सरकार को दी गई फीस | 13.50    |      |
|        |          |                    | 1,350.00 |      |
| 9. ..  | 273.00   | दिया गया ब्याज     | 270.26   | ..   |
|        |          | सरकार को दी गई फीस | 2.74     |      |
|        |          |                    | 273.00   |      |
| 10. .. | 174.00   | दिया गया ब्याज     | 172.26   | ..   |
|        |          | सरकार को दी गई फीस | 1.74     |      |
|        |          |                    | 174.00   |      |
| 11. .. | 4893.00  | दिया गया ब्याज     | 4,844.06 | ..   |
|        |          | सरकार को दी गई फीस | 48.94    |      |
|        |          |                    | 4,893.00 |      |
| 12. .. | 45.00    | दिया गया ब्याज     | 44.45    | ..   |
|        |          | सरकार को दी गई फीस | 0.46     |      |
|        |          |                    | 45.00    |      |

| (1)   | (2)  | (3)  | (4)                              | (5)         | (6)      |
|---|--|--|----------------------------------|-------------|----------|
| 13 बस्ती की रानी भुवन राज लक्ष्मी बेबी अक्षय निधि न्याम                                   | रजिस्ट्रार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी      | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946  | ₹ 7,300.00                       | ₹ 7,300.00  | ₹ 219.00 |
| <b>पौड़ी गढ़वाल</b>   |  |  |                                  |             |          |
| 14. गढ़वाल क्षत्रिय शिक्षा न्यास निधि   | सचिव, गढ़वाल क्षत्रिय शिक्षा न्यास निधि पौड़ी गढ़वाल | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946  | 51,800.00                        | 51,800.00   | 1,554.00 |
| <b>लखनऊ</b>   |  |  |                                  |             |          |
| 15. नगर शिक्षा अक्षय निधि न्यास, अपर इंडिया, लखनऊ   | सचिव, नगर शिक्षा अक्षय निधि न्यास, अपर इंडिया, लखनऊ  | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 राष्ट्रीय आयोजना बचत पत्र 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (तीसरा निगम) | 16,600.00<br>450.00<br>18,700.00 | 35,750.00   | 1,433.00 |
| 16. कप्तान कुं० इन्द्रजीत सिंह एम० सी० आई० एम० एस० स्मारक अनुसंधान छात्रवृत्ति अक्षय निधि | प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, लखनऊ                     | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946  | 1,06,600.00                      | 1,06,600.00 | 3,198.00 |
| <b>मिर्जापुर</b>  |  |  |                                  |             |          |
| 17 गिरीडी कायस्थ पाठशाला अक्षय निधि न्यास   | कलेक्टर, मिर्जापुर                                   | 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (दूसरा निगम)                           | 1,600.00<br>7,550.00             | 9,150.00    | 48.00    |
| (7)   | (8)  | (9)  | (10)                             | (11)        |          |
| 13. ..  | 219.00   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस   | ₹ 216.80<br>2.20<br>219.00       | ₹           |          |
| 14. ..  | 1,554.00   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस   | 1,538.46<br>15.54<br>1,554.00    |             |          |
| 15. ..  | 1,433.00   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस   | 1,418.67<br>14.33<br>1,433.00    |             |          |
| 16. ..  | 3,198.00   | दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस   | 3,166.02<br>31.98<br>3,198.00    |             |          |
| 17. ..  | 48.00  | दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस   | 47.52<br>0.48<br>48.00           |             |          |

पंजाब

भारत और पाकिस्तान के बीच, केन्द्रीय पूर्ण अक्षय निधियों से सम्बन्धित प्रतिभूतियों का विभाजन न हो सकने के कारण प्रतिभूतियों की सूची सैयार नहीं की जा सकी।

[संख्या एक० 1/1/73-टी० सी० ई०]  
के० एम० शास्त्री,  
भारतीय पूर्ण अक्षय निधि के कोषपाल।

(Department of Economic Affairs)  
(Office of the Treasurer of Charitable Endowments for India)

New Delhi, the 15th June, 1973

**S.O. 1842.**—The following list of properties and of securities as on the 31st March, 1973 and abstract of accounts of interest for the year 1972-73 in respect of Charitable Endowments (Central) held by the Treasurer of Charitable Endowments for India or his agents under the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), are published for general information.

Part I—List of Properties other than Securities

| Sl. No.      | Particulars of Vesting Order  |                         | Name of endowment   | Administrators of Property   | Property held   |                                  |                         | Remarks |
|--------------|---|-------------------------|---|--|---|----------------------------------|-------------------------|---------|
|              | No.   | Date                    |   |  | Description   | Value                            | Annual Income, if known |         |
| 1            | 2   | 3                       | 4   | 5  | 6   | 7                                | 8                       | 9       |
| <b>INDIA</b> |   |                         |   |  |   |                                  |                         |         |
| 1.           | Ministry of Health Notification No. F4-3(2)53-M1 as amended by the Ministry of Health Notification No. F.4-2/61 MII (ME). | 12-6-1953<br>27-11-1963 | The Lady Hardinge Hospital for Women and Children, Delhi, Fund. | Board of Administration, Lady Hardinge Medical College and Hospital. | Land and buildings of the Lady Hardinge Medical College and Hospital, Delhi together with all fixtures, furniture equipment, etc. The area of the Lady Hardinge Medical College and Hospital Delhi—49.82 acres.<br><br>Location—Punchkuin Road, Boundaries;<br>North—Punchkuin Road.<br>South—Lady Hardinge Road.<br>East—Connaught Circus.<br>West—Baird Road.<br>Survey No. CE-2370.<br><br>L.D.O. No. 94<br>Terms—Leased to the institution by the Land and Development Officer, Delhi on a nominal rental of Re. 1 per annum.<br><br>Number of buildings including Mosque, Church, etc. 71 in all. Approximate cost of buildings assessed by the Land and Development Officer, Delhi. Rs.63,50,537/ | Rs. 63,50,537.00                 | Not known               |         |
| 2.           | Ministry of Health Notification No. F.14-26/61-Instt.   | 31-8-1962               | Pasteur Institute of India.                                     | Members of the Association of the Pasteur Institute of India.        | 1. Anti-Rabies Research Centre building, Kasauli.<br><br>2. Lady Linlithgo Sanatorium building, Kasauli.<br>3. Shelton Lodge, Kasauli.  | Not known                        | Not known               |         |
| 3.           | Ministry of Defence Notification No. S.R.O. 250.  | 19th July 1960          | Farm Fund of the Kumaon Regimental Farm at Kamola and Udaipuri. | Board of Administration of the Fund.                                 | Kamola Tehsil Kala-dhungi District Nainital.<br><br>1. Dispensary (30ft. X 24ft.)<br>2. Thimayya Lodge (30ft. X 24ft.)<br>3. Guest House No. 1 (30ft. X 85ft.)<br>4. Guest House No. 2 (28ft. X 26ft.)  | 4,000<br>4,000<br>5,000<br>3,500 | Do.                     |         |

| 1                              | 2              | 3                               | 4   | 5  | 6   | 7            | 8           | 9 |
|--------------------------------|----------------|---------------------------------|---|--|---|--------------|-------------|---|
| MAHARASHTRA                    |                |                                 |   |  |   |              |             |   |
| 1. G.I.H.D. Education No. 433. | 27th May 1909. | The Indian Institute of Science | The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H Tata. | "Victoria Buildings"--- All that piece of freehold situated in the Fort on the eastern side of Parsi Bazar Street, at or near the Elphinstone Circle with the messuage, tenements, buildings thereon known as "Victoria Buildings" containing by admeasurement 482-3/4 sq. yards or thereabouts. | Not known.  | Do.          |             |   |
| 2 & 3                          | Do.            | Do.                             | Do.   | Do.  | "Albion Place and Alexandra Terrace"---All that piece of land, situated at Byculla on the eastern side of Parel Road with the messuage, tenements and buildings thereon, with their out-houses and stables known as "Albion Place and Alexandra Terrace" containing by admeasurement 11,104 sq. yards or thereabouts.   | Do           | Do.         |   |
| 3A                             | Do.            | Do.                             | Do.   | Do.  | New construction being a building now known as "Hotel Heritage" built on portion of land admeasuring 11,104 sq. yards or thereabouts situated at byculla on the eastern side of Parel Road now know as Dr. Ambedkar Road.   | 19,00,000.00 | 1,89,120,00 |   |
| 4&5                            | Do.            | Do.                             | Do.   | Do.  | "Reay House" and "Sandhurst House"--- All that piece or parcel of leasehold land situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 2,004 8/9 square yards, with the two buildings thereon, as 'Reay House' and "Sandhurst House".  | Not known    | Not known   |   |
| 6&7                            | Do             | Do.                             | Do.   | Do.  | "Rosevelt or Ezra House"--- All that piece or parcel of leasehold land situated on the Appollo Reclamation, containing by admeasurement 533 square yards and 3/9 of another square yard, with the buildings thereon, known as the "Rosevelt House or Ezra House" and secondly all that piece of leasehold land also situated on the Appollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 573 square yards and 3/5 of another square yard | Do.          | Do.         |   |

| 1     | 2                          | 3             | 4                               | 5  | 6   | 7         | 8         | 9  |
|-------|----------------------------|---------------|---------------------------------|--|---|-----------|-----------|--|
| 8&9   | G.I.H.D. Education No. 433 | 27th May 1939 | The Indian Institute of Science | The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata. | "Sargent House" and "Jenkins House"—all that piece or parcel of land situated on the Apollo Reclamation in the Island of Bombay containing by admeasurement 3487-2/9 square yards with the buildings thereon known as "Sargent House" and "Jenkins House".  | Not known | Not known |  |
| 10    | Do.                        | Do.           | Do.                             | Do.  | "New Shamji Buildings, now known as Station Terraces, Sleater Road"—All that piece of land of Forastenure admeasuring 2,290 square yards or thereabouts with the several messuages tenements or dwelling houses, known as "New Shamji Buildings Extension" now known as the "Station Terraces" situated on the South side of the Sleater Road, Bombay.  | Do.       | Do.       |  |
| 11    | Do.                        | Do.           | Do.                             | Do.  | "Candy House"—All that piece of leasehold land, situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 529-6/9 square yards known as "Candy House".   | Do.       | Do.       |  |
| 12&13 | Do.                        | Do.           | Do.                             | Do.  | "Land near Albion Place and Alexandra Terrace"—All that piece of land containing by admeasurement 8,570 square yards or thereabouts, registered by the Collector of Bombay with other land situated at Byculla on the eastern side of Parel Road in the City of Bombay, together with messuages, tenements and dwelling houses standing thereon known as "Land near Albion Place and Alexandra Terrace. | Do.       | Do.       | 107-8/9 sq. yards acquired by the Land Acquisition Officer for the City of Bombay.   |
| 14    | Do.                        | Do.           | Do.                             | Do.  | "Land at Parel Tank Road" Firstly—All that piece of land admeasuring 67,057 square yards or thereabouts whereof 7,021 sq. yards is Government Toka land and 2,189 sq. yards is recently assessed Government Land and remaining is Inam land situated at Parel on the public road leading to Parel Government tank, known as "Land at Parel Tank Road" Wageshri Hill).                                   | Do.       | Do.       | Out of 74,686 square yards 15,575 80 square yards acquired by Government under Land Acquisition Act for the construction of the work of the Tata |



| 1  | 2                             | 3                 | 4  | 5  | 6   | 7            | 8           | 9   |
|----|-------------------------------|-------------------|--|--|---|--------------|-------------|---|
| IS | G.I.H.D. Education<br>No. 433 | 27th May,<br>1909 | The<br>Indian<br>Institute<br>of Science | The Collector of<br>Bombay, Shri Na-<br>rayan Dattatraya<br>Sirur and Shri<br>Naval H. Tata. | Secondly—All that piece<br>of vacant Inam land<br>admeasuring 6,005<br>square yards or there-<br>abouts situated at Parel.  |              |             | Hydro-<br>Electric<br>Power<br>Supply<br>Co. Ltd.<br>in connec-<br>tion<br>with its<br>transmis-<br>sion lines<br>and<br>37,471.52<br>square<br>yards<br>subse-<br>quently<br>acquired<br>in 1922<br>by the<br>Land<br>Acquisi-<br>tion<br>Officer.   |
|    |                               |                   |  |  | Thirdly—All that piece<br>of vacant land of the<br>Government Toka<br>tenure containing by<br>admeasurement 1,058<br>square yards or there-<br>abouts situated at and<br>on the south side of<br>Golangi Hill Road<br>at Parel in the City of<br>Bombay.  |              |             |   |
|    |                               |                   |  |  | Fourthly—All that piece<br>of vacant Govern-<br>ment Toka land con-<br>taining by measure-<br>ment 566 square yards<br>or thereabouts situated<br>at and on the south<br>side of Golangi Hill<br>Road at Parel in the<br>City of Bombay.  |              |             | A portion<br>of the<br>land at<br>Parel<br>Tank<br>Road<br>admea-<br>suring<br>2,043.88<br>square<br>yards of<br>CS No<br>1/202<br>part and<br>623.33<br>square<br>yards of<br>CS No<br>203 part<br>has been<br>acquired<br>by the<br>Bombay<br>Municipal<br>Corporation<br>for the<br>purpose<br>of cons-<br>truction<br>of<br>Water<br>Reservoir<br>under<br>Section<br>12(2) of<br>the Land<br>Acquisi-<br>tion<br>Act 1 of<br>1894. |
|    |                               |                   |  |  | All that piece of land<br>situated on the West<br>side of the Colaba<br>Road at Colaba within<br>the city and Registra-<br>tion Sub-district of<br>Bombay containing by<br>admeasurement 2,020<br>sq. yards or there-<br>abouts and bounded as<br>follows; that is to say<br>on or towards the<br>North by the Property<br>of the Trustees of Sir | 18,44,108,28 | 1,99,675.08 |   |

| 1  | 2                 | 3               | 4  | 5   | 6   | 7         | 8         | 9 |
|----|-------------------|-----------------|--|---|---|-----------|-----------|---|
|    |                   |                 |  |   | Currimbhoy Ebrahim Baronetcy Trust, on or towards the South by the Road of Police Chowkey, on or towards the East by Colaba Road and on or towards the West by Wodehouse Road, and which said piece of land is registered in the books of the Collector of Bombay under Rent Roll No. 8509 and bears Cadestral Survey No. 48 of Colaba Division together with the buildings and erections standing thereon assessed by the Municipality of Bombay under Award Nos. 213, 214 and Street Nos. 158 and 125 of Colaba Road and Wodehouse Road and Street No. 154 of Lower Colaba Road respectively. |           |           |   |
| 16 | G.R.E.D. No. 452  | 7th March, 1906 | Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, | The Secretary, Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay, | A piece of land with dwelling house and buildings situate at Hornby Road, Fort, Bombay, admeasuring 1,688 square yards.   | Not Known | Not Known |   |
| 17 | G.R.E.D. No. 1778 | 10th July, 1912 | Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution  | The Secretary, Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay. | All that piece or parcel of freehold land with messuage tenement or stables standing thereon situate at Gola Lane, Fort, Bombay, admeasuring 173 and 62 square yards or thereabouts.  | Do.       | Do.       |   |

## MADRAS

|    |  |   |   |  |  |                 |           |   |
|----|--|---|---|--|--|-----------------|-----------|---|
| 1. | Madras Government Order No. 389 education Government of India, Ministry of Defence Notification No. 778A as amended in Government of India Notification No. F. 19-84/52-GI | 25th June, 1904<br>14th May, 1949<br>14th August, 1952<br>15/17th | The Lawrence Memorial School (Love-dale) Fund | (a) Three representatives of the Govt. of India of whom one shall be from the Ministry of Education and Scientific Research and shall be the Chairman one shall be from the Minis- | (a) Land in Madras bearing Survey No. 232 and measuring 15 cawnies 18 grounds and 1678 sq. ft. with the buildings thereon known as "Madras Military Female" Orphan Asylum. | Rs. 1,26,475.00 | Not Known | The property in the occupation of the Civil Orphan Asylum, in consideration |
|----|--|---|---|--|--|-----------------|-----------|---|

| 1 | 2   | 3  | 4 | 5   | 6  | 7 | 8 | 9   |
|---|---|--|---|---|--|---|---|---|
|   | by the Ministry of Defence and Notification No. F19-39/54/H3 Edn. F. 19-32/57 D5 and F. 19-40/57 D5 by the Ministry of Education and Scientific Research, | Feb., 1956<br>23rd August, 1957<br>28th November, 1957 |   | try of Finance and shall be the Treasurer of the School and one shall be from the Ministry of Defence.<br>(b) Four other members to be nominated by the Govt. of India. | (b) Lands in Ketti and Ootacamund in the Nilgiris District having the survey number and extents as noted below:<br><i>Village</i> S. No. Extent A.C.<br><br>Ketti 1158 12.57<br>1224/4 49.26<br><br>1354/2 606.55<br>1355/3 25.34<br>1355/5 4.20<br>1356/2 0.74<br>1356/4 1.06<br>1225 0.67<br><br>Ootacamund 5020 1.66-4/8<br>5018 0.05-5/8<br>Ketti 1159/1 0.14<br>1161/1-B 1.65<br><br>Ootacamund. 4956 6.3-4/8 |   |   | of the maintaining and educating 30 additional girls in addition to the girls of the Asylum such as were formerly admitted to the Madras Military Female Orphan Asylum. |

## UTTAR PRADESH

|   |  |  |  |   |   |  |   |
|---|--|--|--|---|---|--|---|
| 1 | Government of U.P. Education Deptt. Notifications Nos. 602/XV-301 and 808-G/XV/619/1923. | 2nd April 1918 and 29th November, 1923 respectively. | Giraundi Kayastha Pathshala Endowment Trust, Mirzapur. | A Committee of management consisting of the Collector, Mirzapur as ex-officio Chairman and executors of the estate of the late Munshi Bindeshwari Prasad Pleader. | (a) Three houses situated in Mohalla Welleslygunj, Distt., Mirzapur bounded as follows:--<br>(1) South-House of Sri Piyare Lal, North-House of Musammat Jhunna, West-Government Road, East-House of Sri Sumer Sonar.<br>(2) South House of Munshi Bindeshwari Prasad, Vakil, North-Mosque, West-House of Shri Rameshwar Teli, East-Road.<br>(3) South-House of Shri Budhu, North-House of Munshi Bindeshwari Prasad Vakil, West-House of Musammat Umrao, East-Road.<br>(b) A grove situated in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur.<br>(c) Pathshala in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur situated in the grove mentioned in (b) above. | Rs.<br>600.00<br><br>600.00<br><br>600.00<br><br>600.00<br><br>50.00 | Not Known<br><br>Do.<br><br>Do.<br><br>Do.<br><br>Not Known |
|---|--|--|--|---|---|--|---|

## PUNJAB

Pending apportionment of properties relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of properties could not be prepared.

| Case No. | Name of endowment   | Persons in whose behalf held                                       | Particulars of Securities  | PART II—List and abstract  |                               |           |
|----------|---|--|--|--|-------------------------------|-----------|
|          |   |  |  | Total of Securities  | Cash                          |           |
|          |   |  |  |  | Interest or dividend realised |           |
| 1        | 2   | 3  | 4  | 5  | 6                             |           |
|          |   |  |  | Rs.  | Rs.                           | Rs.       |
| INDIA    |   |  |  |  |                               |           |
| 1        | Merchant Seamen's Amenities Fund.                         | Merchant Seamen's Amenities Fund Committee.                        | 3% Conversion Loan 1946<br>4 1/2% Loan 1986<br>Treasury Savings Deposit Certificates.<br>Fixed Deposit with the Tamil Nadu Industrial Investment Corp. Ltd.  | 1,49,100.00<br>4,50,000.00<br>25,300.00<br>2,63,200.00   | 8,87,600.00                   | 44,817.02 |
| 2        | Khandpara State Trust Fund.                               | Board of Trustees, Khandpara Trust Fund                            | Fixed Deposit with the Tamil Nadu Industrial Investment Corp. Ltd.   | 30,600.00  | 30,600.00                     | 1,721.25  |
| 3        | Armed Forces Benevolent Fund.                             | Armed Forces Benevolent Fund General Committee.                    | 3% Conversion Loan 1946  | 8,00,400.00  | 8,00,400.00                   | 24,012.00 |
| 4        | Lady Hardinge Hospital for Women and Children, Delhi Fund | Board of Administration, Lady Hardinge Medical College & Hospital  | 3% Conversion Loan 1946<br>4 1/2% Loan 1986<br>4 1/2% Loan 1977<br>Treasury Savings/Defence Deposit Certificates.<br>National/Plan/Defence/ Savings Certificates<br>4 1/4% Loan 1973<br>7-Year National Savings Certificates (II Issue)<br>6% West Bengal State Electricity Board Bonds 1982 | 8,05,800.00<br>7,300.00<br>25,300.00<br>94,500.00<br>15,40,000.00<br>88,100.00<br>41,000.00<br>22,000.00 | 26,24,000.00                  | 40,332.74 |
| 5        | Army Officers' Benevolent Fund.                           | Army Officer's Benevolent Fund General Committee.                  | 3% Conversion Loan 1946  | 53,300.00  | 53,300.00                     | 1,599.00  |
| 6        | St. Dunstan's (India) Fund                                | Board of Trustees, St. Dunstan's (India) Fund                      | 3% Conversion Loan 1946<br>4 3/4% Loan 1989<br>Treasury Savings Deposits Certificate.  | 92,900.00<br>15,000.00<br>60,000.00  | 1,67,900.00                   | 6,199.50  |
| 7        | Air Force Officer's Contributory Education Fund.          | General Committee, Air Force Officers' Contributory Education Fund | Fixed Deposit with the Tamil Nadu Industrial Investment Corp. Ltd.<br>National Defence Certificates<br>Defence Deposit Certificates<br>4 3/4% Madras Loan 1976   | 50,000.00<br>55,000.00<br>1,00,000.00<br>40,100.00   | 2,45,100.00                   | 9,779.74  |
| 8        | Thomas Reed Bell Memorial Fund.                           | The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun.  | 3% Conversion Loan 1946  | 3,100.00   | 3,100.00                      | 93.00     |
| 9        | Central Post War Resettlement Fund.                       | The Managing Committee Central Post War Resettlement Fund          | 4% Loan 1979   | 1,80,000.00  | 1,80,000.00                   | 23,450.00 |
| 10       | Pasteur Institute of India.                               | Administrator of the Pasteur Institute of India.                   | 3% Conversion Loan 1946<br>4% Loan 1980.<br>National Plan Savings Certificates.  | 66,900.00<br>1,10,900.00<br>15,000.00  | 1,92,800.00                   | 6,443.00  |

## Account of Securities

| Receipts            |    |                    |    |                           |  |                 |    |         |  |
|---------------------|----|--------------------|----|---------------------------|--|-----------------|----|---------|--|
| Other Cash receipts |    | Total Cash receipt |    | Cash Expenditure Payments |  | Balance in cash |    | Remarks |  |
| 7                   |    | 8                  |    | 9                         |  | 10              |    | 11      |  |
| Rs.                 | P. | Rs.                | P. |                           |  | Rs.             | P. | Rs.     | P.   |
| ..                  |    | 44,817.02          |    | Interest remitted         |  | 44,368.84       |    | ..      |  |
| ..                  |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 448.18          |    | ..      |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 44,817.02       |    |         |  |
| (a) 30,600.00       |    | 32,321.25          |    | Interest remitted         |  | 1,704.04        |    | ..      | (a) Represents redemption proceeds of 4% Loan 1972 since reinvested in Fixed Deposit with the Tamilnadu Industrial Investment Corporation Ltd.   |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 17.21           |    |         |  |
|                     |    |                    |    | (a) other payments        |  | 30,600.00       |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 32,321.25       |    |         |  |
| ..                  |    | 24,012.00          |    | Interest remitted         |  | 23,771.88       |    | ..      |  |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 240.12          |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 24,012.00       |    |         |  |
| (b) 11,055.00       |    | 51,387.74          |    | Interest remitted         |  | 39,929.41       |    | 55.00   | (b) Rs 55/- out of this represents opening balance and the remaining amount of Rs. 11,000/- relates to the redemption proceeds of the 12-Year Post Office National Savings Certificates. |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 403.33          |    |         | (c) Represents redemption proceeds of the 12-Year Post Office National Savings Certificates since reinvested in the 7-year National Savings Certificates (If Issue).                     |
|                     |    |                    |    | (c) other payments        |  | 11,000.00       |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 51,332.74       |    |         |  |
| ..                  |    | 1,599.00           |    | Interest remitted         |  | 1,583.00        |    | ..      |  |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 16.00           |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 1,599.00        |    |         |  |
| ..                  |    | 6,199.50           |    | Interest remitted         |  | 6,137.50        |    |         |  |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 62.00           |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 6,199.50        |    |         |  |
| ..                  |    | 9,779.74           |    | Interest remitted         |  | 9,681.94        |    | ..      |  |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 97.80           |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 9,779.74        |    |         |  |
| ..                  |    | 93.00              |    | Interest remitted         |  | 92.06           |    | ..      |  |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 0.94            |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 93.00           |    |         |  |
| (d) 25,000.00       |    | 48,450.00          |    | Interest remitted         |  | 23,215.00       |    |         | (d) Represents redemption proceeds of 12-Year National Plan Savings Certificates since remitted to the Fund authorities.   |
|                     |    |                    |    | (d) Other Payments        |  | 25,000.00       |    |         |  |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 234.50          |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 48,450.00       |    |         |  |
| ..                  |    | 6,443.00           |    | Interest remitted         |  | 6,378.56        |    | ..      |  |
|                     |    |                    |    | Fee paid to Govt.         |  | 64.44           |    |         |  |
|                     |    |                    |    |                           |  | 6,443.00        |    |         |  |

| 1  | 2   | 3  | 4                      | 5              | 6            |
|--|---|--|------------------------|----------------|--------------|
|  |   |  |                        | Rs.            | Rs.          |
| 11 National Foundation for Teacher's Welfare.  | General Committee, National Foundation of Teachers' Welfare.        | 5-1/2% Maharashtra State Development Loan 1977.                                | 29,08,700.00           |                |              |
|  |   | Fixed Deposit with the T. I. Corp. Ltd.,                                       | 23,00,000.00           |                |              |
|  |   | 5-3/4% Bombay Municipal Debentures 1977  | 82,75,000.00           |                |              |
|  |   | 5-3/4% Bombay Municipal Debentures 1978  | 25,68,500.00           | 1,80,29,800.00 | 10,21,613.98 |
|  |   | 5-1/2% Madhya Pradesh State Development Loan 1977.                             | 19,77,600.00           |                |              |
| 12 Sarada Ranganathan Endowment for Library Science  | Committee of Management of the Fund.                                | Fixed Deposit with the Tamil Nadu Industrial Investment Corp. Ltd.             | 3,50,000.000           | 3,50,000.00    | 21,875.00    |
| 13 Banubai Byramji Kanga Trainees' Welfare Fund of the Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun. | The Superintendent, Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun. | Defence Deposit Certificates. 7 year National Savings Certificates (III Issue) | 10,350.00<br>39,600.00 | 54,350.00      | 2,867.62     |
|  |   | 6% West Bengal State Electricity Board Bonds 1982.                             | 4,400.00               |                |              |
| 14 Flag Day Fund   | Managing Committee, Flag Day Fund.                                  | 3% Conversion Loan 1946.   | 4,20,000.00            |                |              |
|  |   | 4-1/2% Madhya Pradesh State Development Loan 1974.                             | 1,34,000.00            |                |              |
|  |   | 4-1/2% Andhra Pradesh State Development Loan, 1974.                            | 1,65,000.00            |                |              |
|  |   | 4-1/2% Bihar State Development Loan, 1974.                                     | 1,58,000.00            |                |              |
|  |   | 4-1/2% Uttar Pradesh State Development Loan 1974.                              | 50,000                 |                |              |
|  |   | 4-1/2% Madras Loan 1974.   | 1,08,000.00            |                |              |
|  |   | 4-1/2% Maharashtra State Development Loan, 1974                                | 1,07,000.00            | 11,42,000.00   | 47,746.25    |
| MAHARASHTRA  |   |  |                        |                |              |
| 1 Indian Institute of Science (Bangalore Properties).  | The Council of the Indian Institute of Science Bangalore.           | 7 Year National Savings Certificates (III Issue)                               | 2,200.00               | 2,200.00       | 10,515.25    |
| 2 Indian Institute of Science (Bombay Properties).   | The Council of the Indian Institute of Science Bangalore.           | 3% Conversion Loan 1946  | 10,22,800.00           | 12,20,900.00   | (i)49,440.50 |
|  |   | 5-1/2% Loan 2000   | 1,40,300.00            |                |              |
|  |   | 5-3/4% Maharashtra Loan 1982   | 57,800.00              |                |              |

| 7                | 8            | 9  | 10  | 11   |
|------------------|--------------|--|---|--|
| Rs.              | Rs.          | Rs.  | Rs.   |  |
| (e) 29,50,024.80 | 39,71,638.78 | Interest remitted .<br>Fee paid to Govt.<br>(f) Other payments | 10,11,397.83<br>10,216.15<br>29,50,024.80<br><hr/> 39,71,638.78 | (e) Rs. 24.80 out of this represents the balance remained after the purchase of the 5-1/2% Maharashtra State Development Loan 1977 for Rs. 29,08,700/- at a cost of Rs. 29,49,975.20 (out of Rs. 29,50,000/-) and the balance of Rs. 29,50,000— represents the redemption proceeds of the 4 1/4% National Defence Bonds 1972.  |
| ..               | 21,875.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                         | 21,656.24<br>218.76<br><hr/> 21,875.00                          | (f) Represents :—<br>(i) the balance of Rs. 24.80 remained after the purchase of 5-1/2% Maharashtra State Development Loan 1977, since remitted to the Fund authorities<br>(ii) Rs. 29,50,000/- relating to the redemption proceeds of the 4 1/4% National Defence Bonds 1972 remitted to the R. B. I. for above investment.   |
| (g) 11.00        | 2,878.62     | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                         | 2,838.94<br>28.68<br><hr/> 2,867.62                             | 11.00 (g) Represents opening balance.  |
| (h) 1,25,000.00  | 1,72,746.25  | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt.<br>(h) Other payments  | 47,268.77<br>477.48<br>1,25,000.00<br><hr/> 1,72,746.25         | (h) Represents redemption proceeds of the 4 1/4% Madras Loan 1972 since remitted back to the Fund authorities.   |
| (m) 79,404.64    | 89,919.89    | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt.<br>Other payments      | 10,378.69<br>(n) 154.45<br>79,386.75<br><hr/> 89,919.89         | .. The gross interest due on the securities of the Fund amounts to Rs. 13,656.25 out of which a sum of Rs. 3,141/- has been deducted by way of income-tax and surcharge on the 5-3/4% I. F. C. Bonds 1980 for Rs. 75,000/- since sold. Action for claiming the refund is being taken.<br>(m) Represents (i) sale proceeds of 5-3/4% I. F. C. Bonds, 1980 for Rs. 75,000/- sold at a total cost of Rs. 75,744.64 and (ii) refund of income-tax and surcharge amounting to Rs. 3,660/-<br>(n) Include an amount of Rs. 17.89 recovered from out of the gross interest of Rs. 1,788.89 realised on the aforesaid securities sold. |
| (p) 7,103.02     | 56,543.52    | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt.<br>(b) Other payments. | 48,946.09<br>494.41<br>7,076.00<br><hr/> 56,516.50              | (i) Includes arrear interest on 5 1/2% Loan 2000 for Rs. 1,40,300 for two half years ended 10-10-1971<br>(p) Represents opening balance of Rs. 27.02 and refund of Tax of Rs. 7,076  |

| 1   | 2   | 3   | 4                       | 5           | 6         |
|---|---|---|-------------------------|-------------|-----------|
|   |   |   | Rs.                     | Rs.         | Rs.       |
| 3 Fakirjee Cowasjee of Karachi Scholarship Fund.  | Captain Superintendent Training ship "Rajendra," Off New Ferry Wharf, Bombay-9  | 3% Conversion Loan 1946                                   | 60,000.00               | 60,000.00   | 1,386.00  |
| 4 Chatfield Memorial Prize Fund.  | 1. Principal Training College for Men, Poona,<br>2. Principal Training College for Men, Dharwar.<br>3. Principal Training College for Men, Ahmedabad. | 3% Conversion Loan 1946                                   | 200.00                  | 200.00      | 6.00      |
| 5 Ganesh Balwant Limaye Scholarship, Fund.  | Director of Education Maharashtra State, Poona.   | 3% Conversion Loan 1946                                   | 56,000.00               | 56,000.00   | 1,680.00  |
| 6 Sir William Moore Memorial Fund.  | The Director of Health Services, Maharashtra State, Bombay.   | 3% Conversion Loan 1946                                   | 1,100.00                | 1,100.00    | 33.00     |
| 7 Kazi Shahbud din Endowment for the encouragement of Education among Mohammedans in the Bombay Presidency. | Director of Education, Maharashtra State, Poona.  | 3% Conversion Loan, 1946<br>5-3/4% Maharashtra Loan,      | 1,45,300.00<br>5,100.00 | 1,50,400.00 | 4,652.24  |
| 8 Fund for Prizes in English in connection with the S. S. C. Examination.                                   | Director of Education, Maharashtra State, Poona.  | 3% Conversion Loan 1946<br>4% B. P. T. Loan               | 400.00<br>3,000.00      | 3,400.00    | 132.00    |
| 9. Sir Sassoon David Trust Fund for Agriculture and Educational purposes.                                   | Board of Trustees of the Fund C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture and Co-operation Deptt., Bombay.   | 5-3/4% Maharashtra Loans 1983                             | 7,51,100.00             | 7,51,100.00 | 21,594.12 |
| 10. After-care Fund in connection with the Bombay State Probation and After-care Association.               | President Maharashtra State Probation and After-care Association B.I.T. Block No. 33 Kings, Circle, Matunga Bombay-19.                                | 5-1/2% Maharashtra Loan 1978<br>3% Conversion Loan, 1946  | 14,000.00<br>7,000.00   | 21,000.00   | 980.00    |
| 11. Imperial Indian Relief (Scholarship) Fund   | Director of Education, Maharashtra State, Poona.  | 3% Conversion Loan, 1946                                  | 25,200.00               | 25,200.00   | 756.00    |
| 12. Savitribai Krishnarao, Uplap Scholarship Fund   | Do.   | 3% Conversion Loan, 1946.                                 | 12,800.00               | 12,800.00   | 384.00    |
| 13. Bombay Province Agricultural Show Fund.   | Director of Agriculture, Maharashtra State, Poona.  | 3% Conversion Loan, 1946<br>5-3/4% Maharashtra Loan, 1979 | 4,16,000.00<br>2,000.00 | 4,18,000.00 | 12,595.00 |
| 14. Dr. Ramchandra Shiva-ji Poredi Scholarship Fund.  | Director of Education, Maharashtra State, Poona.  | 3% Conversion Loan, 1946                                  | 11,100.00               | 11,100.00   | 333.00    |



| 7          | 8         | 9  | 10  | 11  |
|------------|-----------|--|---|---|
| Rs.        | Rs.       | Rs.  | Rs.   |   |
| (s) 396.00 | 1,782.00  | (s) Interest remitted<br>Others payments.<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 1,782.00       | 1,368.00<br>396.00<br>18.00<br><hr/> 1,782.00 | .. (r) Income-tax and surcharge of Rs. 414/- has been deducted from the gross interest of Rs. 1,800/- which will be claimed and refunded. |
|            |           | Fee paid to Govt. (i) 0.03   |   | 22.25 (s) Represents refund of income tax and surcharge.  |
|            |           |  |   | (i) Poona.  |
| (t) 19.78  | 25.78     | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 1.73<br>0.02<br><hr/> 1.75             |   | (j) Dharwar.  |
|            |           | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 1.73<br>0.02<br><hr/> 1.75             |   | (k) Ahmedabad.  |
|            |           | TOTAL 3.43   |   | (l) Interest has been retained as the Institution at (i) has been closed with effect from the 1st April, 1964.                            |
| ..         | 1,680.00  | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 1,663.20<br>16.80<br><hr/> 1,680.00    |   | (t) Represents opening balance.   |
| ..         | 33.00     | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 32.66<br>0.34<br><hr/> 33.00           |   |   |
| ..         | 4,652.24  | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 4,605.70<br>46.54<br><hr/> 4,652.24    |   |   |
| ..         | 132.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 130.68<br>1.32<br><hr/> 132.00         |   |   |
| ..         | 21,594.12 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 21,378.18<br>215.94<br><hr/> 21,594.12 |   |   |
| ..         | 980.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 970.20<br>9.80<br><hr/> 980.00         |   |   |
| ..         | 756.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 748.44<br>7.56<br><hr/> 756.00         |   |   |
| ..         | 384.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 380.16<br>3.84<br><hr/> 384.00         |   |   |
| ..         | 12,595.00 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 12,469.04<br>125.96<br><hr/> 12,595.00 |   |   |
| ..         | 333.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br><hr/> 329.66<br>3.34<br><hr/> 333.00         |   |   |

| 1  | 2   | 3   | 4                                | 5            | 6         |
|--|---|---|----------------------------------|--------------|-----------|
|  |   |   | Rs.                              | Rs.          | Rs.       |
| 15 Sir Cusrow Wadia Trust Fund.                              | Chairman of the Governing Body of the Fund<br>C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture & Co-operation Deptt., Bombay.   | 4-3/4% Maharashtra Loan 1976.   | 12,81,300.00                     | 12,81,300.00 | 60,861.74 |
| 16 Post War Service Reconstruction Fund, (Rajasthan Share).  | Secretary of the Fund<br>C/o Maharashtra State S.S. & A. Board, Poona-1.  | 5-3/4% Maharashtra Loan 1982.<br>3% Conversion Loan, 1946.<br>4-1/2% Maharashtra Loan 1974. | 6,400.00<br>1,200.00<br>3,500.00 | 11,100.00    | 561.50    |
| 17 War Memorial Fund for Indian Merchant Seamen, 1947.       | Committee of Management of the Indian Sailors' Home Society, Masjid Bunder Siding Road, Bombay-9.   | 3% Conversion Loan 1946.  | 21,32,900.00                     | 21,32,900.00 | 63,987.00 |
| 18 Homi Mehta Victory Thanks giving Fund, (Rajasthan Share). | Secretary of the Fund<br>C/o Maharashtra State S.S. & A. Board, Poona I.  | 3% Conversion Loan 1946.<br>4-1/4% Loan, 1973.<br>4-1/2% Maharashtra Loan, 1974.            | 800.00<br>100.00<br>400.00       | 1,300.00     | 46.24     |
| 19 L.V. Mandke Prize Fund.                                   | Director of Education Maharashtra State, Poona.   | 3% Conversion Loan 1946.  | 1,600.00                         | 1,600.00     | 48.00     |
| 20 Miss Manikbai Shinde Prize Fund.                          | Dp.   | 3% Loan 1896-97.  | 1,000.00                         | 1,000.00     | 30.00     |
| 21 Maratha War Memorial Fund.                                | Hony. Secretary, Maratha War Memorial Fund<br>The Maratha Light Infantry Regimental Centre, Belgaum.  | 5-1/12% Loan 3% Conversion Loan 1946.   | 9,100.00<br>5,45,300.00          | 5,54,400.00  | 17,187.00 |
| 22 Sir M.V. Joshi Trust Fund.                                | Principal, Agricultural College, Poona.   | 3% Conversion Loan 1946.<br>5-3/4% Loan 2002  | 12,800.00<br>500.00              | 13,300.00    | 384.00    |
| 23 Miss Clerk Memorial Nursing Fund.                         | Chairman, Bombay Branch of the National Association for supplying Female Medical Aid and Instruction to the Women of India,<br>C/o Shri R.N. Bhavnagri S. B. Billimoria & Co., Chartered Accountants, 113, Mahatma Gandhi Road, Bombay-1. | 3% Conversion Loan 1946   | 11,000.00                        | 11,00,000    | 33.00     |

| 7           | 8         | 9  | 10   | 11    | 12  |
|-------------|-----------|--|--|-------|---|
| Rs.         | Rs.       |  | Rs.  | Rs.   |   |
| (w) 311.08  | 61,172.82 | Interest remitted<br>Other Payments<br>Fee paid to Govt.       | 60,253.12<br>214.00<br>608.62<br><hr/> 61,075.74 | 97.08 | (w) Represents opening balance of Rs. 97.08 P and refund of income tax amounting to Rs. 214/-.  |
| (y) 134.71  | 696.21    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br>(z) Other payments.  | 555.88<br>5.62<br>134.71<br><hr/> 696.21         | ..    | (y) and (z) Represents opening balance. Excess fee of -/30 P. paid to Govt. in March, 1971 had been adjusted during 1971-72 while remitting interest on 4-1/2% March, 1974 for Rs. 3,500/- for the half year ended 26-8-1972. However, due to the relevant entry being taken wrongly in the ledger account, the closing balance in the last year's accounts was shown less by -/03Ps. The correct balance is R. 134/71 and the same has been returned to the administrator. |
| ..          | 63,987.00 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                         | 63,347.12<br>639.88<br><hr/> 63,987.00           | ..    |   |
| (ab) 96.60  | 142.84    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br>(ab) Other payments. | 45.78<br>0.46<br>96.60<br><hr/> 142.84           | ..    | (ab) Represents opening balance since remitted back to the administrators.  |
| ..          | 48.00     | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                         | 47.52<br>0.48<br><hr/> 48.00                     | ..    |   |
| ..          | 30.00     | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                         | 29.70<br>0.30<br><hr/> 30.00                     | ..    |   |
| (ac) 35.91  | 17,222.91 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                         | 17,013.39<br>173.61<br><hr/> 17,187.00           | 35.91 | (ac) Represents opening balance. The gross interest due on the securities of the Fund amounts to Rs. 17,360/- out of which a sum of Rs. 173/- has been deducted by way of income-tax and surcharge from 3 half year's interest ending 10.4.1972 on 5-1/2% Loan 2000 for Rs. 9,100/-. Action for claiming the refund is being taken.   |
| (ab) 500.00 | 884.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br>Other payments.      | 380.16<br>3.84<br>500.00<br><hr/> 884.00         | ..    | (af) Represents opening balance since reinvested in 5-3/4% Loan 2002.   |
| ..          | 330.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                         | 326.70<br>3.30<br><hr/> 330.00                   | ..    |   |

| 1   | 2   | 3  | 4   | 5                 | 6           |
|---|---|--|---|-------------------|-------------|
|   |   |  | Rs.   | Rs.               | Rs.         |
| 24. Barjorji Maneckji Sutaria Prize Fund.                 | Director of Education, Maharashtra State, Poona.                                  | 3% Conversion Loan, 1946   | 2,000.00  | 2,000.00          | 60.00       |
| 25. Campbell Memorial Medal Fund.                         | Committee of Management of the Asiatic Society of Bombay, Town Hall, Bombay-1.    | 5½% Maharashtra Loan, 1984.  | 4,900.00  | 4,900.00          | 213.00      |
| 26 Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution. | Secretary, Sir J.J.P.B. Institution, 209 Dr. Dadabhoy Naoroji Road, Fort, Bombay. | State Bank Shares . . . . .<br>3% Loan, 1896-97 . . . . .<br>3% Conv. Loan, 1946 . . . . .<br>4% Loan, 1981 . . . . .<br>4½% Loan, 1989 . . . . .<br>4½% Maharashtra Loan, 1974 . . . . .<br>4½% Maharashtra Loan, 1976 . . . . .<br>4% Bombay Mu. Debts. . . . .<br>5½% Loan, 2001 . . . . .<br>4½% Madras Loan, 1976 . . . . .<br>4% Bombay Port Trust Debentures . . . . .<br>5½% Maharashtra Loan, 1978 . . . . .<br>5½% Maharashtra Loan, 1977 . . . . .<br>5½% Madras Loan, 1979 . . . . .<br>5½% Madras Loan, 1980 . . . . .<br>5½% Maharashtra Loan, 1982 . . . . .<br>5½% Maharashtra Loan, 1981 . . . . .<br>6% Maharashtra State Electricity Board Bonds . . . . .<br>6% Bombay 1981 Municipal Debentures 1983. . . . . | 1,300.00<br>6,900.00<br>12,99,500.00<br>500.00<br>500.00<br>3,000.00<br>7,000.00<br>3,500.00<br>8,80,800.00<br>2,000.00<br>25,000.00<br>4,400.00<br>500.00<br>2,500.00<br>2,500.00<br>11,400.00<br>8,900.00<br>3,36,200.00<br>20,500.00 |                   |             |
|   |   |  |   | 26,16,900.00 (ag) | 1,16,244.42 |

| 7              | 8           | 9   | 10                                   | 11   |
|----------------|-------------|---|--------------------------------------|--|
| Rs.            | Rs.         | Rs.   | Rs.                                  |  |
|                | 60.00       | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                        | 59.40<br>0.60                        |  |
|                |             |   | 60.00                                |  |
| (ad) 4,900.00  | 5,113.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br>Other payments      | 210.55<br>2.45<br>4,900.00           | The gross interest due on the securities of the Fund amounts to Rs. 245/- but of which a sum of Rs. 32/- has been deducted by way of income-tax and surcharge. Action for claiming the refund is being taken.        |
|                |             |   | 5113.00                              | (ad) Represents redemption proceeds of 4½% Maharashtra Loan, 1972 since reinvested in the 5½% Maharashtra, Loan, 1984.   |
|                |             |   |                                      | (ag) (1) Includes (i) Overdue interest of 6% Mahr. State Elec. Board Bonds, 1981 for Rs. 39,000/- for the half year ended 12-3-1972 amounting to Rs. 1,170/- received in April, 1972.                                |
|                |             |   |                                      | (ii) Period interest of Rs. 632/- on 4% B.M. Debrs. 1912-72 for Rs. 1,000/- repaid on 27-8-1972 for the broken period from 1-7-72 to 27-8-72.  |
|                |             |   |                                      | (iii) Final dividend on (13) State Bank of India Shares amounting to Rs. 130/- received towards the close of the financial year and the same will be disbursed in April, 1973.                                       |
|                |             |   |                                      | (2) Income tax and surcharge of Rs. 47/- has been deducted from the gross interest of Rs. 204/- on 6% Mahr. State Elec. Board Bonds, 1981 for two half years ended 14-1-1973. The same will be claimed and refunded. |
| (ai) 33,533.63 | 1,49,748.10 | Interest remitted<br>(ai) Other Payments<br>Fee paid to Govt. | 1,14,952.47<br>22,952.73<br>1,161.95 | (aa) 10,680.95 (ah) Represents:—   |
|                |             |   | 1,39,067.15                          | (i). Rs. 1,000.00 repayment proceeds of 4% B.M. Debrs. 19-12-72 for Rs. 1,000/- repaid on 27-8-1972.   |
|                |             |   |                                      | (ii) Rs. 19,500.00 repayment proceeds of 4½% Mahr. 1972 for Rs. 19,500/- repaid on 4-9-1972.   |
|                |             |   |                                      | (iii) Rs. 315.00 remitted by the Fund authority in October 1972 for investment purposes.   |
|                |             |   |                                      | (iv) Rs. 50.00 remitted by the fund authority in November 1972 for investment purposes.  |
|                |             |   |                                      | (v) Rs. 2,050.00 refund of tax.  |
|                |             |   |                                      | (vi) Rs. 10,500.00 repayment proceeds of 4% B.P.T. Loan repaid on 1-2-1973   |
|                |             |   |                                      | (vii) Rs. 88.68 opening balance.   |
|                |             |   |                                      | Rs. 33,503.68  |

| 1 | 2 | 3 | 4   | 5   | 6   |
|---|---|---|-----|-----|-----|
|   |   |   | Rs. | Rs. | Rs. |

|   |   |   |                          |             |          |
|---|---|---|--------------------------|-------------|----------|
| 27. Bombay Branch of the National Association for supplying Female Medical Aid and instruction to the Women of India. | Treasurer of the Bombay Branch of the National Association C/o Shri R.N. Bhavnagri S.B. Billimoria and Co. 113, M. G. Road, Bombay-1. | 3% Conversion Loan, 1946<br>5-1/2% Maharashtra Loan, 1981 | 2,18,100.00<br>30,000.00 | 2,48,100.00 | 8,268.00 |
|---|---|---|--------------------------|-------------|----------|

| 7   | 8        | 9                 | 10       | 11  |
|-----|----------|-------------------|----------|---|
| Rs. | Rs.      | Rs.               | Rs.      |   |
|     |          |                   |          | (ar) Represents:—   |
|     |          |                   |          | (i) Rs. 88.68 uninvested balance returned to the administrator  |
|     |          |                   |          | (ii) Rs. 2,050.00 refund of tax.  |
|     |          |                   |          | (iii) Rs. 19,801.79 cost of 6% Bombay Munc. Debrs. 1983 for Rs. 19,500/- purchased out of the redemption proceeds of 4% Mahr. 1972 for Rs. 19,500/- repaid on 4-9-72 and a sum of Rs. 315/- remitted by the Fund authority leaving an Uninvested balance of Rs. 13/21P. |
|     |          |                   |          | (iv) Rs. 1,012.26 cost of 6% B. M. Debrs. 1983 for Rs. 1,000/- purchased out of the redemption proceeds of 4% B. M. Debrs. for Rs. 1,000/- repaid on 27-8-1972 and a sum of Rs. 50/- remitted by the Fund authority leaving an uninvested balance of Rs. 37.74.         |
|     |          |                   |          | Rs. 22,952.73   |
|     |          |                   |          | (aa) Consists of :—   |
|     |          |                   |          | (i) Rs. 10,500.00 repayment proceeds of 4% B.P.T. Debrs. repaid on 1-2-73 which could not be invested till 31-3-73 in the absence of necessary orders from the appropriate authority.   |
|     |          |                   |          | (ii) Rs. 13.21 uninvested balance as explained above at item (ai) (iii).  |
|     |          |                   |          | (iii) Rs. 37.74 uninvested balance as explained above at item (ai) (iv).  |
|     |          |                   |          | (iv) Rs. 130.00 final dividend on (13) State Bank of India Shares which could not be disbursed before 31-3-73.  |
|     |          |                   |          | Rs. 10,680.95   |
| ..  | 8,268.00 | Interest remitted | 8,185.30 | ..  |
|     |          | Fce paid to Govt. | 82.70    |   |
|     |          |                   | 8,268.00 |   |

| 1   | 2   | 3                       | 4         | 5         | 6        |
|---|---|-------------------------|-----------|-----------|----------|
| 28 Rustomji Jamsetjee Jejeebhoy Gujarati School Fund. | Secretary, Sir J.J. Parsee Benevolent Institution 209, Dr. D.N. Road, Fort, Bombay. | 3% Conversion Loan 1946 | 72,000.00 | 72,000.00 | 2,160.00 |

## MADRAS

|  |  |  |   |              |           |
|--|--|--|---|--------------|-----------|
| 1 The Lawrence Memorial School (Lovedale) Fund.                              | (a) Three representatives of the Govt. of India of whom one shall be from the Ministry of Education and Scientific Research, and shall be the Chairman, one shall be from the Ministry of Finance and shall be the Treasurer of the School and one shall be from the Ministry of Defence.<br>(b) Four other members to be nominated by the Govt. of India. | 4 % Loan 1986<br>3% Conversion Loan 1946<br>5-1/2 % Loan 1990<br>Fixed Deposit with the T.I.I. Corp. Ltd.<br>Fixed Deposit | 16,400.00<br>7,90,900.00<br>16,000.00<br>4,17,600.00<br>1,00,000.00 | 13,40,900.00 | 55,232.00 |
| 2 The Victoria Jubilee Scholarship Endowment Fund at Mangalore.              | A Committee consisting of (1) Dt. Judge, South Kanara (2) President District Board, S. Kanara (3) The Chairman, Municipal Council, Mangalore and (4) District Educational Officer South Kanara with the District judge, South Kanara as President.   | 3% Conversion Loan 1946  | 35,400.00   | 35,400.00    | 1,062.00  |
| 3 Jonnagadla Rangiah Chetty Collegiate Scholarship Endowment Fund at Madras. | The Director of Collegiate Education Madras.   | 4 1/2 % Madras Loan 1974.<br>3% Conversion Loan 1946<br>5 1/2 % Madras Loan 1980   | 3,000.00<br>32,400.00<br>200.00                                     | 35,600.00    | 1,116.50  |
| 4 Grigg Memorial Endowment Fund at Madras.                                   | The Director of School Education Madras & Collector, Madras.   | 3% Conversion Loan 1946.<br>5 1/2 % T.N. Loan 1981.  | 11,500.00<br>1,100.00   | 12,600.00    | 394.24    |
| 5 J.M. Bourne Memorial Endowment Fund at Madras.                             | The Chief Engineer of the Southern Railway, Madras.  | 3% Conversion Loan 1946.<br>5 1/2 % T.N. Loan, 1982<br>5 1/2 % T.N. Loan 1983  | 300.00<br>1,200.00<br>100.00  | 1,600.00     | 67.74     |

## WEST BENGAL

|   |  |  |                        |              |           |
|---|--|--|------------------------|--------------|-----------|
| 1 The Indian People's Famine Trust.   | Board of Management, New Delhi.  | 3% Conversion Loan 1946                                  | 32,78,400.00           | 32,78,400.00 | 98,352.00 |
| 2 The Jewish Charitable Endowment Fund.   | Mussa Board, Calcutta.   | 3% Conversion Loan 1946<br>5 1/2 % West Bengal Loan 1983 | 38,000.00<br>59,700.00 | 97,700.00    | 2,456.87  |
| 3 The Fund for the Medical Relief for Officers and Seamen of the Mercantile Marine. | Civil Surgeon and Secy. General Hospital Trust Fund Committee, Chittagong. | 3% Conversion Loan 1946                                  | 10,000.00              | 10,000.00    | ..        |



| 7              | 8           |  | 9                              | 10                | 11   |
|----------------|-------------|--|--------------------------------|-------------------|--|
| Rs.            | Rs.         |  | Rs.                            | Rs.               |  |
| ..             | 2,160 00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 2,138.40<br>21.60              | ..                |  |
|                |             |  | <u>2,160.00</u>                |                   |  |
| (aj) 58,665.89 | 1,13,987.89 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 54,679 69<br>552.31            | 58,665.89         | (aj) Represents opening balance of Rs. 57,393 89 and refund of income-tax of Rs. 1,272/-.  |
|                |             |  | <u>55,232.00</u>               |                   |  |
| (ak) 2,249.58  | 3,311.58    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 1,450.00<br>14.50              | 1,847.08          | (ak) Represents opening balance.   |
|                |             |  | <u>1,464.50</u>                |                   |  |
| (al) 6,256.12  | 7,372.62    | ..   | ..                             | 7,372.62          | (al) Represents opening balance of Rs. 6,255.12 and refund of income-tax of Rs. 1/-.   |
| (am) 1,979.74  | 2,373.98    | ..   | ..                             | 2,373.98          | (am) Represents opening balance.   |
| (v) 692.26     | 760.00      | ..   | ..                             | 760.00            | (v) Represents opening balance.  |
| ..             | 98,352.00   | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 97,368.48<br>983.52            | ..                |  |
|                |             |  | <u>98,352.00</u>               |                   |  |
| (b) 60,800.00  | 63,256.87   | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br>(o) Other payments | 2,432.30<br>24.57<br>60,772.30 | 27.70<br>..<br>.. | (b) Represents redemption proceeds of the 3% Loan 1970-75 for Rs. 60,800/-<br>(o) Represents cost of West Bengal Loan 1983 for Rs. 59,700/- thus leaving an uninvested capital balance of Rs. 27.70. |
|                |             |  | <u>63,229.17</u>               |                   |  |
| (y) 1,389.25   | 1,389.25    | ..   | ..                             | 1,389.52          | (y) Represents opening balance.  |

| 1   | 2  | 3   | 4                                       | 5            | 6         |
|---|--|---|---|--------------|-----------|
|   |  |   | Rs.                                     | Rs.          | Rs.       |
| <b>MADHYA PRADESH</b>                                   |  |   |   |              |           |
| 1 Nawab Sultan Jehan Begum Education Endowment, Bhopal. | Board of Governors consisting of the following:—<br>(1) His Highness Sikander Saulat Iftikhar-ul-Mulk Nawab Mohammed Hamidullah Khan.<br>(2) Shri Mahabir Prasad Verma formerly Judge of the Bhopal High Court.<br>(3) Shri Mohammed Ahmed Ansari formerly Judge of the Bhopal High Court.<br>(4) Colonel Yameenul Mulk Nawabzada Rashiduz-Zafar Khan Bahadur, and<br>(5) Mutamidul-Insha Ali Quadir Shri Syed Mashuq Ali, Secretary, Sarf-e-Khas of His Highness the Nawab of Bhopal. | 3% Conversion Loan 1946.<br>5½% M.P. Loan 1982                      | 9,24,400.00<br>4,24,500.00              | 13,48,900.00 | 58,287.61 |
| 2 C. P. & Berar King Edward Memorial Society Fund       | Secretary to the Governing Body of the King Edward Memorial Society Nagpur.  | 3% Loan 1896-97.<br>5½% M.P. Loan 1983.<br>3% Conversion Loan 1946. | 19,000.00<br>1,85,900.00<br>2,42,800.00 | 4,47,700.00  | 14,303.34 |
| 3 C.P. Agriculture and Industries Improvement Fund.     | Secretary to the Governing Body of the Society of Agriculture and Industries, Nagpur.  | 3% Conversion Loan 1946.  | 1,24,000.00                             | 1,24,000.00  | 1,860.00  |
| 4 Anson Gardiner Memorial Scholarship Fund.             | Bishop of Nagpur   | 5½% M. P. Loan 1983<br>3% Conversion Loan 1946.                     | 3,800.00<br>400.00                      | 4,200.00     | 223.92    |
| 5 Saubhagyawati Krishnabai Bal Krishna Sule Prize Fund. | Inspectress of Schools, Nagpur Circle, Nagpur.   | 5½% M.P. Loan 1983  | 200.00                                  | 200.00       | 11.50     |
| 6 R. B. Bhanduji Janardhan Chaulal Prize Fund.          | Secretary, Vidarbha Board of Secondary Education Nagpur.   | 5½% M. P. Loan 1983   | 900.00                                  | 900.00       | 51.58     |
| 7 Ram Chandra Thakur, Prize Fund.                       | Secretary, Board of Secondary Education M. P., Bhopal.   | 3% Conversion Loan 1946.  | 500.00                                  | 500.00       | 7.50      |

| 7    |          | 8         | 9                                      | 10                                      |          | 11   |   |
|------|----------|-----------|--|---|----------|------|---|
| Rs.  |          | Rs.       |  | Rs.                                     | Rs.      |      |   |
| (an) | 89.18    | 58,376.79 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt. | 57,644.17<br>643.44<br><u>58,287.61</u> | 89.18 .. | (an) | Represents opening balance. The amount of interest does not include a total sum of Rs. 5,996/- being the amount of Income Tax and Surcharge etc. deducted at source for which necessary deduction certificate sent to the Administrator for getting its refund direct.  |
| (ao) | 36.97    | 14,340.31 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt. | 14,160.02<br>143.32<br><u>14,303.34</u> | 36.97    | (ao) | Represents opening balance. Interest on the following securities for the half years as noted against each held under suspense by the R. B. I. Nagpur for want of exemption certificate from the I. T. Officer, Bhopal.<br>(1) 3% Loan 1896- June, 1972 and 97. December, 1972.<br>(2) 3% Conversion Loan 1946. September, 1972.<br>(3) 5½% M. P. February, 1973. Loan 1983. |
| (ap) | 6,100.00 | 7,960.00  | Interest remitted<br>Fee paid to Govt. | 1,841.40<br>18.60<br><u>1,860.00</u>    | 6,100.00 | (ap) | Represents opening balance. Interest for the half years September, 1972 and March, 1973 held under suspense by the Reserve Bank of India for want of exemption certificate from the I. T. Officer, Bhopal.  |
| (aq) | 13.17    | 237.09    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt. | 221.68<br>2.24<br><u>223.92</u>         | 13.17    | (aq) | Represents opening balance. Interest on the following securities for the half years as noted against each held under suspense by the R. B. I. Nagpur for want of exemption certificate from the I. T. Officer, M. P. Bhopal.<br>(1) 3% Conversion September, 1972.— Loan 1946 March, 1973.<br>(2) 5½% M. P. February 1973. Loan 1983.                                       |
| (am) | 276.60   | 288.10    | ..                                     |   | 288.10   | (am) | Represents opening balance. Interest for the half year February 1973 held under suspense for reasons explained above.   |
| (an) | 318.78   | 370.36    | ..                                     |   | 370.36   | (an) | Represents opening balance. Interest for the half year February, 1973 held under suspense for reasons explained above.  |
| ..   |          | 7.50      | Interest remitted<br>Fee paid to Govt. | 7.42<br>0.08<br><u>7.50</u>             | ..       |      | Interest for the half years September, 1972 and March, 1973 held under suspense for reasons explained above.  |

| 1   | 2   | 3  | 4                     | 5         | 6      |
|---|---|--|-----------------------|-----------|--------|
|   |   |  | Rs.                   | Rs.       | Rs.    |
| 8 Browning Scholarship and Browning Teacher Scholarship Fund. | Collector, Nagpur, Director of Public Instructions M.P. Bhopal and Inspector of School, Nagpur. | 3% Conversion Loan 1946.<br>5½% M.P. Loan 1979 | 11,600.00<br>2,200.00 | 13,800.00 | 174.00 |
| 9 Hardinge Medal Fund   | Director of Public Instructions, M.P. Bhopal.   | 3% Conversion Loan 1946                        | 2,100.00              | 2,100.00  | 31.50  |
| 10 Meyhew and Spence Silver Medals Fund.                      | District Educational Officer, Bilaspur.   | 5½% M.P. Loan 1983                             | 500.00                | 500.00    | 11.12  |
| 11 Pandit Premshankar Gangashankar Thakur Scholarship Fund.   | Chief Executive Officer, Janapad Sabha, Damoh   | 3% Conversion Loan 1946.                       | 7,100.00              | 7,100.00  | 106.50 |
| 12 Rewa Shankar Pandya High School Scholarship Fund.          | Divisional Superintendent of Education, Jabalpur.   | 3% Conversion Loan 1946.                       | 5,000.00              | 5,000.00  | 75.00  |
| 13 Laxmibai Scholarship Fund                                  | District Educational Officer, Jabalpur.   | 3% Conversion Loan 1946                        | 2,600.00              | 2,600.00  | 30.00  |
| 14 Woodburn, Scholarship Fund                                 | Principal Rajkumar, College, Raipur.  | 5½% M.P. Loan 1983<br>3% Conversion Loan 1946. | 2,400.00<br>8,360.00  | 10,760.00 | 262.14 |
| 15 M. P. State Tuberculosis Association Fund.                 | Honorary Secretary, Vidarbha Regional T. B. Association, Nagpur.                                | 3% Conversion Loan 1946                        | 64,100.00             | 64,100.00 | 961.50 |

| 7             | 8        | 9  | 10   | 11   |
|---------------|----------|--|--|--|
| Rs.           | Rs.      | Rs.  | Rs.  |  |
| (ar) 2,378.44 | 2,552.44 | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.<br>(Q) other payments | 172.26<br>1.74<br>2,300.00<br><hr/> 2,474.00 | 78.44 Interest on the following securities for the half years as noted against each held under suspense by the R. B. I. Nagpur as explained above.<br><br>(1) 3% Conversion September, 1972 Loan 1946.<br>(2) 5½% M. P. March, 1973. Loan 1978.<br><br>(ar) Represents (i) Rs. 2,300/- opening balance.<br>(ii) Rs. 78.44 the balance remained after the purchase of 5½% M. P. Loan 1979 for Rs. 2,200/- at a cost of Rs. 2,221.56.<br><br>(Q) Remitted to the Reserve Bank of India for purchase of 5½% M.P. Loan 1979. |
| ..            | 31.50    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 31.18<br>0.32<br><hr/> 31.50                 | .. Interest for the half years September, 1972 and March, 1973 held under suspense for the same reasons as explained above.  |
| (as) 95.72    | 106.84   | ..   | ..   | (as) 106.84 Interest for the half year February, 1973 held under suspense for the same reasons as above.<br><br>(as) Represent un-invested redemption proceeds of 4% M. P. Loan 1971 of Rs. 95.72 and unpaid interest of Rs. 11.12 for the period August 1972 since Govt. drafts below Rs. 50/- not issued by S. B. I., Bhopal.  |
| ..            | 106.50   | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 105.43<br>1.07<br><hr/> 106.50               | .. Interest for the half years September, 1972 and March, 1973 held under suspense by the R. B. I., Nagpur for the same reason as stated above.  |
| ..            | 75.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 74.25<br>0.75<br><hr/> 75.00                 | .. Interest for the half years September, 1972 and March, 1973 held under suspense as explained above.   |
| ..            | 39.00    | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 38.61<br>0.39<br><hr/> 39.00                 | .. Interest for the half year September, 1972 and March, 1973 held under suspense by the R. B. I., Nagpur, as explained above.   |
| (at) 44.63    | 306.77   | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 259.51<br>2.63<br><hr/> 262.14               | 44.63 (at) Represents opening balance. Interest on the following securities for the half years as noted against each held under suspense by the R. B. I., Nagpur as explained above.<br>(1) 3% Conversion September, 1972 Loan 1946 March, 1973.<br>(2) 5½% M. P. February, 1973 Loan 1983.  |
| ..            | 961.50   | Interest remitted<br>Fee paid to Govt.                       | 951.88<br>9.62<br><hr/> 961.50               | .. Interest for the half years September, 1972 and March, 1973 held under suspense by the R. B. I., for reasons explained above.   |

| 1                    | 2  | 3   | 4                           | 5           | 6                    |
|----------------------|--|---|-----------------------------|-------------|----------------------|
| <b>BIHAR</b>         |  |   |                             |             |                      |
| 1                    | The Woodhouse Memorial Fund.                           | The Collector, Bhagalpur.                                   | Defence Deposit Certificate | 1,100.00    | 1,100.00 49 50       |
| 2                    | The Raja Raghunandan Prasad Trust Fund.                | The Honorary Treasurer, Bihar SPCA, Sadaquat Ashram, Patna. | 3 % Conversion Loan 1946    | 1,600.00    | 1,600.00 48 00       |
| 3                    | The Sir Fakhruddin Memorial Gold Medal Fund            | The Director of Education, Bihar, Patna.                    | 3 % Conversion Loan 1946    | 1,100.00    | 1,100.00 33.00       |
| <b>UTTAR PRADESH</b> |  |   |                             |             |                      |
| <i>Aligarh</i>       |  |   |                             |             |                      |
| 1                    | Dassadduque Rausul Arabic Scholarship Endowment Trust. | Treasurer, Muslim University, Aligarh.                      | 3 % Conversion Loan 1946    | 20,200.00   | 20,200.00 606.00     |
| 2                    | Sir Syed Ahmed Memorial Trust Fund.                    | Registrar, Muslim University, Aligarh.                      | 3 % Conversion Loan 1946    | 1,16,000.00 | 1,16,000.00 3,480.00 |
| 3                    | Sir William Marris Scholarship Endowment Trust.        | Vice-Chancellor, Muslim University, Aligarh.                | 3 % Conversion Loan 1946    | 6,400.00    | 6,400.00 192.00      |
| <i>Allahabad</i>     |  |   |                             |             |                      |
| 4                    | Rewa Scholarship Endowment Trust.                      | Principal, Government Inter College, Allahabad.             | 3 % Conversion Loan 1946    | 4,100.00    | 4,100.00 123.00      |
| 5                    | Panna Scholarship Endowment Trust.                     | Director of Education U. P. Allahabad.                      | 3 % Conversion Loan 1946    | 5,200.00    | 5,200.00 156.00      |
| 6                    | Vizianagram Scholarship Endowment Trust.               | Principal, Government Inter College, Allahabad.             | 3 % Conversion Loan 1946    | 14,800.00   | 14,800.00 444.00     |
| 7                    | Vizianagram Scholarship Endowment Trust.               | Registrar, Allahabad University, Allahabad.                 | 3 % Conversion Loan 1946    | 26,000.00   | 26,000.00 780.00     |
| <i>Varanasi</i>      |  |   |                             |             |                      |
| 8                    | Sadhola Scholarship Endowment Trust.                   | Up-Kulpati, Varanaseya Sanskrit Vishwavidyalaya Varanasi.   | 3 % Conversion Loan 1946    | 45,000.00   | 45,000.00 1,350.00   |
| 9                    | Kathiawad Sanskrit Scholarship Endowment Trust.        | Do.   | 3 % Conversion Loan 1946    | 9,100.00    | 9,100.00 273.00      |

| 7   | 8        | 9                                       | 10                | 11  |
|-----|----------|---|-------------------|-----|
| Rs. | Rs.      | Rs.                                     | Rs.               | Rs. |
| ..  | 49.50    | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 49.00<br>0.50     | ..  |
|     |          |   | 49.50             |     |
| ..  | 48.00    | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 47.52<br>0.48     | ..  |
|     |          |   | 48.00             |     |
| ..  | 33.00    | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 32.66<br>0.34     | ..  |
|     |          |   | 33.00             |     |
| ..  | 606.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 599.94<br>6.06    | ..  |
|     |          |   | 606.00            |     |
| ..  | 3480.00  | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 3,445.20<br>34.80 | ..  |
|     |          |   | 3,480.00          |     |
| ..  | 192.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 190.08<br>1.92    | ..  |
|     |          |   | 192.00            |     |
| ..  | 123.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 121.76<br>1.24    | ..  |
|     |          |   | 123.00            |     |
| ..  | 156.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 154.44<br>1.56    | ..  |
|     |          |   | 156.00            |     |
| ..  | 444.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 439.56<br>4.44    | ..  |
|     |          |   | 444.00            |     |
| ..  | 780.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 772.20<br>7.80    | ..  |
|     |          |   | 780.00            |     |
| ..  | 1,350.00 | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 1,336.50<br>13.50 | ..  |
|     |          |   | 1,350.00          |     |
| ..  | 273.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 270.26<br>2.74    | ..  |
|     |          |   | 273.00            |     |

| 1   | 2   | 3  | 4           | 5           | 6        |
|---|---|--|-------------|-------------|----------|
|   |   |  | Rs.         | Rs.         | Rs.      |
| 10. Rewa Scholarship Endowment Trust.   | Principal, Government Higher Secondary School, Varanasi.          | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 5,800.00    | 5,800.00    | 174.00   |
| 11. Nagri Paracharni Sabha Endowment Trust.   | Secretary, Nagri-pracharni Sabha, Varanasi.                       | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 1,63,100.00 | 1,63,100.00 | 4,893.00 |
| 12. Maharaj Kumar Sri Sudhansu Sekhar Singh Deo heir apparent of Sonepur Estate Orissa Medal Endowment Trust. | Vice-Chancellor, Banaras Hindu University, Varanasi.              | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 1,500.00    | 1,500.00    | 45.00    |
| 13. Rani Bhuwan Raj-Lakshmi Devi of Basti Endowment Trust.  | Registrar, Banaras Hindu University, Varanasi.                    | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 7,300.00    | 7,300.00    | 219.00   |
| <i>Pauri Garhwal</i>  |   |  |             |             |          |
| 14. Garhwal Kshatriya Education Trust Fund.   | Secretary, Garhwal Kshatriya Education Trust Fund, Pauri Garhwal. | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 51,800.00   | 51,800.00   | 1,554.00 |
| <i>Lucknow</i>  |   |  |             |             |          |
| 15. Nagar Education Endowment Trust Upper India, Lucknow.   | Secretary, Nagar Education Endowment Trust Upper-India, Lucknow.  | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 16,600.00   |             |          |
|   |   | National/Plan Savings Certificates . . . . .               | 450.00      | 35,750.00   | 1,433.00 |
|   |   | 7-year National Savings Certificates (III Issue) . . . . . | 18,700.00   |             |          |
| 16. Captain Kr. Indrajit Singh M.C.I. Endowment M.S. Memorial Research Scholarship Endowment Fund.            | Principal, Medical College, Lucknow.                              | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 1,06,600.00 | 1,06,600.00 | 3,198.00 |
| <i>Mirzapur</i>   |   |  |             |             |          |
| 17. Giraundi Kayastha Pathshala Endowment Trust.  | Collector, Mirzapur   | 3% Conversion Loan 1946 . . . . .                          | 1,600.00    | 9,150.00    | 46.00    |
|   |   | 7-year National Savings Certificates (II Issue) . . . . .  | 7,550.00    |             |          |

## PUNJAB

Pending apportionment of Securities relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of Securities could not be prepared.



| 7   | 8        | 9                                       | 10                | 11  |
|-----|----------|---|-------------------|-----|
| Rs. | Rs.      |   | Rs.               | Rs. |
| ..  | 174.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 172.26<br>1.74    | ..  |
|     |          |   | <u>174.00</u>     |     |
| ..  | 4,893.00 | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 4,844.06<br>48.94 | ..  |
|     |          |   | <u>4,893.00</u>   |     |
| ..  | 45.00    | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 44.54<br>0.46     | ..  |
|     |          |   | <u>45.00</u>      |     |
| ..  | 219.00   | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 216.80<br>2.20    | ..  |
|     |          |   | <u>219.00</u>     |     |
| ..  | 1,554.00 | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 1,538.46<br>15.54 | ..  |
|     |          |   | <u>1,554.00</u>   |     |
| ..  | 1,433.00 | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 1,418.67<br>14.33 | ..  |
|     |          |   | <u>1,433.00</u>   |     |
| ..  | 3,198.00 | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 3,166.02<br>31.98 | ..  |
|     |          |   | <u>3,198.00</u>   |     |
| ..  | 48.00    | Interest remitted.<br>Fee paid to Govt. | 47.52<br>0.48     | ..  |
|     |          |   | <u>48.00</u>      |     |

[No.F.1/1/73—TCE.]

K.S. SASTRY, Treasurer of  
Charitable Endowments for India,

(केंद्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड)

नई दिल्ली, 30 जून, 1973

क्र. आ. 1843.—सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क बोर्ड, वर्तेज (गुजरात राज्य में भावनगर के निकट) को सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन भण्डागारण केंद्र के रूप में घोषित करती है।

[सं. 100/73-सीमा शु/का. सं. 473/26/73-सी. शु.-7]

के. शंकररामन, अवर सचिव

## CENTRAL BOARD OF EXCISE &amp; CUSTOMS

New Delhi, the 30th June, 1973

S.O. 1843.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Vartej (near Bhavnagar in Gujarat State) as a warehousing station under section 9 of the Customs Act, 1962.

[No. 100/73-Customs/F. No. 473/26/73-Cus. VII]

K. SANKARARAMAN, Under Secy.

## वाणिज्य मंत्रालय

## आदेश

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1973

क्र. आ. 1844.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 1632 दिनांक 9 जून, 1973 को, जिसके अनुसार निर्यात से पूर्व पटसन उत्पादों के क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण के अधीन रखा गया था, विखीड़ित करती है।

[सं. 6(18)/72-ई. आई. एण्ड ई. पी.]

एम. के. बी. भटनागर, अवर सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

## ORDER

New Delhi, the 7th July, 1973

S.O. 1844.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), of India, in the Ministry of Commerce, No. S. O. 1632, dated the 9th June, 1973 subjecting jute products to quality control and inspection prior to export.

[No. 6(18)/72-EI&amp;EP]

M. K. B. BHATNAGAR, Under Secy.

## मृत्त निर्यात, आयात-निर्यात का कार्यालय

## आदेश

नई दिल्ली, 12 जून, 1973

क्र. आ. 1845.—सर्वश्री क्लाइमैक्स टेक्सटाइल एन्ग्रेवर्स, बम्बई को लाइसेंस के साथ संलग्न सूची के अनुसार कच्चे माल संघटकों के आयात के लिए 1,15,000 रु. का एक आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2188415 दिनांक 3-4-1972 स्वीकृत किया गया था।

फर्म ने अब बताया है कि विषयाधीन लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रति खो गई है और अब उन्होंने सीमा-शुल्क कार्यालय द्वारा पष्ठांकन के लिए शेष राशि अर्थात् 79,177 रु. को पूरा करने के लिए अनुलिपि प्रति के लिए निवेदन किया है। सीमा-शुल्क प्रति का अंशतः उपयोग 35,823 रु. तक के लिए कर लिया गया है।

अपने अनुरोध के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियमों के अन्तर्गत अपेक्षित स्टाम्प केंगज पर एक शपथ पत्र भेजा है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं. पी/डी/2188415 दिनांक 3-4-1972 की सीमा-शुल्क प्रति खो गई है और निर्देश देता है कि उन्हें विषयाधीन लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा-शुल्क प्रति एतद् द्वारा खूद की जाती है।

[संख्या मैक/सी-1(2)/ए. एम. 72/आर. एम. 4]

(Office of the Chief Controller of Imports &amp; Exports)

## ORDER

New Delhi, the 12th June, 1973

S.O. 1845.—M/s. Climax Textile Engravers Bombay were granted an import licence No. P/D/2188415 dated 3-4-72 for Rs. 1,15,000/- for import of Raw materials/Components as per list attached thereto.

The firm have now reported that Custom Copy of the licence in question has been lost and they have now requested to issue Duplicate copy to cover the balance amount of Rs. 79,177/- for endorsement by the customs. Custom Copy has been partly utilised to the extent of Rs. 35,823.

In support of their request the applicant have furnished an affidavit on a stamped paper as required under I.T.C. Rules. The undersigned is satisfied that Custom Copy of the licence No. P/D/2188415 dt. 3-4-72 has been lost and directs that a duplicate custom copy of the licence in question may be issued to them. The original custom copy is hereby cancelled.

[File No. Mach. C-1(2)/AM72/RM 4]

## आदेश

नई दिल्ली, 19 जून, 1973

क्र. आ. 1846.—सर्वश्री प्रेसटोलाइट आफ इंडिया, 16/4 गेन मधुरा रोड, फरीदाबाद, हरियाणा को सामान्य मृदा क्षेत्र से कन्टेनर सेट के आयात के लिए 20,556 रु. (बीस हजार पांच सौ छपन रुपये मात्र) का एक लाइसेंस सं. पी/आई/3032778 दिनांक 25-2-1972 स्वीकृत किया गया था। फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मृदा विनियम निबंधन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति बिल्कुल उपयोग किए बिना ही अस्थानस्थ हो गई/खो गई है। उन्होंने आयात व्यापार नियंत्रण नियमों के अनुसार आवश्यक शपथ-पत्र दिया है।

अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस की मूल मृदा विनियम निबंधन प्रति खो गई है और निवेदन देता है कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मृदा विनियम निबंधन प्रति जारी की जाए। लाइसेंस की मूल मृदा-विनियम निबंधन प्रति एतद् द्वारा खूद की जाती है।

[सं. आटो-पी/3(1)/ए. एम. 72/आर. एम. 4]

एस. एस. अग्रवाल, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 19th June, 1973

S.O. 1846.—M/s. Prestolite of India Ltd., 16/4, Main Mathura Road, Faridabad (Haryana) were granted import licence No. P/1/3032778 dt. 25-2-1972 for Rs. 20,556/- (Rupees twenty thousand five hundred and fifty six only) for the import of Contact Sets from G.C.A. The firm have applied for grant of duplicate Exchange Control Copy of the licence on the ground that original has been misplaced/lost without being utilised for any amount. They have furnished necessary affidavit as per I.T.C. Rules.

The undersigned is satisfied that original of the Exchange Control copy of the licence has been lost and directs that duplicate of Exchange Control copy of the said licence may be issued. The original Exchange control copy of the licence is hereby cancelled.

[File No. Auto-P/3(1)/AM-72/RM-4]

S. M. AGGARWAL, Dy. Chief Controller.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 जून, 1973

का. आ. 1847.—राजनयिक एवं कॉन्सुल अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार इसके द्वारा बर्लिन (ज. ज. ग.) स्थित भारत के राजदूतावास में सहायक श्री एस. एल. मेहता को तत्काल से अगले आदेश तक के लिए कॉन्सुल अधिकारी का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं. टी. 4330/3/72]

प्रमोद कुमार, उप-सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 11th June, 1973

S.O. 1847.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 the Central Government hereby authorises Shri S. L. Mehta, Assistant in the Embassy of India, Berlin (GDR) to perform the duties of a Consular Agent, with immediate effect until further orders.

[File No. T. 4330/3/72]

PRAMOD KUMAR, Dy. Secy.

औद्योगिक विकास, विज्ञान और औद्योगिकी मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 12 जून 1973

का. आ. 1848.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहान) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे जिस लाइसेंस के ब्योरे दिए गए हैं, लाइसेंसधारी का कार्य असंतोषजनक होने के कारण 4 मई, 1973 से रद्द कर दिया गया है।

| लाइसेंस संख्या और तिथि       | लाइसेंसधारी का नाम और पता  | रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया | तत्सम्बन्धी भारतीय मानक |
|------------------------------|--|---|-------------------------|
| सी. एम./एस-2099<br>30-9-1969 | मेमसे नेशनल पेस्टी-साइड्स, 5-इंडस्ट्रियल इस्टेट, विदिशा (म.प्र.) | एल्ट्रिन का पायस-नीय तैज द्रव               | IS: 1307-1958           |

[सं. एम. डी. डी./55:2099]

डी. दाम. गुप्ता, निदेशक (सेटल मार्केट)

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, SCIENCE AND TECHNOLOGY

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 12th June, 1973

S. O. 1848.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955, as amended from time to time the Indian Standards Institution, hereby notifies that the licence, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 4th May, 1973 as the performance of the licence was unsatisfactory:

| Licence No. and Date   | Name and address of the Licence                              | Articles/Process covered by the Licence | Relevant Indian Standard |
|------------------------|--|---|--------------------------|
| CM/L-2099<br>30-9-1969 | M/s National Pesticides, 5, Industrial Estate, Vidisha (MP). | Aldrin emulsifiable concentrates        | IS: 1307-1958            |

[No. MDD/55:2099]

D. DAS GUPTA, Director (Central Marks)

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 21 जून, 1973

का. आ. 1849.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 642 तिथि 22-2-73 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दी है;

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है और, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बंधनों के मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को विहित होगा।

अनुसूची

कुंआ संख्या 127 (कॉ.आई.डी.डी.) से 49 तक पाइपलाइन

| राज्य               | गुजरात      | जिला महसना | तालुका     | कलोन           |
|---------------------|-------------|------------|------------|----------------|
| गांव                | खण्ड संख्या | हेक्टर     | ए. आर. डी. | पी. ए. आर. डी. |
| पन्सार              | 1490        | 0          | 5          | 37             |
| बी. पी. कांटे ट्रेक |             | 0          | 0          | 55             |
| 1567                |             | 0          | 12         | 01             |
| 1566                |             | 0          | 2          | 62             |

| गांव                             | खण्ड संख्या | हेक्टर | ए०आर०ई० | पी०ए०आर०ई० |
|----------------------------------|-------------|--------|---------|------------|
| 1564                             | 0           | 8      | 00      |            |
| 1562                             | 0           | 7      | 08      |            |
| 1561                             | 0           | 5      | 92      |            |
| 1560                             | 0           | 9      | 31      |            |
| 1558                             | 0           | 9      | 10      |            |
| 1554                             | 0           | 10     | 98      |            |
| 1553                             | 0           | 10     | 75      |            |
| 1545                             | 0           | 2      | 44      |            |
| 1546                             | 0           | 4      | 76      |            |
| 1547                             | 0           | 2      | 56      |            |
| 1548                             | 0           | 3      | 60      |            |
| 1543                             | 0           | 11     | 66      |            |
| 1544                             | 0           | 6      | 56      |            |
| 1540                             | 0           | 7      | 81      |            |
| 1541                             | 0           | 18     | 36      |            |
| अम्बापुरा तालु: काडी जिला महसाना |             |        |         |            |
| सर्वेक्षण संख्या                 |             |        |         |            |
| 98                               | 0           | 11     | 71      |            |
| 100                              | 0           | 4      | 27      |            |

[संख्या 11/3/72-सेक्टर एंड लेजिस्]

बी० आर० भस्मा, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 21st June, 1973

S.O. 1849.—WHEREAS by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 642 dated 22-2-73 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report the Government;

AND FURTHER WHEREAS the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

NOW THEREFORE in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 5 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

AND FURTHER in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from well No. 127 (KID) to 49.

STATE: GUJARAT DIST: MEHSANA: TAL: KALOL

| Village | Block No.       | Hectare | Are | P. are |
|---------|-----------------|---------|-----|--------|
| PANSAR  | 1490            | 0       | 5   | 37     |
|         | V.P. Cart track | 0       | 0   | 55     |
|         | 1567            | 0       | 12  | 01     |
|         | 1566            | 0       | 2   | 62     |
|         | 5164            | 0       | 8   | 90     |
|         | 1562            | 0       | 7   | 08     |
|         | 1561            | 0       | 5   | 92     |
|         | 1560            | 0       | 9   | 31     |
|         | 1556            | 0       | 9   | 10     |
|         | 1554            | 0       | 10  | 98     |
|         | 1553            | 0       | 10  | 75     |
|         | 1545            | 0       | 2   | 44     |
|         | 1546            | 0       | 4   | 76     |
|         | 1547            | 0       | 2   | 56     |
|         | 1548            | 0       | 3   | 60     |
|         | 1543            | 0       | 11  | 66     |
|         | 1544            | 0       | 6   | 56     |
|         | 1540            | 0       | 7   | 81     |
|         | 1541            | 0       | 18  | 36     |

AMBAVPURA TAL: KADI DIST: MEHSANA  
Survey No.

|     |   |    |    |
|-----|---|----|----|
| 98  | 0 | 11 | 71 |
| 100 | 0 | 4  | 27 |

[No. 11/3/72-Lab. &amp; Legis.]

B.R. BHALLA, Under Secy.

## इस्सत और खान संश्लेषण

(खान विकास)

नई दिल्ली, 20 जून, 1973

कां०० 1850.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट क्षेत्र में प्रयत्न उस के अन्तर्गत उपलब्ध किसी खनिज के बारे में यथा सम्भव ठीक-ठीक जानकारी एकत्र करना आवश्यक है;

और यतः उक्त क्षेत्रों के सम्बन्ध में उड़ीसा राज्य सरकार द्वारा खनन पट्टे प्रनुवर्त किए गए हैं;

अतः अब खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 67) की धारा 18-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा 18-क की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा-प्रयोजित उड़ीसा सरकार से परामर्श के पश्चात् भारतीय वैज्ञानिक सर्वेक्षण को ऐसी जानकारी अधिप्राप्त करने के प्रयोजनार्थ उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में यथा आवश्यक विस्तृत अन्वेषण करने के लिए प्राधिकृत करती है।

| पट्टाधृत क्षेत्रों के ब्यौरे         | पट्टेदार का नाम                         |
|--------------------------------------|---|
| उड़ीसा का केम्पोनसर बोमार्ड क्षेत्र  |   |
| (क) रौयडावद्रासाई                    | मैसर्स ओ० एम० डी० सी०                   |
| (ख) चुर मालडा (के० डी० आर० सी० खाने) | मैसर्स एम० ए० तुल्लोक                   |
| (ग) वद्रासाई                         | मैसर्स पटनायक माहम (प्रा०) लि०          |
| (घ) मिलजोरा-कालमट्टी                 | मैसर्स एम० एस० रुग्टा एंड गुरुडा ब्लॉक। |
| (ङ) एस० जी० बी० के०                  | मैसर्स सिराजुद्दीन एण्ड क०              |
| (च) सरकुंडा-भुतुरा                   | मैसर्स एस० लाल एण्ड क०                  |
| [फा० सं० 17(5)/73-खान-6]             |   |
| जगमोहन लाल टन्डन, भ्रवर सचिव         |   |

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, June 20, 1973

S.O. 1850.—WHEREAS the Central Government is of opinion that it is necessary to collect as precise information as possible with regard to any mineral available in or under the areas specified in column (1) of the Table below;

AND WHEREAS in respect of the said areas, mining leases have been granted by the State Government of Orissa;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18A of the Mines & Minerals (Regulation & Development) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government, after consultation with the State Government of Orissa as required by the proviso to sub-section (1) of the said section 18A, hereby authorises the Geological Survey of India to carry out such detailed investigations for the purpose of obtaining such information as may be necessary in the areas specified in the said Table.

## THE TABLE

| Details of the lease hold area     | Name of the lessee                 |
|------------------------------------|------------------------------------|
| KEONJHAR-BONAI REGION OF ORISSA    |                                    |
| (a) Roida-Bhadraisi                | M/s. O. M. D. C.                   |
| (b) Chur Malda (K. D. R. C. Mines) | M/s. M.A. Tullock                  |
| (c) Bhadrasai                      | M/s. Patnaik Mines (P) Ltd.        |
| (d) Siljora-Kalmatti               | M/s. M. L. Rungta and Gurda Block. |
| (e) S. G. B. K.                    | M/s. Serajuddin & Co.              |
| (f) Sarkunda-Bhutura               | M/s. S. Lal & Co.                  |

[File No. 17 (5) /73-MVI]  
J. L. TANDON, Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आवृत्ति

नई दिल्ली, 20 जून, 1973

क्र. आ. 1851.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 27 मार्च, 1962 की अधिसूचना सं. 16-15/81 एम. आई. द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रायोजनों

के लिए वेलीन्सिया विश्वविद्यालय (स्पेन) द्वारा प्रदत्त "लाइसेंसिएडो इन मेडिसिन सिरुजिया" मान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा. मॉन्टागुट फ्रिक्साज मेरिया डेल रोजरियो जिसके पास उक्त अर्हता है अध्यापन और धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल क्विस्ट जेसस सोसाइटी, पूना के साथ नियुक्त हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा—

- (1) इस आदेश के सरकारों गजट में प्रकाशित होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि

अथवा

- (2) उस अवधि को जब तक डा. मॉन्टागुट फ्रिक्साज मेरिया डेल रोजरियो, क्विस्ट जेसस सोसाइटी, पूना में नियुक्त रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें एवांकिट डा. मेडिकल प्रोक्टिस कर सकेंगे।

[सं. वी. 11016/11/73-एम. पी. टी.]

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 20th June, 1973

S.O. 1851.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No: 16-15/61 MI, dated the 27th March, 1962 the Central Government has directed that the medical qualification, "Licenciado en Medicina Cirugia" granted by the University of Valencia (Spain) shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Montagut Freixas Meria del Rosario who possesses the said qualification is for the time being employed with the Society of Christ Jesus, Poona, for the purposes of teaching and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- a period of two years from the date of publication of this order in the Official Gazette, or
- the period during which Dr. Montagut Freixas Meria del Rosario is employed with the said society of Christ Jesus, Poona, whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited

[No. V. 11016/11/73-MPT]

नई दिल्ली, 23 जून, 1973

क्र.आ० 1852.—दत्त चिकित्सा अधिनियम 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय दत्त पं.धव से परामर्श करने के पश्चात् एतद् द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग 3 में निम्नलिखित संशोधन करती है—

उक्त भाग में बरामद हुए स्थित भलावामा विश्वविद्यालय, भ्रमरीका से संबंधित क्रम संख्या 65 में लिखी प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रख ली जाएँ—

|                                     |              |                         |
|-------------------------------------|--------------|-------------------------|
| 66. कारोलिंस्का                     | डॉक्टर प्राफ | डा० ब्राडोट कारोलिंस्का |
| इंस्टीट्यूट स्कूल प्राफ             | प्राइडोलोजी  |                         |
| डेण्टोस्ट्री, स्टोकहोम,             |              |                         |
| स्वीडन।                             |              |                         |
| 67. वेस्टफालिया                     | डॉक्टर प्राफ | डा० मेड० डेंट०,         |
| विलहेल्म यूनिवर्सिटी, डेंटल मेडिसिन |              | वेस्टफालिया             |
| मंस्टर (जर्मनी)                     |              | विलहेल्म।               |

सती बालकृष्णा, अवर सचिव

[स० बी० 12011/1/72 एम० पी० टी०]

New Delhi, the 23 June, 1973

**S. O. 1852.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby makes the following amendments in Part III of the Schedule to the said Act, namely :

In the said part, after the entry at serial No. 65, relating to the University of Alabama in Birmingham, USA, the following entries shall be inserted, namely :—

|                          |                 |                |
|--------------------------|-----------------|----------------|
| 66. Karolinska Institute | Doctor of Odon- | Dr. Odont.,    |
| School of Dentistry      | tology          | Karolinska.    |
| Stockholm, Sweden        |                 |                |
| 67. Westphalia Wilhems   | Doctor of Don-  | Dr. Med. Dent, |
| University, Munster      | tal Medicine    | Westphalia     |
| (Germany)                |                 | Wilhems.       |

[No. VI2011/1/72-M.P.T.]

Km. SATHI BALAKRISHNA, Under Secy.

### शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 5 जून, 1973

**क्र. आ. 1853.**—जब कि केन्द्रीय सरकार को यह बताया गया है कि सर्वश्री बालीराम, राजकुमार और जगदीश बहादुर सक्सेना तथा अन्य लोगों ने पुरावशेष (नियमित-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के खंड 3 के साथ पढ़े जाने वाले खंड 5 तथा अन्य अधिनियमों से अधीन हिमाचल प्रदेश के क्रॉस एफ. आई. आर. संख्या 20/71 में दण्डनीय अपराध किया है।

और जब कि कोई भी न्यायालय पुरावशेष (नियमित-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन दण्डनीय अपराध में हस्तक्षेप नहीं कर सकता, जब तक कि केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में सामान्य रूप से अथवा विशेष रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा लिखित में शिक्कयुक्त न की जाए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार के श्री सोमदत्त बॅण, पुलिस निरीक्षक राज्य सी. आई. डी. (अपराध) हिमाचल प्रदेश, शिमला को सहर्ष प्राधिकृत करती है कि वह उपरोक्त मामले में सक्षम अधिकारयुक्त न्यायालय के सम्मुख सर्वश्री बाली राम, राजकुमार, जगदीश बहादुर सक्सेना आदि दूसरे लोगों के विरुद्ध पुरावशेष (नियमित-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन शिक्कयुक्त वर्ज करें।

भारत के राष्ट्रपति के नाम में और उनके आदेशानुसार  
[संख्या 2/11/73-पुरातत्व]

### MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 5th June, 1973

**S.O. 1853.**—Whereas it has been made to appear to the Central Government that M/s. Bali Ram, Raj Kumar and Jagdish Bahadur Saxena and others have committed offence punishable under Section 5 of Antiquities (Export Control) Act, 1947 and other laws in case FIR No. 20/71 of the Government of Himachal Pradesh.

And whereas no court can take cognizance of an offence punishable under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, except upon a complaint made in writing by an officer generally or specially authorised in this behalf by the Central Government.

Now, therefore, the Central Government is pleased to authorise Shri Som Datt Vaidya, Inspector of Police State C.I.D. (Crime), Himachal Pradesh, Simla, to prefer the complaint against M/s. Bali Ram, Raj Kumar and Jagdish Bahadur Saxena and others under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, before a court of competent jurisdiction in the aforesaid case.

By order and in the name of the President of India.

[No. 2/11/73-Ant.]

नई दिल्ली, 6 जून, 1973

**क्र. आ. 1854.**—जब कि केन्द्रीय सरकार को यह बताया गया है कि मैसर्स तिब्बती आर्ट्स के स्वामी श्री कृष्णानाथन ने पुरावशेष (नियमित-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के खंड 3 के साथ पढ़े जाने वाले खंड 5 के अधीन दण्डनीय अपराध है।

और जब कोई भी न्यायालय पुरावशेष (नियमित-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन दण्डनीय अपराध में हस्तक्षेप नहीं कर सकता, जब तक कि केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में सामान्य रूप से अथवा विशेष रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा लिखित में शिक्कयुक्त न की जाए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय अधिसूचना एकक, न्यू कस्टम्स हाउस, बम्बई के सहायक सीमाशुल्क समारहता श्री एस. एन. पेंडहारकर को सहर्ष प्राधिकृत करती है कि वह उपरोक्त मामले में सक्षम अधिकारयुक्त न्यायालय के सम्मुख मैसर्स तिब्बती आर्ट्स के स्वामी श्री कृष्णानाथन के विरुद्ध पुरावशेष (नियमित-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन शिक्कयुक्त वर्ज करें।

भारत के राष्ट्रपति के नाम में और उनके आदेशानुसार

[सं. 7/4/73 पुरा.]

म. न. देशपांडे, महानिदेशक

New Delhi, the 6th June, 1973

**S.O. 1854.**—Whereas it has been made to appear to the Central Government that Shri Krishnanathan, Proprietor of M/s. Tibetan Arts has committed offence punishable under Section 5 read with Section 3 of the Antiquities (Export Control) Act, 1947;

And whereas no court can take cognizance of an offence punishable under the Antiquities (Export Control) Act, 1947 except upon a complaint made in writing by an officer generally or specially authorized in this behalf by the Central Govt.

Now, therefore, the Central Government is pleased to authorise Shri S. N. Pendharkar, Assistant Collector of Customs, Central Intelligence Unit, New Customs House, Bombay to prefer the complaint against Shri Krishnanathan, Proprietor of M/s. Tibetan Arts, under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, before a court of competent jurisdiction in aforesaid case.

By order and in name of the President of India,

[No. 7/4/73-Ant.]

M. N. DESHPANDE, Director General.

## संचार विभाग

## (डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 26 जून, 1973

क्र. आ. 1855—स्थायी आदेश संख्या - - - - -स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 434 के खंड 111 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने अंगामाली टेलीफोन केंद्र में दिनांक 1-8-1973 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-15/73-पी. एच. बी.]

ए. एस. वोहरा, सहायक महानिदेशक

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. &amp; T. Board)

New Delhi, the 26th June, 1973

S.O. 1855.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-8-1973 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in ANGAMALI Telephone Exchange, Kerala Circle.

[No 5-15/73-PHB]

A. S. VOHRA, Asstt. Director.

## रेल मंत्रालय

## (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 जून 1973

क्र. आ. 1856.—लोक परिसर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) नियम, 1971 के नियम 6 का अनुमर्ण करते हुए तथा भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की 2 मार्च, 1963 की अधिसूचना सं. एम. ओ. 563 का अधिकरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गई तालिका के कालम 1 में उल्लिखित राजपत्रित अधिकारियों को प्राधिकृत करती है कि वे किसी भी प्रश्न पर म्बरेणा से अथवा किसी ऐसे व्यक्ति के आवेदन पर जिसको लोक परिसर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) के अधीन सूचना की तामील कराया गई हो और जो इस के कालम 2 में तदनुषंगी प्रविष्टि में निर्दिष्ट लोक परिसर से सम्बन्धित हो, किसी सम्पदा अधिकारी के समक्ष लम्बित कार्यवाही का अंतरण किसी अन्य सम्पदा अधिकारी को कर सकेंगे -

## तालिका

| राजपत्रित अधिकारी                                | लोक परिसर             |
|--|-----------------------|
| (1)  | (2)                   |
| निम्नलिखित के नियंत्रण में                       |                       |
| 1. वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक, मध्य रेलवे             | मध्य रेलवे            |
| 2. वरिष्ठ उप महा प्रबन्धक, पूर्वी रेलवे          | पूर्वी रेलवे          |
| 3. वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक, उत्तर रेलवे            | उत्तर रेलवे           |
| 4. वरिष्ठ उप महा प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे      | पूर्वोत्तर रेलवे      |
| 5. वरिष्ठ उप महा प्रबन्धक, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे | पूर्वोत्तर रेलवे सीमा |
| 6. वरिष्ठ उप महा प्रबन्धक, दक्षिण रेलवे          | दक्षिण रेलवे          |
| 7. वरिष्ठ उप महा प्रबन्धक, दक्षिण मध्य रेलवे     | दक्षिण मध्य रेलवे     |
| 8. वरिष्ठ उप महा प्रबन्धक, दक्षिण पूर्वी रेलवे   | दक्षिण पूर्वी रेलवे   |
| 9. वरिष्ठ उप महा प्रबन्धक, पश्चिम रेलवे          | पश्चिम रेलवे          |

(1)

(2)

|  |                         |
|--|-------------------------|
| 10. महा प्रबन्धक, चित्तारंजन रेल इंजन कारखाना, चित्तारंजन। | चित्तारंजन रेल इं. कार. |
| 11. महा प्रबन्धक, डीजल रेल इंजन कारखाना, बाराणसी           | डी. रेल इं. कार.        |
| 12. महा प्रबन्धक, सवारी डिब्बा कारखाना, पेरम्बूर, मद्रास   | सवारी डि. कार.          |

[सं. 70/डब्ल्यू 2/14/11]

एच. एफ. पिंटो, सचिव

## MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 15th June, 1973

S. O. 1856.—In pursuance of rule 6 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Rules, 1971 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board's) No. S. O. 563 dated the 2nd March, 1963, the Central Government hereby authorises the Gazetted Officers mentioned in column 1 of the Table below to transfer at any stage, either of his own motion or on application of any person whom a notice under the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) has been served any proceedings pending before an Estate Officer to another Estate Officer and pertaining to public premises specified in the corresponding entry in column 2 thereof :—

## TABLE

| Gazetted Officers<br>1   | Public Premises<br>2           |
|--|--------------------------------|
| Under the control of:  |                                |
| 1. Senior Deputy General Manager, Central Railway                | Central Railway                |
| 2. Senior Deputy General Manager, Eastern Railway                | Eastern Railway                |
| 3. Senior Deputy General Manager, Northern Railway               | Northern Railway               |
| 4. Senior Deputy General Manager, North Eastern Railway          | North Eastern Railway          |
| 5. Senior Deputy General Manager, Northeast Frontier Railway     | Northeast Frontier Railway     |
| 6. Senior Deputy General Manager, Southern Railway               | Southern Railway               |
| 7. Senior Deputy General Manager, South Central Railway          | South Central Railway          |
| 8. Senior Deputy General Manager, South Eastern Railway          | South Eastern Railway          |
| 9. Senior Deputy General Manager, Western Railway                | Western Railway                |
| 10. General Manager, Chittaranjan Locomotive Works, Chittaranjan | Chittaranjan Locomotive Works. |
| 11. General Manager, Diesel Locomotive Works, Varanasi.          | Diesel Locomotive Works        |
| 12. General Manager, Integral Coach Factory, Perambur, Madras.   | Integral Coach Factory         |

[No. 70/W 2/14/11]

H. F. PINTO, Secy.

# MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 22nd June, 1973

**S.O. 1857.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gidi 'A' Colliery of Messrs National Coal Development Corporation Limited Post Office Gidi, District Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th June, 1973.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 13 of 1972

### Parties :

Employers in relation to the management of Gidi 'A' Colliery of Messrs National Coal Development Corporation Limited, Post Office Gidi, District Hazaribagh.

And

Their Workmen.

### Present :

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.), Presiding Officer.

### Appearances :

**For the Employers :—**Shri T. P. Choudhury, Advocate.

**For the Workmen :—**Shri B. K. Lath, Advocate.

**State : Bihar.**

**Industry : Coal.**

Dhanbad, the 2nd June, 1973

### AWARD

This is a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 and arises out of an order passed by the Central Government being order No. 2/201/70-LRII dated 25-3-1972 in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order which runs as follows :—

"Whether the action of the management of Gidi 'A' Colliery of Messrs. National Coal Development Corporation Limited, Post Office Gidi, District Hazaribagh in denying Shri S. L. Sharma, Electrical Supervisor (Redesignated as Foreman, Electrical), the scale of Rs. 405-730 as per the Wage Board's Recommendations is justified? If not to what relief is the workman entitled and from what date?"

2. This reference was received in the office of the Tribunal on 14-72 and usual notices were issued to the parties for filing their written statements and other documents. Written statement of the workmen signed by Shri S. L. Sharma, the concerned workman, dated 15-5-72 was received in the office of the Tribunal the same day and was placed on record. Written statement on behalf of the National Coal Development Corporation Limited, herein-after called the management was received on 13-6-72 and was placed on record. On 3-10-72 a rejoinder on behalf of the workman in reply to the written statement of the management was filed by Shri B. K. Lath, Advocate appearing for the workmen. He also filed two items of documents and two applications, one for production of certain documents from the management and the other for production of certain documents from the Director of Mines Safety, Electrical Department, Dhanbad. On 25-10-72 Shri T. P. Choudhury appearing on behalf of the management filed three items of documents and also filed one document out of the three items of documents called for by Shri B. K. Lath. He also filed an application stating the reasons for non-production of the other two items of documents as they were not traceable. On 17-1-73 the

reference was listed for hearing but on that day Shri R. C. Banerjee, Joint Secretary of Koyala Shramik Sangathan appeared on behalf of the workmen and stated that the wife of Shri B. K. Lath was seriously ill and orally prayed for an adjournment. In order to accommodate Shri B. K. Lath the case was adjourned to 15-2-73. On admission by Shri Choudhury the two documents filed on behalf of the workmen were marked Exts. W1 and W2 and on admission by Shri B. K. Lath the documents filed by the management were marked Exts. M1 to M5. Arguments in part were heard but as the time was over the case was adjourned to 17-3-73 on which date Shri R. C. Banerjee, W.W.1 was examined on behalf of the workmen. He was cross-examined and was discharged. While he was being cross-examined, Shri B. K. Lath filed a document to which Shri T. P. Choudhury objected and on Shri Choudhury's objection the document was marked as Ext. W3. Next date was fixed on 10-4-73 on which date Shri B. K. Lath examined the concerned workman as W.W.2 who was cross-examined and, thereafter, Shri B. K. Lath closed his evidence. Shri T. P. Choudhury, thereupon, made a prayer for adjournment of the case as he wanted to produce Shri K. D. Bhattacharyya, Additional Chief Personnel Officer of the management, who was not present before the Tribunal on that date as he had gone to Hazaribagh with Shri Mohan Kumaramangalam, Minister of Mines who had come to visit Jitpur Colliery at Dhanbad. Accordingly at Shri Choudhury's request the case was adjourned to 11-5-73 on which date Shri Choudhury examined Shri A. N. Sarkar as M.W.1 and filed two more items of documents which were proved and were marked Exts. M6 and Ext. M7. Shri Lath objected to the filing of these two documents but these documents were taken on record along with the objection of Shri Lath. M.W.1 was cross-examined by Shri Lath and was discharged and the case was adjourned to 19-5-73 on which date Shri Choudhury filed originals of Exts. M6 and M7. Thereafter, arguments of the parties were heard and after arguments had been heard for a considerable period of time, both the learned counsel prayed for an adjournment. Accordingly, the case was adjourned to 2-6-73.

3. I now proceed to deal with the respective cases of the parties. The workmen's case, as contained in their written statement, which, it may be noted, is signed by Shri S. L. Sharma, the concerned workman, and not by any member representing the union of which Shri Sharma is a member and states that Shri S. L. Sharma was initially appointed as a Chageman (Electrical) on 12th July, 1961 and, thereafter, was appointed as an Electrical Supervisor in the colliery concerned vide memorandum No. 8352/E dated 25-10-61 (Ext. W1). It may however be observed that nowhere in Ext. W1 Shri Sharma is designated as an Electrical Supervisor, Ext. W1 was signed by Electrical Inspector of Mines. According to Shri S. L. Sharma his appointment approved by the Electrical Inspector of Mines as a regular Electrical Supervisor as per letter No. Giddi-C/Elec/6328-70 dated 28-11-61 addressed by the Manager of the colliery Gidi 'C' to the Deputy Superintendent of collieries. This is marked Ext. W2. The only relevant paragraph of Ext. W2 is as follows :

"Rule. 45 :—All remodelling & rectification of Electrical installation is since been done under an approved and competent electrical supervisor, Shri S. L. Sharma whose authorization has been approved by Elect. Inspector of Mines".

4. It is stated in paragraph 5 of Shri S. L. Sharma's written statement, although it is termed as a statement on behalf of the workmen, that since his appointment as Electrical Supervisor he has been continuing his work as such and when the Wage Board Recommendations were accepted by the Central Government the management of the National Coal Development Corporation Ltd., called for option of the workmen to accept the Wage Board Recommendations. In this connection attention is invited to Ext. M2. The option form is marked Annexure III to Ext. M2 and has been signed by Shri S. L. Sharma who designated himself as an Electrical Chageman grade I. The option form is dated 29-11-68. By this option form Shri S. L. Sharma gave his option in favour of Wage Board Recommendations.



5. Shri S. L. Sharma's case is that after obtaining the option form the management redesignated him as Foreman Electrical and fixed his grade and scale as Rs. 305-615/- which was wrong, illegal and arbitrary because an Electrical Supervisor, according to the Wage Board Recommendations, is to be redesignated as Foreman Incharge Technical and not as Foreman Electrical and the grade prescribed for Foreman Technical is Rs. 405—20—605—25—730. In this connection see Chapter VIII Vol. I page 79 of Wage Board Recommendations, Section 'C' which deals with Engineering Department. According to Shri S. L. Sharma his redesignation as Foreman Electrical is not based on any reasonable basis or any principles. It is contended by him that he pointed out orally the irregularity to the management but the management did not redress his grievance and, thereafter, an industrial dispute was raised on his behalf before the Assistant Labour Commissioner (C), Hazaribagh through the union namely Koyala Shramik Sangathan but the conciliation proceedings failed. The relief claimed is that the action of the management in redesignating Shri S. L. Sharma, as Foreman Electrical be declared wrong and the management be directed to redesignate him as Foreman Technical in the grade of Rs. 405—20—605—25—730 according to the Wage Board Recommendations as mentioned above. In the arguments Shri B. K. Lath appearing for Shri S. L. Sharma submitted that the concerned workman should get the benefit of new redesignation with effect from 15-8-67 when the Wage Board Recommendations were implemented. Shri B. K. Lath also submitted that Shri S. L. Sharma is holding a certificate of competency from the Bihar Government under Rule 45 of Electricity Rule 1966.

6. The case of the management is that the reference is incompetent as it has been raised by a "non-existing union" in as much as the said union has not entered appearance before this Tribunal. A preliminary objection is, therefore, raised that under these circumstances it is not an industrial dispute and since the subject matter of the reference is covered by a valid settlement during the course of the conciliation proceedings, the reference is bad in law. According to the management Shri S. L. Sharma was initially appointed as a chageman grade II in the scale of Rs. 200 to Rs. 300/- as per Central Government Pay Scale (See Ext. M2) with effect from 20-7-61 and this scale was revised to Rs. 250/- to Rs. 380/- and Shri Sharma was promoted to the post of chageman grade I with effect from 12-3-1964 in the scale of Rs. 335/- to 425/-. According to the management Shri S. L. Sharma held an electrical supervisory certificate of competency for mining installation and having exercised his option in favour of the Wage Board Scale of pay, he was redesignated as foreman with effect from 15-8-67 and was allowed the pay scale of Rs. 305/- to Rs. 615/- in accordance with the recommendations of the Wage Board. Since Shri Sharma, according to the management, held the post of chageman grade I, he was placed in the category of foreman in the Wage Board Scale of Rs. 305—615/- (See item No. 75 of Ext. W4) which is an office memorandum the title of which is "implementation of Wage Board Recommendations in respect of monthly paid staff". Ext. M4 is dated 17-8-68, and item No. 75 of Ext. M4 mentions Electrical Supervisor, Electrical Chageman Grade I, Chageman (Electrical Plant), Chageman (Plant Mech. in Excavation and so on). The new standard designation in front of item No. 75 is "Foreman (Elect/Mech./Excav)", as the case may be and the prescribed Wage Board scale and grade is mentioned as Rs. 305—15—395—20—575. It is mentioned in paragraph 7 of the management's written statement that the redesignation of Shri S. L. Sharma in the post of foreman for the Wage Board Scale of Rs. 305—615/- was not only justified but "any other placement would have violently shaken the hierarchy of the NCDC Organisation. In fact, Shri Sharma will be entitled to the Wage Board scale of Rs. 405—730/- if and when he is promoted to the post of Foreman Incharge depending upon his suitability and requirement in the area alongwith others by a duly constituted Departmental Promotion Committee". According to the management Shri Sharma opted for the Wage Board Recommendations and he knew and had reason to believe that he would get the corresponding Wage Board Scale of Rs. 305-615 and that Shri Sharma cannot now raise any objection about the scale given to him for which he opted and which had been allowed to him. The management contends that mere possession of "Electrical Supervisory Certificate" does not entitle him to be placed in the Wage Board Scale of Rs. 405—730 which is applicable to the Electrical Supervisor. A person must be designated as an

electrical supervisor before he can claim Wage Board scale of that grade. Paragraph 10 of the management's written statement is relevant and is quoted in full below :—

"That rule 131 of the Indian Electricity Rules provides for appointment of competent "Electrician" possessing appropriate certificate of competency. It does not specify any particular name of post nor prescribes any scale. The NCDC in compliance with the rules has adopted the following staff pattern :—

| Category                | C. P. C. Scale | Corresponding W. B. Scale | Designation.      |
|-------------------------|----------------|---------------------------|-------------------|
| Chageman Gr. II         | Rs. 200-300/-  | Rs. 305-615/-             | Foreman (Elect.)  |
| Chageman Gr. I          | Rs. 235-435/-  | Rs. 305-615/-             | -Do-              |
| Foreman(Elect. & Mech.) | Rs. 300-500/-  | Rs. 405-730/-             | Foreman Incharge" |

7. In paragraph 11 of the management's written statement it is stated that from what has been mentioned above it is clear that in compliance with the Indian Electricity Rules, the Staff pattern adopted by the N.C.D.C. is different from what is mentioned in the Wage Board which took into consideration the Staff Pattern obtaining in the private collieries of the Coal Industry. According to the management there is no post of an Electrical Supervisor in National Coal Development Corporation. The Indian Electricity Rules do not warrant creation of such a post. The claim of Shri Sharma that he is an Electrical Supervisor is neither justified nor is admissible under the cadre scheme of the N.C.D.C. and hence his claim is unwarranted and uncalled for and is without any merit.

8. At this stage it may be stated that during the arguments Shri T. P. Choudhury, appearing for the management did not press the point that there had been a settlement between the parties during conciliation proceedings and hence the reference was incompetent on that account.

9. Shri B. K. Lath who describes himself as appearing for the workmen filed a rejoinder to the written statement of the management and it is stated in the rejoinder that the industrial dispute in question was raised by a duly registered trade union and the same was in existence and even otherwise an unregistered trade union with a majority of workmen can raise an industrial dispute. The other paragraphs of the rejoinder are reiteration of the original allegations made in the written statement which was signed by Shri S. L. Sharma although it was termed as a written statement on behalf of the workmen. In the rejoinder it is also mentioned that the plea of the management that another placement of Shri S. L. Sharma would have violently shaken the hierarchy of the N.C.D.C. Organisation is false and misconceived. According to the allegations made in the rejoinder, grade I chagemen were to be redesignated as Electrical Foreman Incharge as per Wage Board Recommendations. It is also stated in paragraph 10 of the rejoinder that the Indian Electricity Act or the rules framed thereunder including rule 131 do not apply independently and the same are to apply subject to the provisions of the Mines Act, its rules and regulations. It is also denied in the rejoinder that the staff pattern adopted by the N.C.D.C. is in accordance with the Indian Electricity Rules.

10. During the course of the arguments while preliminary objection was being argued by Shri Choudhury Shri B. K. Lath filed another document i.e. Ext. W 3 which is dated 26-3-72 and is addressed to the Presiding Officer of this Tribunal. This document has been signed by the President of the Koyala Shramik Sangathan, Bihar and states that the President has authorised Shri R. C. Banerjee, member of the Sangathan to represent the case of Shri S. L. Sharma in this reference

11. I now proceed to decide the preliminary objection raised by Shri T. P. Choudhury that the reference is bad in law as it has not been raised by a union or a number of workmen and has been raised only by Shri S. L. Sharma individually and the union of which Shri Sharma was said to

be a member has not put in its appearance before the Tribunal. The fact that the union representing Shri S. L. Sharma has not put in any appearance before the Tribunal is correct because no valid authority has been filed on behalf of the union. As already stated above the written statement of the workmen was signed by Shri S. L. Sharma and not by any officer of the union i.e. Koyala Shramik Sangathan. The authority authorising Shri B. K. Lath, Advocate and Shri R. C. Banerjee to represent Shri S. L. Sharma are also signed by Shri S. L. Sharma and has been accepted by Shri B. K. Lath and Shri R. C. Banerjee who described himself as "Ex-Joint Secretary of Koyala Shramik Sangathan". It is also correct that Koyala Shramik Sangathan has not authorised its Secretary to appear on its behalf before the Tribunal as is clear from the letter of authority to Shri B. K. Lath dated 15-5-72. When the reference was received in the Tribunal from the Central Government, notice was issued to Koyala Shramik Sangathan union but it has not put in any appearance and no office bearer of that union also appeared before the Tribunal. Only Shri R. C. Banerjee, Ex-Joint Secretary of the union appeared as a witness and also signed the authority in favour of Shri B. K. Lath.

12. Shri B. K. Lath, however, contended that Shri S. L. Sharma himself could represent his case before the Tribunal and there is no bar in his doing so under the Industrial Disputes Act. According to Shri B. K. Lath section 36 of the Industrial Disputes Act does not take away the right of the individual workman to represent his case before the Tribunal. Section 36 of the Industrial Disputes Act deal with representation of parties and runs as follows :—

"36 Representation of parties—(i) A workman who is a party to a dispute shall be entitled to be represented in any proceeding under this Act by—

- (a) an officer of a registered trade union of which he is a member;
- (b) an officer of a federation of trade unions to which the trade union referred to in clause (a) is affiliated;
- (c) where the worker is not a member of any trade union, by an officer of any trade union connected with, or by any other workman employed in, the industry in which the worker is employed and authorised in such manner as may be prescribed.

(2) An employer who is a party to a dispute shall be entitled to be represented in any proceeding under this Act by—

- (a) an officer of an association of employers of which he is a member;
- (b) an officer of a federation of association of employers to which the association referred to in clause (a) is affiliated;
- (c) where the employer is not a member of any association of employers, by an officer of any association of employers connected with, or by any other employer engaged in, the industry in which the employer is engaged and authorised in such manner as may be prescribed.

(3) No party to a dispute shall be entitled to be represented by a legal practitioner in any conciliation proceedings under this Act or in any proceedings before a Court.

(4) In any proceeding before a Labour Court, Tribunal or National Tribunal, a party to a dispute may be represented by a legal practitioner with the consent of the other parties to the proceedings and with the leave of the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be."

13. Nowhere in section 36 it is mentioned that the concerned workman himself can represent his case in the proceedings under the Industrial Disputes Act. It may be mentioned that the parties in the reference as made by the Central Government are Gidi 'A' Collieries of Messrs. National Coal Development Corporation, P.O. Gidi, District Hazaribagh and then workmen. Shri S. L. Sharma in his individual capacity is not a party in the reference made to this Tribunal by the Central Government. Peculiar results will appear if both the union representing the workmen and the concerned workman contest the proceedings under the Industrial Disputes Act because they can have conflicting views. Section 36 of the Industrial Disputes Act which has been quoted above is exhaustive.

14. Shri R. C. Banerjee, W.W. 1, when in the witness box admitted that on 15-5-72 he was not an office bearer of the union. He also admitted that the union always appears before this Tribunal but the union did not file any written statement before the Tribunal but the written statement has been filed by the concerned workman himself. The date 15-5-72 is relevant because that is the date on which Shri B. K. Lath was authorised by Shri S. L. Sharma and Shri R. C. Banerjee to represent Shri S. L. Sharma before the Tribunal. Shri R. C. Banerjee also admitted in his deposition that on 15-5-72 he was not the Joint Secretary of Koyala Shramik Sangathan and that is why in the letter of authority in favour of B. K. Lath he described himself as "Ex-Joint Secretary".

15. Even Ext W 3 which Shri Lath filed during the course of arguments describes Shri R. C. Banerjee as member of the union and not an office bearer. To my question put to Shri R. C. Banerjee he replied that he has accepted the authority in writing. Shri R. C. Banerjee was shown Ext. W 3 and stated that there was nothing in that exhibit to show that he accepted the authority in writing.

16. In support of his contention that the reference is competent, Shri B. K. Lath placed reliance on a decision of a learned Single Judge of Patna High Court reported in A.I.R. 1964 page 489 between Ram Udgar Singh Versus Presiding Officer, Labour Court, in which it was held as follows :—

"Section 36 of the Act which provides different modes of representation for the workman or the employer involved in any industrial dispute does not take away the power of a workman or any employer to appear himself and make representation before the Tribunal or a Labour Court."

"A corporate body being physically unable to appear in person, has to act, when it chooses to do so, through a living person by authorising him for that purpose. That authority may flow from either legal provisions or from the rules made by the corporate body for transaction of its work. When the corporate body passes a resolution giving such authority to a particular person, then that person acquires the legal competency to act for and on behalf of that body. That will not be representing the corporate body in the sense as envisaged in clauses (a), (b) and (c) of sub-section (2) of S. 36 of the Act. That will be equivalent to a person appearing or acting in person."

17. There is, however, a decision of the Supreme Court which is directly in point and which was not discussed by the learned Single Judge of the Patna High Court in the case referred to above. That Supreme Court decision is reported in S.C.I.J. Vol. V at page 3582 in Ram Prasad Vishwakarma and Industrial Tribunal, Patna. The Supreme Court in its decision discussed section 36 of the Industrial Disputes Act and observed as follows :—

"The sole question that arises for our determination therefore is whether the appellant was entitled to separate representation in spite of the fact that the union which had espoused his cause was being represented by its Secretary, Fateh Singh. The appellant's contention is that he was a party to the dispute in his own right and so was entitled to representation according to his own liking. The question whether when a dispute concerning an individual workman is taken up by the union of which the workman is a member, as matter affecting workmen in general and on that basis a reference is made under the Industrial Disputes Act the individual workman can claim to be heard independently of the union, is undoubtedly of some importance. The question of representation of a workman who is a party to a dispute is dealt with by Section 36 of the Industrial Disputes Act. That section provides that such a workman is entitled to be represented by in any proceeding under the Act, by

- (a) an officer of a registered trade union of which he is a member;
- (b) an officer of a federation of trade unions to which the trade union of which he is a member is affiliated, and
- (c) whether the workman concerned is not a member of any trade union by an officer of any trade concerned with the industry or by any other workman employed in that industry.

"The appellant was the member of a trade union; and he was actually represented in the proceedings before the tribunal by an officer of that union, its secretary, Fateh Singh. The union through this officer, filed a written statement on his behalf. Up to January 12, 1957 when the appellant filed his application for separate representation, this officer was in charge of the conduct of the proceedings on behalf of the appellant. Never before that date, the appellant appears to have raised any objection to this representation. The question is, whether, when thereafter he thought his interests were being sacrificed by his representative, he could claim to cancel that representation, and claim to be represented by somebody else. In deciding this question, we have on the one hand to remember the importance of collective bargaining in the settlement of industrial disputes, and on the other hand, the principle that the party to a dispute should have a hearing. In assessing the requirements of this principle, it is necessary and proper to take note also of the fact that when an individual workman becomes a party to a dispute under the Industrial Disputes Act he is a party, not independently of the union which has espoused his cause".

The Supreme Court further observed at page 3585 as follows:—

"The necessary corollary to this is that the individual workman is at no stage a party to the industrial dispute independently of the union. The union or those workmen who have by their sponsoring turned the individual dispute into an industrial dispute, can therefore claim to have a say in the conduct of the proceedings before the tribunal".

The decision of the Supreme Court must take precedence over the decision of the Learned Single Judge of the Patna High Court.

18. Shri B. K. Lath, however, submitted that there are exceptional circumstances in the present reference which enable the concerned workman to represent the case in his individual capacity. Shri B. K. Lath however did not point out any exceptional circumstances in the present case to me and, I am therefore, not satisfied that in the present reference there are exceptional circumstances on account of which the decision of the Supreme Court can be distinguished. In view of the decision of the Supreme Court, which has not at all been discussed by the Learned Single Judge of the Patna High Court in his decision referred to above. It must be held that the preliminary objection raised by Shri T. P. Choudhury prevails and the same is sustained and it is held that the reference is incompetent and in view of that it is not necessary to go into the merits of the case and the result therefore, is that my award is a no dispute award. The concerned workman is not entitled to any relief.

19. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

D. D. SETH, Presiding Officer.  
[No. 2/201/70-LR II]

**S.O. 1858.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhowra Colliery of Messrs. Oriental Coal Company, Post Office Bhowra, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th June, 1973.

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

#### Reference No. 38 of 1971

#### Parties :

Employers in relation to the management of Bhowra colliery of M/s. Oriental Coal Company Limited, Post Office Bhowra, Dist. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

#### Present :

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.), Presiding Officer.

#### Appearances :

**For the Old management :** Shri P. K. Bose, Advocate.

**For Bharat Coking Coal Ltd. :** Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

**For the Workmen :** Shri S. Das Gupta, Advocate.

**State :** Bihar.

**Industry :** Coal.

Dhanbad, dated the 31st May, 1973

#### AWARD

This is a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 and arises out of an order passed by the Central Government No. L/2012/108/71-LRII dated New Delhi, the 12th August, 1971 in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order which runs as follows :

(1) "Whether the demand of the Colliery Madoor Sangh that Shri Abdul Quiyum Ansari, Mechanical Fitter, Bhowra Colliery of Messrs. Oriental Coal Company Limited, Post Office Bhowra, District Dhanbad should be placed in Category VI by the management with effect from the 15th August, 1967, is justified? If so, to what relief is the workman entitled?"

(2) "Whether the demand of the Colliery Mazdoor Sangh that Shri Haradhan Mahato, Boring Operator, Bhowra Colliery of Messrs. Oriental Coal Company Limited, Post Office Bhowra, District Dhanbad, should be placed in category VI by the management with effect from 15th August, 1967, is justified? If so, to what relief is the workman entitled?"

2. After the receipt of the reference notices were issued to the parties for filing their written statements and other documents. The written statement of the workmen dated 19th October, 1971 was received on 20-10-71 and was kept on record. On 1-11-71 Shri S. Das Gupta, appearing for the workmen, filed an application stating that the colliery concerned has been taken over by the Central Government and prayed that the Custodian General and the Custodian may be added as parties to the dispute. Accordingly, notices were issued to the Custodian General and the Custodian requiring them to show cause as to why they should not be made parties in the reference. On 12-1-72 written statement on behalf of the old employers, (here-in-after called the management) was filed and a written statement on behalf of the Custodian General and Custodian were also filed in identical terms. Shri Das Gupta, the same day filed a rejoinder to the written statement filed on behalf of the Custodian General and Custodian. On 31-1-72 Shri S. Das Gupta, for the workmen, filed an application that the Central Government has appointed Bharat Coking Coal Limited to take over the charge of the management of the colliery with effect from 18-1-72 and prayed that the summons may be issued to that authority to appear in the proceeding before the Tribunal. Accordingly, a notice was issued to the Bharat Coking Coal Ltd., to show cause why it should not be added as a party in the reference. On 24-3-72 an application was received from Bharat Coking Coal Ltd., stating that it had no objection to being added as a party and prayed for a month's time for filing written statement. Accordingly, an order was passed adding Bharat Coking Coal Ltd., as a party before the Tribunal and the time prayed for filing written statement was allowed. On 1-5-72 written statement on behalf of the Bharat Coking Coal Ltd., was received and placed on record. On 24-5-72 an application was filed on behalf of the management along with a list filing one document. Shri Das Gupta, on behalf of the workmen, also filed an application for production of certain documents by the management. On 4-7-72 Shri Das Gupta filed 12 items of documents. On 23-5-73 Shri Das Gupta examined Haradhan Mahato, WW.1 who proved certain documents which were marked Ext. W.1 to Ext. W.11 (a). He was cross-examined and discharged on the same day. Shri Das Gupta also filed three more items of documents with a list and on waiver of formal proof those documents were marked as Exts. W.12 to W.14. On 24-5-73 Shri Das Gupta examined three more witnesses namely Moti Mahato, WW.2, Dost Mohammed, WW.3 and Abdul Quiyum Ansari, WW.4 who proved some more documents which were exhibited as W.15 to W.16. As the cross-examination of Abdul Quiyum Ansari, WW.4 could

not be finished on 24-5-73, the hearing was adjourned to 25-5-73, when the cross-examination of Abdul Quiyum Ansari by Shri P. K. Bose was completed. In course of his deposition he proved one document which was marked as Ext. M1. Thereafter Shri Das Gupta examined Shri N. K. Lal as WW.5. He was examined, cross-examined and discharged. Thereafter Shri Das Gupta closed his evidence.

3. On behalf of the management Shri P. K. Bose examined only one witness namely Shri S. L. Azad as M.W.1. He was examined, cross-examined and discharged and thereafter parties closed their evidence.

4. It may be observed that throughout the deposition of the witnesses Shri S. S. Mukherjee, Advocate appearing for the Bharat Coking Coal Ltd., declined to cross-examine any witness produced on behalf of the management and workmen.

5. For a clear and proper appreciation of the dispute referred to this Tribunal a short history of the fixation of wages in respect of the collieries in this country may be relevant. It will also be relevant for the reasons that various awards have been referred to by the learned representatives of the parties during their arguments before me.

6. Prior to 1947, there was no uniformity in the wage structure and work load of the different categories of workmen in the coal mining industry. In 1947, the Government of India, Department of Labour, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Trade Disputes Act, 1929 constituted a Board of Conciliation on the question of a "positive policy in regard to the wages of the colliery workers". The award of this Board of Conciliation was published on 12-5-1947. Certain difficulties were felt in the interpretation of the award and to solve those difficulties, the parties entered into an agreement in the presence of the then Chief Labour Commissioner, Shri S. C. Joshi. This agreement is known as 'Joshi Agreement' and was in respect of the collieries situated in Bihar and Bengal. Similar steps were taken for the colliery workers in other States and the Conciliation Board award for Bihar and Bengal was followed by similar awards for the coal workers in other coal producing States. All these awards, however, were Region-wise. In 1954, the Government of India with a view "to bringing about uniformity in the mining industry as far as possible", in exercise of the powers conferred upon it by the Industrial Disputes Act, 1947 (Act XIV of 1947) constituted the All India Industrial Tribunal (Colliery Disputes) popularly known after its Chairman Shri J. N. Majumdar, as the Majumdar Tribunal. The award of the Majumdar Tribunal, hereinafter referred to as the Majumdar Award, was published on 26-5-1956 in the Gazette of India as required by the Industrial Disputes Act, 1947. Against the Majumdar Award, several appeals on behalf of both the workmen and the employers were filed before the Labour Appellate Tribunal of India, which were heard by a Special Bench presided over by Shri F. Jeejeebhoy the then Chairman of the Labour Appellate Tribunal of India. The Labour Appellate Tribunal gave its decision on 29th January, 1957 modifying the award of the Majumdar Tribunal. Thereafter, there was the arbitration award of Shri A. Das Gupta in the colliery disputes given on 30th December, 1959.

7. Lastly there was the report of the Central Wage Board for the coal mining industry contained in two volumes and the recommendations given by this Wage Board, hereinafter called the Wage Board Recommendations, were implemented on 15-8-1967.

8. The Majumdar award as modified by the decision of the Labour Appellate Tribunal, placed Fitters in category IV, category VII, category IX and category X. Subsequently, Das Gupta award fixed the incremental scales for all categories of workmen. The pay scales fixed for the aforesaid four categories were as under:—

|              |                      |
|--------------|----------------------|
| "Category—IV | Rs. 32.50-2.34-46.54 |
| Category—VII | Rs. 48.75-3.64-70.59 |
| Category—IX  | Rs. 71.50-3.64-93.34 |
| Category—X   | Rs. 85-5-115".       |

9. The Coal Wage Board, in its report, recommended Category IV, Category V and Category VI for fitters and regarding the fitments in new scales it was recommended that the fitters who were on old category IV, should be fitted

in new category IV, those in old category VII should be fitted in new category V and those in old category IX should be fitted in new category VI.

10. It may be mentioned that the wage scales recommended by the Coal Wage Board for category V and category VI were as under:—

|             |                          |
|-------------|--------------------------|
| Category—V  | Rs. 206.70-7.28-279.50   |
| Category—VI | Rs. 283.40-10.40-387.40. |

11. Before I set out the respective cases of the parties, it is relevant, at this stage, to mention that Appendix XII of Majumdar Award consists of 10 categories and "fitters" are mentioned in category IV, category VII as fitters "Grade II", category IX and category X as fitters "Head Colliery".

12. In the decision of the Labour Appellate Tribunal of India the chart contains the total emoluments of all categories upto category X. In respect of category X, the basic wage is shown as Rs. 85-5-115.

13. In Appendix V of the Wage Board Recommendations (Vol. II) fitters find a place at item No. 10 at page 48 and in front of the word "fitters" the following is mentioned:—

"All existing fitters in category VII, including Loco Mechanic Fitters will be placed in new Category V."

14. At page 49 of the Wage Board Recommendations (Vol. II) Appendix V, in front of "category V words (Skilled Senior) are mentioned and item No. 21 at page 49 of the Wage Board Recommendations mentions "Fitter (Grade II) (W) and in front of the word "Fitter" the following observations appear:—

"A workman capable of accurate filing and accurate fitting of bearings, keys etc. He must have a knowledge of the degrees of tolerance required in different jobs. He must have an adequate knowledge of the assembly, lubrication and efficient running of the machines which he is called upon to repair. Sometimes such a fitter is known as "Viceman".

15. At page 50 of the Wage Board Recommendations (Vol. II) in Appendix V, in front of "fitters" category VI the words "highly skilled" are mentioned in bracket and item No. 3 of category VI mentions fitters (W) and in front of the word "fitters" the following is mentioned:—"All fitters in old category IX including loco mechanic fitters should be placed in new Category VI).

16. Then again the word "fitters" is mentioned at item No. 9 in Appendix V (page 50) of the Wage Board Recommendations (Vol. II) as fitter—Grade I (W) and in front is mentioned the following:—"A workman capable of accurate filing and accurate fitting of bearings, keys etc. He must have a knowledge of the degree of tolerance required for any particular job. He must have a good knowledge of assembling, lubrication and efficient running of the machines which he is called upon to repair. He must be able to read and use micrometers and other similar instruments for accurate measurement".

17. The scale of wages recommended by the Wage Board Recommendations for various categories is to be found at page 59 (Vol. I) of the Wage Board Recommendations. The minimum daily wage for a category V workman is Rs. 7.95 with an increment of Rs. 0.28 going upto Rs. 10.75 maximum, and for category VI the minimum daily wage recommended is Rs. 10.90 with an increment of Rs. 0.40 going upto maximum daily wage of Rs. 14.90. Converting these scales on monthly basis the wages for a workman in category V work out to be Rs. 206.70 with an increment of Rs. 7.28 and going to the maximum of Rs. 279.50 and for category VI the monthly wages work out to be Rs. 283.40 with an increment of Rs. 10.40 going upto the maximum of Rs. 387.40.

18. Now I proceed to set out the respective cases of the parties.

19. The case of the workmen, as contained in their written statement is as follows:—

That Bhowra Colliery is one of the biggest collieries in the Jharia Coalfield. It is divided into two sections, Bhowra North and Bhowra South. The monthly raisings and the

employment position etc., of both the sections are as under :—

(i) Bhowra North—Raisings ... Approximately 30,000 tonnes per month.

No. of Mines—8—all inclines.

No. of workmen approximately 2,500

(ii) Bhowra South—Raisings ... Approximately 30,000 tonnes per month.

No. of mines—8-3 pits & 5 inclines.

No. of workmen approximately 2,500

20. In paragraph 3 of the written statement of the workmen it is mentioned that the management implemented all the recommendations of the Coal Wage Board as accepted by the Government of India excepting the provision regarding the Variable Dearness allowance which has been partially implemented.

21. Regarding Shri Abdul Quiyum Ansari, Mechanical Fitter, the case of the workman is that he was appointed at Bhowra North Colliery in 1960 as a Mechanical Helper and since 1-11-66 he has been working as a full-fledged fitter taking independent charge for two inclines; but although before and after the implementation of the Wage Board Recommendations he deserved old category IX and new category VI respectively, he was fixed in category IV inspite of his vehement protests.

22. In Bhowra (North) colliery there are only three category VI fitters, namely Shri Dost Mohammed, Lal Mohammed and R. K. Singh of whom Dost Mohammed and Lal Mohammed are in charge of 3 inclines each and the third fitter, Shri R. K. Singh works as a spare fitter. Shri Abdul Quiyum Ansari the concerned workman is in full charge of remaining two inclines namely 7B incline and 16 incline since those inclines were opened. He has to discharge his duties without any assistance or guidance from any other senior fitters.

23. There are only two coal cutting machine fitters namely, Shri Dost Mohammed and Shri Abdul Quiyum Ansari. All repairing work of all the coal cutting machines have to be handled by one or the other of these two fitters. Like all other category VI fitters Shri Abdul Quiyum Ansari the concerned workman, also has been allotted only General shift duty so that he can supervise the work of all the three shifts. It is mentioned in paragraph 4(g) of the workmen's written statement that the duties of Shri Ansari consist of among others, daily checking and inspection of all machineries underground and on surface e.g. Haulages, Pumps, Coal-cutting Machines, Water sprayers, Tipplers, Fans, Drills etc., and repairing, lubrication, assembling and installation of these or other machines whenever called for. All the other category VI fitters also have to do exactly the same work in mines under their jurisdiction. According to the workmen, as a fitter, Shri Abdul Quiyum Ansari is neither less skilled, nor less efficient than other category VI fitters referred to above and since he has been shouldering equal responsibility and discharging his duties as efficiently as others, he rightly claimed that he should be placed in category VI, but this was not listened to by the management.

24. Regarding Shri Haradhan Mahato, Boring Operator the workmen's case is that he was appointed on 27-10-65 as a Boring Helper and was placed in category III of the Majumdar Award and from the very date of his appointment Shri Mahato was called upon to work as an operator and has been working as a Boring Operator till today. He has, since the date of his appointment, been doing the same work as other boring operator but inspite of his repeated representations he was not granted the same category or wage scales. During 1965 and 1967 Shri Haradhan Mahato was transferred to Amlabad Colliery and Madhuband Colliery where also he worked as Boring Operator independently. His designation went on changing from time to

time. Sometimes he was called Boring Helper, sometimes Drill Helper Operator. Sometimes Boring Driver and some other times, a skilled Drill Helper. While at Madhuband Colliery Shri Haradhan Mahato was given category VI wages for about six months in 1966. Thereafter, his wages was again reduced to that of Category III. The Coal Wage Board recommended category A and Category D for the Boring Operators of the Excavation workers of M/s. National Coal Development Corporation Ltd. It is mentioned in paragraph 5(h) that the Wage scale of category D recommended for the National Coal Development Corporation Excavation Section is slightly higher than Category VI for other workman i.e. why Haradhan Mahato claimed category VI wages with effect from 15-8-67, the date on which the recommendations of the Coal Wage Board were implemented. The management, however, did not take into consideration the claim of the concerned workman nor the actual work done by him and most arbitrarily placed him in new category IV along with workmen who were much junior to him in skill and experience. Repeated representations of Haradhan Mahato and Abdul Quiyum Ansari and the union to which they belonged namely Colliery Mazdoor Sangh for placing them in category VI proved of no avail and, ultimately, the dispute was referred to the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad by the union vide his letter dated 15-3-71. The conciliation proceedings, however, ended in failure and, thereupon, the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation were satisfied that the concerned workmen had a genuine grievance referred this dispute to this Tribunal for adjudication.

25. According to the workmen the action of the management in denying the concerned workmen the wage scale of category VI with effect from 15-8-67 is unjustified, wrongful and mala fide and also amounts to unfair discrimination between workmen and workmen.

26. The workmen therefore claim that the Tribunal may be pleased to hold that the demand of Shri Abdul Quiyum Ansari, Mechanical Fitter and Shri Haradhan Mahato, Boring Operator for being placed in Category VI with effect from 15-8-67 along with the cost of the proceedings be paid to them.

27. The management's version on the other hand, as contained in their written statement-cum-rejoinder is as follows :—

Shri Abdul Quiyum Ansari, the workman concerned in item No. 1 of the schedule of the reference has been working in Bhowra Colliery as fitter helper and he was promoted as fitter on 13-9-69 only, and according to his experience in that category he was placed in category IV according to the Coal Wage Board Recommendations. Since 13-9-69 when Shri Ansari was promoted as fitter, he had been drawing his pay of category IV voluntarily without any objection whatsoever. According to the management, considering the experience of Sri Ansari as a fitter, he was properly placed in category IV of the Coal Wage Board Recommendations from the date of his promotion and there is no justification for placing him as a fitter in category VI with effect from 15-8-67 or from any other date and his demand in that respect is without any substance and is liable to be rejected. The management's case further is that Shri Abdul Quiyum Ansari works under the guidance of Lal Mohammed who is a category VI fitter and who attends to any major breakdowns of machineries of the incline of which he was in charge. There are haulages, pumps, fans and coal cutting machines in those inclines and out of which Shri Ansari works as a fitter only in respect of two coal cutting machines and attends to minor breakdowns only. The management accepted that Dost Mohammed, Lal Mohammed and R. K. Singh are in charge of all the machinery and they attend to all major breakdowns and considering their responsibilities and experience they have rightly been placed as category VI fitters. According to the management, it is Dost Mohammed, Fitter who attends all the machineries including coal cutting machine and Sri Ansari only works in shift duty and sometimes he is allotted to general shift duty.

28. In regard to Sri Haradhan Mahato the workman mentioned in item No. 2 of the schedule of the reference the case of the management is that he was originally appointed as Mazdoor sometimes in October, 1965 and was placed in category I, and on the date of Wage Board Recommendations, he was operating a Power driven drill to make holes in the coal and other strata and had been performing the duties required of a driller. The normal duty of Sri Haradhan Mahato are prospecting works and sometimes he is required to go underground to make holes with the drill and hence the job performed by Sri Haradhan was that of a driller and considering the duties performed by him he was rightly placed in category IV with effect from 15-8-67 as per Wage Board Recommendations. The management submitted that since after placing Sri Haradhan Mahato in category IV he has been voluntarily drawing his wages of category IV without any objection and the belated claim of the union representing his case is without any basis and his demand for placing him in category VI is without any substance and is liable to be rejected. According to the management Sri Haradhan Mahato has been working as a driller although he has been called a boring operator at Amlabad and Madhuband Collieries during 1965-67. Haradhan Mahato also performed the duty which was required that of a driller. According to the management his designation as a boring operator was loose used because his duty at all relevant times were that of a driller only. The management therefore claims that considering the duties performed by Sri Haradhan Mahato he was properly placed in category IV of the Wage Board Recommendations.

29. The workmen have filed rejoinder and reiterated the allegations made in their original written statement and further state that the Custodian General and now the Bharat Coking Coal Ltd., constitute the management in respect of the concerned colliery in which the concerned workmen worked and are liable to meet the demand of the workmen.

30. In its written statement the Custodian General stated that it took over the management of the colliery with effect from 17-10-1971 and, as such, had no concern with the alleged dispute which gave rise to the present reference and there was no dispute between the Custodian General and the workmen and hence the Custodian General is in no way liable or responsible for any act of the past management prior to the date of taking over of the colliery under the provisions of the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Act, 1971 (No. 64 of 1971), under the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 (No. 12 of 1971). The Bharat Coking Coal Ltd., also adopts the written statement filed by the out going employers on merits.

31. I shall now briefly with the categorisation of a boring operator, which Haradhan Mahato was, in the Wage Board Recommendations. It may be observed that there is no designation of boring operators either in the Majumdar or in the Wage Board Recommendations. It is admitted by the management that Haradhan Mahato was designated as boring operator. As already stated above there is no categorisation made in the Wage Board Recommendations regarding boring operators. For that we have to go to National Coal Development Corporation excavation section which are dealt with at page 55 (Vol. II) of the Wage Board Recommendations (Appendix VII). The heading of that appendix is "categorisation the excavation section of National Coal Development Corporation". Item No. B(i) of Appendix VII at page 55 deals with Drill operator grade I and in front of that item it mentioned as follows:—

"A skilled workman with not less than 5 years experience in the operation and handling of heavy duty rotary blast hole drills of dia. 7.7/8 and above. He should have general knowledge of the mechanism of the drill and undertake minor running repairs. He should be conversant with the types of bits to be used in different formations."

32. Then again at page 56 of Vol. II of Wage Board Recommendations under Appendix VII we find drill operator grade II mentioned at item No. D(i) and in front of that it is mentioned as follows:—

"A skilled workman with not less than 3 years experience in the operation and handling of rotary/percussive drills used for quarry work. He should have adequate knowledge of the type of bits to be used in different formation and should undertake minor running repairs".

These descriptions favourably compare with boring machines with which we are concerned in the case of Haradhan Mahato and for that we have to go to the testimonies of Haradhan Mahato, W.W. 1 and of Moti Mahato, W.W. 2. Haradhan Mahato, W.W. 1 stated that he joined Bhowra Colliery in 1965 as a boring helper and was placed in old category III of Majumdar Award and, thereafter, on promotion to the post of boring operator in 1966 he was placed in category VI of Majumdar Award. On implementation of the Wage Board Recommendations with effect from 15-8-1967 he was placed in category IV under the Wage Board Recommendations and soon, thereafter, he applied to the Chief Agent of the colliery for upgrading his scale. The boring machine on which he had to work used to be sent to different collieries belonging to M/s. Karamchand Thapar and Bros. Ltd., and he had to go along with the machine for operating it and thus he went to several collieries of that firm. The machine which he operated could dig bore holes upto 6" diameter. That machine was called Joy Boring Machine. There was another boring machine which was known as Longyear Machine. That machine also could dig bore holes upto a diameter of 6". When he was appointed at Bhowra Colliery the Joy Boring Machine used to be operated by Moti Mahato who was placed in category IX of the Majumdar Award. In 1966 Shri Moti Mahato was transferred to operate Longyear Machine but he was remained that of category IX. The witness also used to operate Joy Boring Machine and was placed in category VI of Majumdar Award. Haradhan Mahato categorically stated that there was no difference between the work done by him and the work done by Moti Mahato and there was no difference in the operations of the Joy Boring Machine and the Longyear Machine. Haradhan Mahato proved Exts. W1, W2, out-door tickets issued by Bhowra Colliery Hospital and Ext. W3 series which is bonus card for quarter beginning September, 1971. He also proved Ext. W4. He also proved Ext. W5 a letter dated 5-11-1966 from the Agent, Bhowra Colliery to the Manager, Madhuband Colliery. Several other documents namely Ext. W6, W7, W8, W9, W10, W11 and W11(a) were also proved by the witness. Exts. W11 and W 11(a) are two registers countersigned by the Manager, Madhuband Colliery and Putkee Colliery. Haradhan Mahato also stated that apart from operating the Joy Boring Machine he used to repair the machine also when it went out of order.

33. Cross-examined by Shri P. K. Bose on behalf of the management, the witness denied that he was appointed as a mazdoor in the colliery in the year 1965 and also denied that he was paid wages of category I of Majumdar Award. He also denied that when he joined Bhowra Colliery he worked under Moti Mahato and he stated that he worked with Moti Mahato for about six months but not as a subordinate. In the year 1967 when he was given the wages of category IV of the Wage Board Recommendations, Moti Mahato was given category VI. The witness is a matriculate and whenever he found any difficulty in the machine, he sought guidance from the colliery engineer. Witness denied that whenever he failed to operate the boring machine, Moti Mahato was sent and he set right the machine. Haradhan Mahato also denied that before the implementation of the Wage Board Recommendations in 1967 he was drawing wages according to category III of Majumdar Award and he stated that he was drawing the wages of category VI of Majumdar Award.

34. Moti Mahato, W.W.2 is a boring operator at Bhowra Colliery, having been appointed in 1955 as a boring helper and promoted as a boring operator in 1958. He stated that as a boring operator he was placed in category VI of Majumdar Award for one year and in 1959 he was upgraded to category IX of Majumdar Award. When he was transferred to Bhowra Colliery in 1960 he used to operate Joy Boring Machine and at that time there was only one boring machine. After his transfer to Bhowra Colliery he was further upgraded to category X of Majumdar Award and continued to operate the Joy Boring Machine till 1965, and thereafter he started operating the Longyear Boring Machine which had been newly purchased. The witness stated that he knew Shri Haradhan Mahato who was working as a boring operator. In 1965 he was working as a boring helper and in 1966 he was given Joy Boring Machine to operate and he continued to operate that machine. The witness stated that Haradhan Mahato and the witness had both worked in two different shifts



and further stated that there is practically no difference in operating the Longyear Machine and Joy Boring Machine. The witness also stated that there is no difference between his work and that of Shri Haradhan Mahato.

35. Cross-examined by Shri P. K. Bose on behalf of the management the witness stated that when he was working as an operator of the Longyear Machine, Haradhan Mahato was working under him as a helper. The witness was senior to Haradhan Mahato. When Haradhan Mahato was promoted to the job of boring operator he was drawing wages of category IV of Majumdar Award while the witness was drawing the wages of category X of Majumdar Award. The witness denied that the boring machine is operating in one shift and stated that it is operating in two shifts. The first shift is from 8-00 A.M. to 4 P.M. and the second shift is from 4 P.M. to 12 midnight. The witness works in the first shift daily. He stated that Haradhan Mahato also worked during the same shift when there was only one shift. About two month's ago, while Haradhan Mahato was operating Joy Boring Machine it went out of order and he could not set it right and, thereupon, the witness was called by the management and he set right the machine.

36. Chapter VIII Section B of Vol. I of Wage Board Recommendations deals with collieries of the National Coal Development Corporation including categorisation of the excavation section, deep shaft and mechanised mines. Paragraph 3 of Chapter VIII at page 60 runs as follows:—

"3. The monthly rated staff of the State Collieries were either governed by the Civil Service Rules or Railway Rules and their pay with dearness allowance was based on the recommendations of the First Pay Commission as accepted by the Government ..... At page 62 Vol. I of Wage Board Recommendations various categories of excavation section have been mentioned. The following relevant portion may be reproduced from paragraph:—

"We, therefore, recommended the following scales of basic pay for these categories of workmen:—

|            | Rs.   | Rs.  | Rs.    |
|------------|-------|------|--------|
| Category E | 6.75  | 0.20 | 8.75   |
| Category D | 10.75 | 0.40 | 14.75  |
| Category C | 12.00 | 0.60 | 18.00  |
| Category B | 13.50 | 0.70 | 20.50  |
| Category A | 16.00 | 0.90 | 25.00" |

37. It may be noted that category E is the lowest and category A is the highest. Drillers are in category B & D as already stated above.

38. Comparing with the rates of category VI i.e. "fitters" at page 59 of Vol. I of Wage Board Recommendations we find that category D of excavation section at page 62 of Vol. I Wage Board Recommendations is comparable to category VI of Vol. I of Wage Board Recommendations at page 59 because the charts are more or less the same. The wages of category D at page 62 start from Rs. 10.75—0.40—14.75 while the wages of category VI fitters at page 59 of Vol. I of Wage Board Recommendations are from Rs. 10.90—0.40—14.90.

39. I have already discussed above the testimonies of W.W. 1, Haradhan Mahato, the concerned workman, and Moti Mahato, W.W. 2 who deposed in favour of Haradhan Mahato. I shall now discuss the oral testimony of witnesses who have deposed in favour of Abdul Quiyum Ansari the other concerned workman in this reference and also of the only witness produced by the management namely, Shri S. L. Azad, M.W. 1. Abdul Quiyum Ansari, the concerned workman himself appeared as W.W. 4 and deposed that he was originally appointed as a Mechanical Fitter in Bhowra Colliery and worked as such till 1965 and from 1966 he has been working as a fitter in 9/23 Incline and used to work in general shift. Dost Mohammed was another fitter who also used to work in general shift. Prior to 1966 the witness was a helper of Dost Mohammed but after 1966

Dost Mohammed did not supervise his work and the witness worked independently. Abdul Quiyum Ansari stated that, as a fitter, he had to repair the pumps, haulages, fans and coal cutting machines and there is no difference between his work and the work of Dost Mohammed although the inspection report was written by Dost Mohammed. Even when Abdul Quiyum Ansari worked as a fitter his designation continued to be that of a Mechanical Helper and he used to get the wages of category IV of Majumdar Award. He was promoted as a fitter on 13th September, 1969 and was placed in the category IV of Wage Board Recommendations. At that time he was working in 9B incline and, thereafter, was transferred to 15, 16 and 7B Inclines. He also deposed that in 7B incline there is only one coal cutting machine, three pumps, two haulages and one tripler and he looks after all these machines. He further deposed that he also wrote inspection reports whenever any machine was sent to the workshop for repairs. He used to go to the workshop to instruct as to where welding was to be done. Since 1966 he made several representations, both verbal and in writing, for being designated and for being paid wages as a fitter in category VI of Wage Board Recommendations. In 1969 when he was placed in category IV of Wage Board Recommendations he protested. According to him in Bhowra (North) Colliery there are three fitters in category VI of the Wage Board Recommendations namely, Dost Mohammed, Lal Mohammed and R. K. Singh. The witness, later on, deposed about Gaya Singh whom he knew and whose reference was allowed by this Tribunal and who was directed to be placed in category VI of the Wage Board Recommendations. Shri Ansari also deposed that Lal Mohammed and R. K. Singh do not know how to repair coal cutting machines. The witness proved overtime slips which were marked Exts. W. 15 series and also overtime slips which were marked Ext. W16 series. He also proved the original certificate dated 5th June, 1968 signed by Shri P. G. Ghosh, Engineer, Bhowra Colliery given to him which was marked Ext. W17 and also proved the report of daily examination of haulage engine, countersigned by Shri S. L. Azad, Engineer, Bhowra (North) Colliery which was marked Ext. W18.

40. Cross-examined by Shri P. K. Bose, Shri Abdul Quiyum Ansari stated that in 1960 when he joined the colliery as a mechanical helper he worked under Dost Mohammed and used to work under his direction and guidance. He admitted that in 1966 he was not given any letter of appointment by the management of the colliery designating him as a mechanical fitter. After 13th September, 1969 when he was given the scale of mechanical fitter he was drawing Rs. 32.00 and odd per week after deduction of provident fund contribution. The witness was cross-examined at length as to on which incline he worked between 1960 and 1969 and he stated that after 1969 he was transferred to 16 incline and 7B incline and further stated that since 13th September, 1969 he was personally writing fitter's lodge book. He admitted that Ext. W18, which is the report of haulage engine had not been supplied by the management and that he had not obtained necessary permission to withdraw the book from the premises of the colliery for filing the same before this Tribunal. Witness was shown bonus register for the year 1969 (Ext. M1) and admitted that he had put his left hand thumb impression on that register. He also admitted that he did not know the job of welding and that he has not filed copies of the written representations which he made to the management since 1966 for placing him in category VI of Wage Board Recommendations. According to the witness in Bhowra (North) colliery there are 8 (eight) haulage engines and 10 pumps and there are four fans underground and at his place of work there is only one coal cutting machine. He denied that he ever worked under Lal Mohammed and R. K. Singh, Mechanical Fitters. He also admitted that since 13th September, 1969 when he was placed in category IV of the Wage Board Recommendations he had been drawing the correct rate of wages and has no grievance to that effect and also he has no grievance regarding proper rate of "Variable Dearness Allowance", quarterly bonus, annual bonus, leave wages and sick khoraki etc.

41. The next witness in favour of Abdul Quiyum Ansari is Dost Mohammed, W.W. 3. He stated that he was been working as a fitter in Bhowra Colliery since 1951 and was getting the wages of category IX of Majumdar Award, prior to 15th August, 1967. When the Wage Board Recommendations were implemented on 15th August, 1967 he had

been placed in category VI of the Wage Board Recommendations. He knew Abdul Quiyum Ansari since 1960 and stated that Sri Ansari worked as a helper under him upto 1965 but since 1967 Sri Ansari has been working as a mechanical fitter in the general shift in 9/23 incline. The witness also worked as a fitter in general shift. Dost Mohammed admitted that Abdul Quiyum Ansari used to work independently. According to Dost Mohammed a fitter had to do the repairing and fitting of the coal cutting machine, haulages, fans and pumps which were used to be done by Sri Ansari and also by the witness. The witness deposed that although Sri Ansari worked as a fitter since 1966, he was neither given the designation nor the wages of a fitter and that his designation continued to be that of a helper. In 1966 Ansari was given the designation of a fitter and was placed in category IV and got wages of that category. Shri Dost Mohammed stated that the nature of his work and Ansari's work was the same.

42. Cross-examined by Shri P. K. Bose, Dost Mohammed deposed that after the implementation of the Coal Wage Board Recommendations he, Lal Mohammed and R. K. Singh were placed in category VI of the Wage Board Recommendations. He denied that he was described as a Bara Mistry in Bhowra Colliery. He also denied that he operate a lathe machine himself and stated that he only reported the job to be done on the machine. He also denied that he knew the job of welding. Dost Mohammed further stated that after the implementation of the Coal Wage Board Recommendations in 1967 in the colliery and after he was placed in category VI of the Recommendations he did not make any grievance to the management. At present the places of the work of the witness and that of Abdul Quiyum Ansari are different and the witness does not watch Abdul Quiyum Ansari while he was performing his duty in the mine. The witness also deposed that he saw many representations of Abdul Quiyum Ansari made to the management for being designated as a fitter in category VI of the Wage Board Recommendations. According to him the workman brought the matter of the categorisation of Abdul Quiyum Ansari to the notice of the union who took up Ansari's cause with the management but no settlement could be arrived at.

43. Shri S. S. Mukherjee, appearing on behalf of the Bharat Coking Coal Ltd., declined to cross-examine the witness.

44. I am not taking into consideration the deposition of Shri N. K. Lal, W.W. 5 who deposed in favour of Abdul Quiyum Ansari because while N. K. Lal, was being examined he deposed that he obtained a receipt from the management with regard to a certificate regarding his appearance in Polytechnic classes at Dhanbad and the receipt of that certificate he promised to produce before the Tribunal on the next day. The witness was examined before the Tribunal on 25th May, 1973 but till today i.e. 30th May, 1973 he has not produced that certificate before me and hence his testimony is ignored.

45. Now I must deal briefly with the testimony of Shri S. L. Azad, Engineer of Bhowra (North) Colliery since 1967, (M.W. 1). This witness stated that he knows Abdul Quiyum Ansari and that Ansari was designated as a mechanical fitter on 13th September, 1969 and was placed in category IV and at that time there were other fitters in the higher grade of the Wage Board Recommendations. Those other fitters were Dost Mohammed, Lal Mohammed and R. K. Singh—All of them were in category VI of the Wage Board Recommendations. The witness deposed that as an Engineer he had to supervise the job of these mechanical fitters and that there are fitters working in Bhowra (North) Colliery under his supervision, drawing wages in categories IV, V, and VI of the Wage Board Recommendations. They have been placed in those categories in accordance with their experience, skill and efficiency. According to Shri S. L. Azad, Abdul Quiyum Ansari could not be at par with Dost Mohammed, Lal Mohammed and R. K. Singh. The witness further stated that he knows Haradhan Mahato, the concerned workman in item no. 2 of the Schedule to the reference, but stated that he does not know what work Haradhan Mahato was doing in 1967 because in that year the boring machine was not at Bhowra (North) Colliery. According to Shri S. L. Azad, Haradhan Mahato was a boring mazdoor

in 1967 while Shri Moti Mahato was operating the machine. Sri S. L. Azad further deposed that a boring operator and a driller perform the same nature of job. Haradhan Mahato was placed in category IV of the Wage Board Recommendations while Moti Mahato was in category VI and between the two the skill and performance of Moti Mahato was much superior to that of Haradhan Mahato. Even at present the witness did not consider it proper that Haradhan Mahato should be given the same rate of wages as are given to Moti Mahato.

46. Cross-examined by Shri Das Gupta on behalf of the workmen Shri S. L. Azad stated that he became the Engineer in the colliery concerned on 16.12.67 and that prior to the implementation of the Wage Board Recommendations Lal Mohammed was in category X, Dost Mohammed and R. K. Singh were in category IX of Majumdar Award. Both R. K. Singh and Dost Mohammed have got the experience of 20 years as fitters. All these three fitters were placed in the same category namely category VI of the Wage Board Recommendations with effect from 15th August, 1967. The witness admitted that he had never take a trade test of different fitters but had gone through the job description. Sri S. L. Azad admitted that there has not been any serious complaint about the job performance of Abdul Quiyum Ansari but denied that he ever recommended category VI of Wage Board Recommendations for him. Sri S. L. Azad stated that both the Longyear Machine and Joy Boring Machine were worked at Bhowra (North) Colliery under his supervision and that Haradhan Mahato never operated the Longyear Machine while he used to operate only Joy Boring Machine and further stated that when Moti Mahato was sick or on leave the Longyear Machine used to remain idle. According to Sri Azad, Moti Mahato used to operate both the machines whenever needed and whenever there was any difficulty Moti Mahato was sent to guide Haradhan Mahato. The witness however admitted that he had never taken trade test of either Moti Mahato or Haradhan Mahato. The witness also admitted that no record was maintained in the colliery about the assessment, skill and competency of the fitters or the operators.

47. The real point for determination in this reference is whether the concerned workmen, Shri Abdul Quiyum Ansari and Haradhan Mahato have the necessary qualifications for being placed in the grade of category VI as per recommendations of the Coal Wage Board. It is immaterial in what category they have been placed so far. The wages that they are receiving upto the present time are also of little consequence.

48. I shall now first consider the case of Abdul Quiyum Ansari and his qualifications. It has come in evidence that with effect from November, 1966 he has been working as a fitter independently. While working in No. 9/23 incline, as an independent fitter, he was in the general shift (see the testimony of Dost Mohammed, W.W. 3 and Abdul Quiyum Ansari, W.W. 4). Dost Mohammed has testified that, as an independent fitter, Abdul Quiyum Ansari had to do the same work as he did. The only difference was that Dost Mohammed had to write inspection report in the Lodge Book. It has also come in the evidence that with effect from 13.9.69 i.e. after the Wage Board Recommendations were implemented Abdul Quiyum Ansari was placed in category IV and from that date he was transferred to incline No. 16 and 7B incline and in those two inclines he worked as a fitter in the general shift and used to look after the work of all the three shifts and used to maintain all the machineries including coal cutting machine and also used to maintain the Lodge Book. The Lodge Book is Ext. W 18. The very first page of Ext. W 18 is signed by Abdul Quiyum Ansari and the general report about him was found to be satisfactory. The subsequent pages of Ext. W 18 are also signed by Shri Ansari and all the general report about him are said to be satisfactory.

49. Dost Mohammed has testified that there was no difference between his work and the work done by Abdul Quiyum Ansari with effect from 1966. It may be noted that at that time Dost Mohammed was placed in category IX of Majumdar Award and after the implementation of the Wage Board Recommendations he was placed in category VI. It has also come in evidence of Sri S. L. Azad, M.W. 1 that he did not carry out any trade test of the work of Abdul Quiyum Ansari or Haradhan Mahato. He also testified that



he never received any serious complaints about the job performance of Abdul Quiyum Ansari. As far back as 5th June, 1968 the then Engineer of the colliery concerned testified to the competency and skill of Abdul Quiyum Ansari in the following terms (Ext. W 17):—

"This is to certify that Sri Abdul Quiyum Ansari has been working in this colliery since 1-11-66 as a Mechanical Fitter U. G. and surface. He is looking after the maintenance, installation and repairs of all sorts of pumps, Haulages, C. C. Machine, Ventilation fan etc. He is hard working with sound health. He has given me satisfaction. I wish him success in his future life.

This is granted to him as I am leaving this concern".

50. I do not find any substance in the contention of Shri P. K. Bose that the Engineer concerned gave the above certificate to Abdul Quiyum Ansari just because he was leaving the colliery. No qualified engineer would give a certificate lightly. I, therefore, attach no importance to the contention of Shri P. K. Bose appearing for the old management. It is difficult to believe that the Engineer would have given the certificate to Abdul Quiyum Ansari without caring to ascertain the nature of work performed by him. There is no reason for me to assume that the facts stated in the above certificate are incorrect.

51. We can also have some idea regarding the qualifications of Abdul Quiyum Ansari from the overtime slips which are Exts. W15 and W16 series. These overtime slips show that Abdul Quiyum Ansari did all kinds of work e.g. repairing of pipes, haulages, fans, pumps, delivery pipes, fitting of "cutter chain". The correctness of the statement made in the overtime slips have not been challenged on behalf of the management. The certificate (Ext. W 17) given by the Engineer which has been referred to above and the overtime slips Ext. W15 and W16 series clearly show that Abdul Quiyum Ansari worked overtime and did all kinds of repairing work on different types of machines. These exhibits further show that Abdul Quiyum Ansari is capable of repairing various types of machine used in a coal mine. Thus the oral and documentary evidence seems to be overwhelmingly in favour of Abdul Quiyum Ansari.

52. Shri P. K. Bose the learned Advocate for the management pointed out to me that Dost Mohammed was senior mistry and Abdul Quiyum Ansari was junior to him i.e. Dost Mohammed deserved to be placed in higher category than Abdul Quiyum Ansari. I am afraid I cannot accept this conclusion. It is the skill of the workman and the actual work done by him which determines the category in which he should be placed. The overtime slips referred to above go against the case of the management that Ansari attended only to coal cutting machine and to no other machines—See paragraph 9 of the written statement of the management. No evidence has been led by the management to substantiate the allegations made in paragraph 9 of their written statement. Certain overtime slips e.g. slips dated 3-9-70, 4-9-70, 5-9-70, 31-8-70 and 21-10-70 show that Abdul Quiyum also worked on the same machine on which Lal Mohammed was working in 7/10 incline which shows that he was doing work in other mines also. All this shows that Abdul Quiyum Ansari was not less competent than Dost Mohammed. Lal Mohammed and R. K. Singh who were admittedly placed in category VI of the Wage Board Recommendations and I, therefore, see no reason why Abdul Quiyum Ansari should not be placed in category VI of the Wage Board Recommendations.

53. I now proceed to discuss the case of Haradhan Mahato which is the subject matter of item No. 2 of the schedule to the reference. The oral evidence regarding Haradhan Mahato's work has already been referred to above. The management has not challenged the position that Haradhan Mahato became a boring operator from 1966 and was placed in category IV of the Majumdar Award. On implementation of the Wage Board Recommendations Haradhan Mahato was placed in new category IV with effect from 15-8-67. The written statement of the management shows that the designation of boring operator given to Haradhan Mahato was loosely used while actually he was a driller but the fact remains that the management accepted the fact that Haradhan Mahato was designated as a boring operator. I have already referred to above that there is no categorisations

regarding boring operators in Wage Board Recommendations and for that we have to go to National Coal Development Corporation excavation. All these has been referred to above. Category D at page 62 of Vol. I of Wage Board Recommendations compares favourably to category VI of fitters of Wage Board Recommendations at page 59 of Vol. I because the wages of the two are the same. According to evidence on record Haradhan Mahato was performing the same job as prescribed for category 'D' drillers at page 62 of Vol. I of Wage Board Recommendations. It has come in evidence that he was operating Joy Boring Machine which was formerly operated by Moti Mahato. Moti Mahato has deposed that there was no difference in operating Joy Boring Machine and Longyear Machine. In paragraph 22 of the written statement filed by the management it has been stated that Haradhan Mahato has been correctly placed in the category in which he is according to his duty but no evidence has been led by the management regarding the work performed by Haradhan Mahato while, on the other hand, the workmen have produced W.W. 1 Haradhan Mahato and Moti Mahato, W.W. 2 who have clearly testified that the work done by them was exactly the same and there was no difference in their work. Ext. W1 is a certificate dated 13-7-65 given to Haradhan Mahato by the authorities of Geological Survey of India and runs as follows:—

#### "TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that Shri Haradhan Mahato Son of Late Aklu Mahato has been working under me on Craellius X-L 90 H (Drill machine wire line) since the last three years as a skilled drill helper. During this period of work he has gathered fair knowledge in diamond drilling operation, fishing work, pipe fittings and maintenance of Rig and Pump machines.

If he can be entrusted with any kind of responsible work, I am sure that he will prove worthy of it.

He is a young man of active habits and bears a good moral character. I wish him all success in life".

54. Ext. W14 is a certificate given to Haradhan Mahato by the Agent of the colliery concerned and is dated 4/5-1-71 and runs as follows:—

#### "TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that Sri Haradhan Mahato has been working in this concern with the Drilling Machine Crew since 27-10-65. He has worked with Longyear and Joy Drilling Machines and is capable of operating the Machine independently for drilling holes to moderate depths.

He have got no objection in releasing him if he desires for a better future prospect".

55. Ext. W5 dated 5-11-66 is the letter of transfer transferring Haradhan Mahato to undertake charge of Joy Boring Machine at Madhuband Colliery. The two certificates referred to above and Ext. W5 clearly show that Haradhan Mahato was a competent and a highly skilled operator from whom a good progress could be expected. In Exts. W1 to W8 which are signed by the Manager of the management, Haradhan Mahato has been described as a boring operator of a Joy Boring Machine. Ext. W11 and W11(a) which are attendance and overtime registers respectively show the duties performed by Haradhan Mahato. These registers have been countersigned by the Engineer and Manager of the colliery. In these registers Haradhan Mahato is described as a boring operator. These registers will show that Haradhan Mahato did repairing of boring machine and other works. In short, Haradhan Mahato was doing the same kind of work as was done by Moti Mahato, a senior man who was placed in higher category. Shri S. L. Azad the Engineer of the colliery deposed that he did not conduct any trade test either about Abdul Quiyum Ansari or Haradhan Mahato. In the absence of any trade test it cannot be said that the two workmen did not do skilled jobs. Shri S. L. Azad further deposed that he heard no grievance against the two concerned workmen.

56. In conclusion it must be stated that both the workmen were highly skilled and were performing the same jobs as were being done by the highly skilled men and there is no reason why the management should have refused to place them in category VI of the Wage Board Recommendations. The status or category of a workman is to be ascertained on the basis of the work actually performed by him and not on the basis of his official designation. (See the decision of the Supreme Court in *Central Bank of India Ltd., and others Vs. Rajagopalan and others*, 1963 (II) L.L.J. p. 89).

57. In view of the above I have no hesitation in holding that both Abdul Quiyum Ansari and Haradhan Mahato should have been placed in the grade of category VI as per recommendations of the Coal Wage Board, and the action of the management in refusing to place them in that category is not justified. It has not been disputed before me by Shri P. K. Bose, appearing for the management, that Abdul Quiyum Ansari was designated as a fitter. The only contention raised by Shri P. K. Bose was that all documents which have been filed in support of the case of Abdul Quiyum Ansari are subsequent to the year 1967 i.e. after the implementation of the Wage Board Recommendations. The contention of Shri P. K. Bose was that Abdul Quiyum Ansari has been rightly placed in category IV of Wage Board Recommendations. Regarding Haradhan Mahato Shri P. K. Bose contended that the certificate given to him by the Agent of the concerned colliery did not mention that he was an operator. According to Shri P. K. Bose Moti Mahato was far more efficient than Haradhan Mahato.

58. Having given my careful thought to the contentions of Shri P. K. Bose I have no hesitation in holding that both the concerned workmen should have been placed in the grade of category VI as per recommendations of the Coal Wage Board as they were highly skilled, as has been proved both by oral and documentary evidence on record.

59. I now proceed to consider the question of relief. According to Shri Das Gupta both the concerned should have been placed in category VI as per Wage Board Recommendations with effect from 15.8.67. The management of the concerned colliery vested in the Central Government represented by the Custodian General with effect from 17-10-71 under the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) ordinance, 1971. Under Section 25 FF of the Industrial Disputes Act, 1947 the concerned workmen ceased to be employees of the colliery concerned with effect from 17-10-71 and became employees of the Custodian General. This conclusion is based upon the principle laid down by the Supreme Court in *Gurushanthappa Vs. Abdul Kuddus*, A.I.R. 1969 S.C. 744. The management of the concerned colliery again underwent a change after passing of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972. Under that Act the ownership of the colliery vested in the Bharat Coking Coal Ltd., with effect from 1-5-72 and from 1-5-72 the concerned workmen ceased to be employees of the Custodian General and became employees of the Bharat Coking Coal Ltd. So, at present, the only authority competent to place the concerned workmen in new category VI of Wage Board Recommendations is the Bharat Coking Coal Ltd., Shri S. S. Mukherjee appearing for the Bharat Coking Coal Ltd., contended that Bharat Coking Coal Ltd., are not concerned with the dispute as there was no relationship of employers and employees between the parties when the ownership of the colliery vested in the Central Government. Shri Mukherjee drew my attention to various sections of the Coking Coal Mines (Nationalisation Act, 1972 and also to the provisions of Coking Coal Mines (Emergency provisions) Act, 1971. The Bharat Coking Coal Ltd., was formed on 12-1-72 and before that period the Custodian General acted as a Receiver of the colliery on behalf of the Central Government. Shri Mukherjee drew my attention to section 9 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972, the relevant portion of which runs as follows:—

“9(1) Every liability of the owner, agent, manager, or managing contractor of a coking coal mine or coke oven plant, in relation to any period prior to the appointed day, shall be the liability of such owner, agent, manager or managing contractor, as the case may be, and shall be enforceable against him and not against the Central Government or the Government company.

(a) .....

(b) no award, decree or order of any court, tribunal or other authority in relation to any coking coal mine or coke oven plant passed after the appointed day, but in relation to any matter, claim or dispute which arose before that day, shall be enforceable against the Central Government or the Government company;

(c) no liability for the contravention of any provision of law for the time being in force, made before the appointed day, shall be enforceable against the Central Government or the Government company”.

60. On the basis of the provision of section 9 quoted above Shri Mukherjee contended that the Central Government is not liable for any prior liability of the past management and further contended that no award can be enforceable against the Central Government.

61. It may however be noted that there is no bar in section 9 quoted above against making of an award.

62. Section 17(1) of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 lays down that every person who is a workman within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947, and has been, immediately before the 1st of May, 1972 in the employment of a coking coal mine shall become on and from the appointed day an employee of the Government Company. Section 17 is very relevant and makes Bharat Coking Coal Ltd., responsible for work in the mine on the same terms and conditions and with the same rights to pension, gratuity, and other matters as would have been admissible to them if the rights in respect of such a mine had not vested in the Government Company. It cannot be denied that Bharat Coking Coal Ltd., is the successor in interest of the past management and it is only Bharat Coking Coal Ltd., which can place the concerned workmen in category VI of the Wage Board Recommendations.

63. In my opinion it will not be just and proper to ask the Bharat Coking Coal Ltd., to place Abdul Quiyum Ansari and Haradhan Mahato in category VI of the Wage Board Recommendations with effect from the date earlier than 1st May, 1972. I, therefore, think that the ends of justice will be amply met if the concerned workmen are directed to be placed in new category VI of the Wage Board Recommendations with effect from 1st May, 1972.

64. I, therefore, make the following award. In respect of item No. 1 of the schedule to the reference my award is that the demand of the Colliery Mazdoor Sangh that Shri Abdul Quiyum Ansari, Mechanical Fitter, Bhowra Colliery of M/s. Oriental Coal Co. Ltd., P. O. Bhowra, Dist. Dhanbad should be placed in category VI by the management is justified but not from 15-8-1967. Abdul Quiyum Ansari is entitled to be placed in the grade of fitter category VI as per recommendations of the Coal Wage Board with effect from 1-5-1972.

65. In respect of item No. 2 of the schedule to the reference my award is that the demand of the Colliery Mazdoor Sangh that Shri Haradhan Mahato, Boring Operator, Bhowra Colliery of M/s. Oriental Coal Co. Ltd., Post Office Bhowra, District Dhanbad should be placed in category VI by the management is justified but not from 15-8-1967. Shri Haradhan Mahato is entitled to be placed in the grade of category VI by the management with effect from 1-5-72.

66. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

D. D. SETH, Presiding Officer.  
[No. 1-2012/108/71-LR II]

New Delhi, the 25th June, 1973

**S.O. 1859.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Coal Development Corporation Limited, Post Office

Korba, District Bilaspur (Madhya Pradesh), and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th June, 1973.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR**

**CAMP AT PACHMARHI**

Jabalpur, 25th May, 1973

**Present:**

Mr. Justice S. N. Katju—Presiding Officer.

**Case No. CGIT/LC(R)(2) of 1973**

(Notification No. L/22012/15/72-LRII dated 22-1-1973)

**Parties:**

Employers in relation to the management of National Coal Development Corporation Limited, Post Office Korba, District Bilaspur (M.P.) and their workmen represented through the National Coal Organisation Employees' Association, P.O. Korba Colliery, Distt. Bilaspur (M.P.).

**Appearances:**

For employers—Sri P. S. Nair, Advocate.

For workmen—Sri P. K. Thakur, Advocate.

**Industry:** Coal Mine

**District:** Bilaspur (M.P.)

**AWARD**

This is a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act.

The question referred to this Tribunal for its adjudication is:—

“Whether the Deputy Superintendent of Collieries, Korba and Manikpur Collieries of National Coal Development Corporation Limited, Post Office Korba, District Bilaspur (Madhya Pradesh), is justified in transferring Shri Sarju Prasad Singh, Underground Munshi Incline No. 3 and 4 Korba to Incline No. 1 and 2, Korba, with effect from the 11th November, 1971? If not, to what relief is the workman entitled?”

The workman, Sarju Prasad Singh, was working as an Underground Munshi in Incline No. 3 and 4 in the Mines of National Coal Development Corporation Ltd. (hereinafter called the Corporation) at Korba, District Bilaspur. It is alleged by the workman that the Union of workmen, the National Coal Organisation Employees Association, had organised a strike at Korba Collieries from 19-10-1971 to 25-10-1971 and Sarju Prasad Singh in his capacity as Branch Secretary of the Union had taken an active part in organising the aforesaid strike. This action of Sarju Prasad Singh had annoyed the management and immediately after the termination of strike on 25-10-1971 the management Corporation arbitrarily transferred Sarju Prasad Singh by its order dated 10-11-1971 from Incline No. 3 and 4 to Incline No. 1 and 2 with a view to victimise him and this act of the management constituted an unfair labour practice. It was further alleged that at the time of the aforesaid transfer of Sarju Prasad Singh there were five Underground Munshis working in Incline No. 1 and 2 only Sarju Prasad Singh was working as an Underground Munshi in Incline No. 3 and 4. Under these circumstances, there was no justification for transferring Sarju Prasad Singh from Incline No. 3 and 4 to Incline No. 1 and 2.

The competency of the reference was challenged on behalf of the Corporation and it was further stated that neither the workman nor his representative has ever made a demand on the management with reference to his transfer from Incline No. 3 and 4 to Incline No. 1, 2 and consequently there could be no industrial dispute. It was further contended that in any case the transfer of Sarju Prasad Singh from Incline No. 3 and 4 to Incline No. 1 and 2 was purely

an administrative act which was within the competency of the management and it had been bonafide made on administrative grounds.

The parties did not lead any oral evidence. It appears that on 12-11-1971 the representative of the workman had a talk with the Director (Administration) Ranchi regarding the transfer in question. The Director directed that the matter be enquired by the General Manager of the Korba Zone of the Corporation through its Group Personnel Officer. Eventually the representation made on behalf of the workman challenging his transfer was turned down. The dispute was then taken up in conciliation which ended in failure. Thereafter it was referred to this Tribunal. Under these circumstances, it is evident that the Corporation had been apprised of the dispute which had been raised on behalf of the workman.

Admittedly Sarju Prasad Singh has continued to remain within the same residential quarter which he was occupying before his transfer from Incline No. 3 and 4 to Incline No. 1 and 2. It was admitted on behalf of the workman that the distance between the two inclines is only about half a mile. There has been no change in the conditions of service of the workman or in his emoluments or status in consequence of the transfer in dispute. It was conceded on behalf of the workman that it is within the power of the management to transfer a workman from one place to another. It was, however, contended that in the present case the transfer was prompted by mala fide considerations with a view to victimize the workman for his Trade Union activities and it is within the competence of the Tribunal to see whether the transfer was prompted by mala fide considerations. It was further contended that under the terms of the reference the Tribunal has to answer the question whether the transfer of the workman was justified. There may be a feeling on the part of the workman that because he had taken an active part in sponsoring the strike, which was however denied by the management, the transfer was made by the management with a view to harass and victimize him. The mere fact that the transfer of the workman was made after the termination of the strike in the Colliery did not lead to the only inference that the management with a view to victimize the workman had passed the order of transfer in question. There must be some element of punishment involved in the alleged victimization. As mentioned above there has been no change whatsoever in the status, service conditions and residential accommodation of the workman after his aforesaid transfer. Thus the mere act of transfer cannot imply that it had been done with a view to victimize and punish the workman. On the other hand, the management has got the right to transfer its employee from one place to another and in the present case, according to the management, the order of transfer was passed on administrative grounds. Unless there is clear evidence of victimization or unfair labour practice this Tribunal will be very reluctant to interfere with the order of transfer in question which is seemingly and administrative act and which is fully within the competence of the management. This Tribunal will not, in the absence of conclusive evidence of victimization and unfair labour practice, sit in judgement over such administrative acts of the management as the transfer of the workman in question. If the management thought that for administrative reasons the workman should be transferred from Incline No. 3 and 4 to its Incline No. 1 and 2 it was justified in doing so.

My award, therefore is that the transfer of the workman from Incline No. 3 and 4 of the Collieries at Korba to Incline No. 1 and 2 of the Collieries at Korba with effect from 11-11-1971 was justified and the workman is not entitled to any relief. I make my award accordingly. The parties will bear their own costs.

S. N. KATJU, Presiding Officer  
KARNAIL SINGH, Under Secy.

श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय  
(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 12 जून, 1973

क्र. अ. 1860.—यतः श्री एम. पी. जोशी न जिस भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. क्र. आ. 3805, तारीख 28 अक्टूबर, 1968 के

अधीन स्थापित कांडला डॉक श्रमिक बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया था, उक्त डॉक श्रमिक बोर्ड के अध्यक्ष को संबोधित अपने हस्ताक्षरयुक्त पत्र द्वारा, अपना पद त्याग दिया है;

और यतः उक्त डॉक श्रमिक बोर्ड में एक रिक्ति हो गई है;

अतः, अब, डॉक कर्मकर (नियोजन का विनियमन) नियम, 1962 के नियम 4 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त रिक्ति को अधिसूचित करती है।

[सं. 5/17012/1/72-पी. एण्ड डी. (1)]

New Delhi, the 12th June, 1973

**S.O. 1860.**—Whereas Shri M. P. Joshi who was appointed as a member of the Kandla Dock Labour Board established under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3805 dated the 26th October, 1968 has resigned his office by a letter under his hand addressed to Chairman of the said Dock Labour Board;

And whereas a vacancy has occurred in the said Dock Labour Board;

Now, therefore, in pursuance of the provisions contained in rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby notifies the said vacancy.

[No. V. 17012/1/72-P&D(i)]

**क्र. आ. 1861.**—डॉक कर्मकर (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एम. पी. जोशी के स्थान पर श्री रामकान्त देसाई को कांडला डॉक श्रमिक बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. क्र. आ. 3805, तारीख 26 अक्टूबर, 1968 में निम्नीलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “डॉक कर्मकरों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य” शीर्षक के अन्तर्गत, मद् (3) के सामने “श्री एम. पी. जोशी” प्रविष्टि के स्थान पर “श्री रामकान्त देसाई” प्रविष्टि रखी जाएगी।

[सं. 5/17012/1/72-पी. एण्ड डी. (2)]

बी. शंकरालिंगम, अवर सचिव (पी. एण्ड डी.)

**S.O. 1861.**—In exercise of the powers conferred by sub-section(3) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri Ramakant Desai, as a member of the Kandla Dock Labour Board vice Shri M. P. Joshi, and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3805, dated the 26th October, 1968, namely:—

In the said notification, under the heading “Members representing the Dock Workers”, against item (3), for the entry “Shri M. P. Joshi”, the entry “Shri Ramakant Desai” shall be substituted.

[No. V. 17012/1/72-P&D(ii)]  
V. SANKARALINGAM, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 8 जून, 1973

**क्र. आ. 1862.**—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में जिसके मालिक श्री मोहन कृष्ण चड्ढा, नयापुर, कोटा हैं, बुधपुरा सैंड स्टोन माईन तंत्र के प्रबंध से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मकरों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

“क्या बुधपुरा सैंड स्टोन माईन के प्रबंध मंडल की जिसके मालिक श्री मोहन कृष्ण चड्ढा, नयापुर, कोटा हैं, श्री बजरंग लाल शर्मा, मुन्शी की 21 अक्टूबर, 1972 से सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई न्यायीयुक्त थी? यदि नहीं, तो कर्मकर किस अनुलोष का हकदार हैं?”

[संख्या एल.-29012(16)/73-एल आर. 4]

एस. एस. सहस्त्रनामानन, अवर सचिव

New Delhi, the 8th June, 1973

ORDER

**S.O. 1862.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Budhpura Sand Stone Mine owned by Shri Mohan Krishna Chadda, Nayapura, Kota and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

AND WHEREAS the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Budhpura Sand Stone Mine owned by Shri Mohan Krishna Chadda, Nayapura, Kota in terminating the services of Shri Bajaranglal Sharma, Munshi, with effect from the 21st October, 1972 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-29012(16)/73-LR.IV]

New Delhi, the 22nd June, 1973

**S.O. 1863.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial disputes between the employers in relation to Canteen Stores Department (India) Bombay and its workman Shri M. Gopal, Poster Roy, which was received by the Central Government on the 19th June, 1973.

ARBITRATION AWARD UNDER SECTION 10 A OF  
THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947 IN THE  
INDUSTRIAL DISPUTE BETWEEN THE CANTEN  
STORES DEPARTMENT (INDIA) BOMBAY.

AND

THEIR WORKMAN REPRESENTED BY THE CANTEN  
STORES DEPARTMENT (INDIA) EMPLOYEES  
UNION, BOMBAY

**Present :**

Shri H. D. Goil,

Regional Labour Commissioner (Central), Bombay and  
Arbitrator.

**Appearance :**

For the Employers.—Maj. S. P. Aggarwal, Off. Dy.  
General Manager, Canteen Stores Department  
(India), Bombay

For the workman.—Shri S. Augustine, General Sec-  
retary, Canteen Stores Department (I) Employees'  
Union, Bombay

Bombay, the 14th June, 1973

**AWARD**

1. By an agreement dated 5-1-1973 between the manage-  
ment of the Canteen Stores Deptt. (India) Bombay on the one  
hand and the Canteen Stores Department (India)  
Employees' Union, Bombay on the other agreed between  
them to refer the following matter in dispute for my arbit-  
ration under Section 10 A of the Industrial Disputes Act.

*Specific matter in dispute :*

"Whether the action of the management of Canteen  
Stores Department (India) Bombay in terminating  
the services of Shri M. Gopal, Poster Boy, BRV  
Cinema, Bangalore is justified? If not, what relief  
the workman is entitled to?"

2. The parties further agreed that the decision of the  
Arbitrator shall be binding on them.

3. The Arbitration agreement was published in the Govt.  
of India Gazette of March 17, 1973 Part-II, Section 3,  
sub-section (ii) under S. O. 844.

4. The arbitration agreement, inter alia, provided that I  
shall give my award within a period of 3 months from the  
date on which this agreement is published by the Govt. of  
India in the Official Gazette, or within such further time  
as is extended by mutual agreement between them in writing.

5. I called upon the parties to submit to me their respec-  
tive written statements endorsing copies to each other  
as well as their rejoinders, if any, on each others statements  
on the case. Both the parties filed statements of their respec-  
tive case and also furnished rejoinders on the statement  
of the other. I heard both the parties on different dates and  
finally on 13-6-1973.

6. The case of the Canteen Stores Department (India)  
Employees Union in the dispute, in brief, is as under :—

Shri M. Gopal was appointed as Poster Boy of Defence  
Services Cinema, BRV Talkies, Bangalore on 5-3-1967. Shri  
Gopal fell sick and remained absent from duty from  
14-1-1971 to 18-2-1971. On 19-2-1971 he went to the DSC  
Manager for collection of his pay for January, 1971 and also  
handed over a medical certificate from a private medical prac-  
titioner declaring him fit. But the Manager of DSC,  
BRV Bangalore, did not allow the said Shri Gopal to  
resume duty from 19-2-1971 on the plea that he will have  
to obtain the orders from the Head Office at Bombay.  
Shri Gopal approached the DSC Manager on several occasions  
with a request that he should be allowed to resume duty.  
The Manager told him that unless he received the order  
from the Head Office to that effect, he (Shri Gopal) would  
not be allowed to resume his duty. Subsequently he was  
issued a chargesheet on 9th March, 1971 by the General  
Manager, CSD(I) and ultimately he was removed from the  
service with immediate effect vide the management's order  
No. 3/A-3/P. No. 8090/539 dated 3-7-1971. The Union  
stated that the action of the Manager of the Cinema is

highly irregular inasmuch as not allowing Shri Gopal to  
resume duty when he approached him with the fitness certi-  
ficate. Similarly the action taken by the General Manager  
in invoking two different sets of rules for taking disciplinary  
action against him, i.e. issuing charge-sheet and show cause  
notice under CCS(CCA) Rules 1965 and terminating his  
services under Section 39 of Shops & Establishments Act of  
Mysore State, is malafide. Therefore, the Union prayed that  
Shri Gopal be reinstated in service with effect from  
19-2-1971, the day when he approached the management  
with medical certificate of fitness and wages for the entire  
period till the date of his reinstatement be paid to him.

7. The case of the Canteen Stores Department (India) is  
as under :—

Shri M. Gopal was appointed as Poster Boy in Defence  
Services Cinema B.R.V. Talkies, Bangalore, on 5-3-1967.  
According to the terms and conditions of service as specified  
in the appointment letter, he was to be governed by the  
local Shops and Commercial Estts. Act. These conditions  
were accepted by the workman. He remained absent from  
14-1-1971 and onwards. On 19-2-1971 (AN) he submitted  
medical certificate, but did not resume his duty. On that  
day he left the place promising to report for duty on the next  
day i.e. 20-2-71. But he never reported for the same. He  
was, therefore, issued a chargesheet under CCS(CCA) Rules  
1965 on 9-3-71. He replied on 27-3-1971 admitting that  
he remained absent without prior permission but submitted  
medical certificate. As Shri Gopal admitted the charges,  
the disciplinary proceedings were processed and he was im-  
posed the penalty of removal from service with immediate  
effect vide management's letter No. 3/A-3/P.No. 8090/539  
dated 3-7-1971. It would thus be seen that the services of  
Shri Gopal were terminated after following a proper and  
just procedure and the order of termination was perfectly  
in order. It was passed by the authority competent to do so.  
Therefore, the action of the management in terminating his  
services is fully justified and he is not entitled to any relief  
whatsoever. There is no gain-saying the fact that in the  
processing of this case two different sets of rules had to be  
followed but it was perfectly in conformity with the re-  
quirement of the Law. His services were terminated under  
Section 39(1) of the Mysore Shops and Commercial  
Establishments Act, 1971. The said Act provides for termi-  
nation of services of an employee after establishing  
misconduct on record. But nowhere in the Act it is provid-  
ed as to how it is to be processed. Naturally, therefore, it  
was incumbent on the Disciplinary Authority to adopt some  
procedure and with a view to afford the maximum possible  
opportunity of natural justice, to the delinquent official, the  
procedure outlined in the CCS(CCA) Rules 1965 was  
adhered to. It will be seen that Shri Gopal was afforded the  
fullest possible opportunity to prove his innocence and the  
principles of natural justice were scrupulously followed.

8. After carefully examining the written statements and  
rejoinders submitted by the parties and the arguments ad-  
vanced by them, the vital point of the case is to prove  
whether the workman concerned reported for duty but was  
not allowed to resume his duties. Argument of the manage-  
ment that the workman did not report for duty on 20-2-1971  
as promised by him after handing over the medical certi-  
ficate does not carry much force. The management should have  
immediately written to the workman concerned confirming  
the fact that he did not report for duty on 20-2-1971 as  
promised by him. On the other hand, the union was also  
not in a position to adduce any documentary evidence to  
the effect that the workman reported for duty on 20-2-1971  
but was not allowed to resume the same. I have also ob-  
served that the past record of the workman concerned was  
not good and he was in the habit of absenting without per-  
mission. Keeping all these factors in view, I feel it will not  
be proper to interfere in the action of the management in ter-  
minating the services of the workman. But taking into  
consideration the long service put in by Shri M. Gopal and  
to meet the ends of justice, it will be perfectly in order, if  
the management pays Rs. 750 (Rupees Seven hundred and  
fifty only) as an ex-gratia payment to him and I give my  
award accordingly.

9. The payment due as a result of this award shall be  
made by the management within one month from the date  
of publication of the award.

H. D. GOIL,  
Arbitrator and Regional Labour Commissioner.  
[F. No. L-14012/2/73-LR II]  
S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जून, 1973

**क्र. आ. 1864.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुस्व पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री सुनील कुमार मित्र को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरीक्षित स्कीम और कटुस्व पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, संपूर्ण पश्चिमी बंगाल राज्य और अंडमान और निकोबार द्वीप के संघ राज्य क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती हैं।

[सं. ए. 12016(17)/73-पी. एफ. (1)]

New Delhi, the 16th June, 1973

**S.O. 1864.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Sunil Kumar Mitra to be an Inspector for the whole of the State of West Bengal and the Union Territory of the Andaman and Nicobar Islands for the purposes of the said Act, and the scheme and the family pension scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/17/73-PF. I]

**क्र. आ. 1865.**—यतः उत्तर प्रदेश सरकार ने, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (घ) के अनुसूचना में श्री गुलाम हुसैन, विशेष सचिव, श्रम विभाग उत्तर प्रदेश को श्री दशरथ सिंह के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है,

अतः, अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसूचना में, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. क्र. आ. 2763, तारीख 27 मई, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, धारा 4 के खंड (घ) के अधीन राज्य सरकारों द्वारा नामनिर्दिष्ट "शीर्षक के अन्तर्गत, मनु 20 के सामने की प्रविष्टि" के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"श्री गुलाम हुसैन,  
विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार,  
श्रम विभाग, लखनऊ।"

[फ. सं. 16013(6)/71एच. आई.]

दलजीत सिंह, अवर सचिव

**S.O. 1865.**—Whereas the State Government of Uttar Pradesh has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri Ghulam Hussain, Special Secretary, Department of Labour, Uttar Pradesh to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Dasrath Singh;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2763, dated the 27th May, 1971, namely :—

In the said notification, under the head (Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4, for the entry against item 20, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri Ghulam Hussain, Special Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Department of Labour, Lucknow".

[F. No. U. 16013(6)/71-HI]

DALJIT SINGH, Under Secy.

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 7 जून, 1973

**क्र. आ. 1866.**—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिशर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 16 की उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रशासन-अधिकारी, नीलोखेड़ी टाउनशिप को तत्काल प्रभाव से मुआवजा भंडार की अभिरक्षा, प्रबंध तथा निपटान संबंधी कार्यों के लिए नीलोखेड़ी टाउनशिप के प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती हैं।

[संख्या 7(2) ए. आर. जी./63]

जय किशन अहलुवालिया, संयुक्त निदेशक

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 7th June, 1973

**S.O. 1866.**—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-Section (2) of Section 16 of the Displaced persons (compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints for the Nilokheri Township the Administrative Officer, Nilokheri Township as Managing Officer, for the custody, Management and disposal of Compensation Pool with immediate effect.

[No. 7(2)ARG/63]

J. K. AHLUWALIA, Joint Director.